सूर्योदय दि. 13-11-2021
दिल्ली स्टै. टा.
सूर्यास्त दि.30-17/33 दि.5 -17/37

अधिकतम तापमान 11.1° न्यूनतम तापमान 22.1°

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI No.DELHIN/2015/66886

ओपन सर्च

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in Website | www.opensearch.co.in

नुसरत जहांने निखिल जैन संग... पृष्ठ-8 पर

वर्ष : 06 अंक : 224 नई दिल्ली, शनिवार 13 नवम्बर-2021 नई दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से प्रसारित मूल्य : 02 रूपए | पृष्ठ : 08

सरकार के निर्णयों का प्रभाव बढ़ाने में आरबीआई के फैसले मददगार : पीएम

मोदी ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रिजर्व बैंक की दो अभिनव सुविधाओं का उद्घाटन किया

नई दिल्ली.ओपन सर्च

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बैंकिंग क्षेत्र को मजबूत बनाने के उद्देश्य से सरकार की ओर से किये गये फैसलों का प्रभाव बढ़ाने में रिजर्व बैंक (आरबीआइ) के निर्णयों को मददगार बताया और कहा कि बीते वर्षों में बैंकिंग एवं वित्त क्षेत्र के समावेशन समेत अन्य सुधारों की ताकत को कोरोना महामारी के दौरान पूरे देश ने देखा और उन्हें विश्वास है कि एक संवेदनशील और निवेशक हितैषी गंतव्य के रूप में भारत की नयी पहचान को आरबीआई निरंतर सशक्त करता रहेगा।

श्री मोदी ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रिजर्व बैंक की दो अभिनव सुविधाओं का उद्घाटन किया, जिनमें एक के जरिए अब आम आदमी भी केंद्रीय बैंक से सीधे सरकारी बॉन्ड खरीद कर अपना पैसा उसमें निवेश कर सकेगा। दूसरी सुविधा पूरे देश के लिए आरबीआई की एकीकृत लोकपाल योजना है। इसके तहत ग्राहक कहीं से एक ही स्थान पर डिजिटल माध्यम से बैंकिंग सेवाओं के बारे में अपनी शिकायतें दर्ज करा सकेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र को और मज़बूत करने के लिए सहकारी बैंकों को भी आरबीआई के दायरे में लाया गया। इससे इन बैंकों की गवर्नेंस में भी सुधार आ रहा है और जो लाखों जमाकर्ता हैं, उनके भीतर भी इस प्रणाली के प्रति विश्वास मजबूत हो रहा है। बीते सालों में देश के बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र में समावेशन से लेकर प्रौद्योगिकीय एकीकरण और दूसरे सुधार किए हैं। उनकी ताकत हमने कोविड के इस मुश्किल समय में भी देखी है। सरकार जो बड़े-बड़े फैसले ले रही थी उसका प्रभाव बढ़ाने में आरबीआई के निर्णयों ने भी मदद की है। श्री मोदी ने कहा, छह-सात साल पहले तक देश में बैंकिंग, पेंशन, बीमा, ये सबकुछ एक एक्सक्लूसिव क्लब जैसा हुआ करता था। देश का सामान्य नागरिक, गरीब परिवार, किसान, छोटे व्यापारी-कारोबारी, महिलाएं, दलित-वंचित-पिछड़े, इन सबके लिए ये सब सुविधाएं बहुत दूर थीं। जिन लोगों पर इन सुविधाओं को गरीब तक पहुंचाने की जिम्मेदारी थी उन्होंने भी इस पर कभी ध्यान नहीं दिया बल्कि बदलाव न हो इसके लिए भांति-भांति के बहाने बनाए जाते थे। कहा जाता था कि बैंक शाखा नहीं है, कर्मचारी नहीं है, इंटरनेट नहीं है, जागरूकता नहीं है और न जाने क्या-क्या तर्क होते थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते सात सालों में गैर निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) की पारदर्शिता के साथ पहचान की गई। उनके समाधान और रिकवरी पर ध्यान दिया गया। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का पुनर्पूंजीकरण किया गया। साथ ही वित्तीय प्रणाली और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में एक के बाद एक सुधार किए गए।

श्री मोदी ने कहा, हमें देश की और देश के नागरिकों की आवश्यकताओं को केंद्र में रखना ही होगा। निवेशकों के भरोसे को निरंतर मजबूत करते रहना होगा। मुझे पूरा विश्वास है कि एक संवेदनशील और निवेशक हितैषी गंतव्य के रूप में भारत की नई पहचान को आरबीआई निरंतर सशक्त करता रहेगा। अमृत महोत्सव का ये कालखंड, 21वीं सदी का ये दशक देश के विकास के लिए बहुत अहम है। ऐसे में आरबीआई की भी भूमिका बहुत बड़ी है। मुझे पूरा विश्वास है कि टीम आरबीआई देश की अपेक्षाओं पर खरा उतरेगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रिजर्व बैंक की दो अभिनव सुविधाओं का उद्घाटन किया, जिनमें एक के जरिए अब आम आदमी भी केंद्रीय बैंक से सीधे सरकारी बॉन्ड खरीद कर अपना पैसा उसमें निवेश कर सकेगा। दूसरी सुविधा पूरे देश के लिए आरबीआई की एकीकृत लोकपाल योजना है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र को और मज़बूत करने के लिए सहकारी बैंकों को भी आरबीआई के दायरे में लाया गया। इससे इन बैंकों की गवर्नेंस में भी सुधार आ रहा है और जो लाखों जमाकर्ता हैं, उनके भीतर भी इस प्रणाली के प्रति विश्वास मजबूत हो रहा है। बीते सालों में देश के बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र में समावेशन से लेकर प्रौद्योगिकीय एकीकरण और दूसरे सुधार किए हैं।

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने दिल्ली का बेटा होने का निभाया फर्ज

ट्रक हादसे में घायल युवक के निधन से शोकाकुल परिवार को मुलाकात कर दी सांत्वना

विजय कुमार.ओपन सर्च

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली का बेटा होने का फर्ज निभाते हुए ट्रक दुर्घटना में घायल युवक विप्लक के निधन से शोकाकुल परिवार से आज मुलाकात की और उनको ढांढस बंधाया। सात नवंबर को विप्लक अपने परिवार के साथ माता काली की पूजा कर घर लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। इस हादसे में गंभीर रूप से घायल विप्लक का एम्स ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान 8 नवंबर को निधन हो गया था। इस दौरान मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि विप्लक के निधन का मुझे बहुत दुख है। इतनी कम उम्र में घर के एक जवान का चला जाना, बहुत ही दुख की बात है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने आश्वासन दिया कि कभी भी परिवार को कोई दिक्कत या किसी चीज की जरूरत होती है, तो हर संभव मदद करने की कोशिश करेंगे। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में जब भी इस तरह की दुखद घटनाएं होती हैं, तब मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दिल्ली का बेटा होने का फर्ज निभाते हुए शोकाकुल परिवार के घर जाकर उन्हें सांत्वना देते हैं और दिल्ली सरकार की तरफ से हर संभव मदद करने की कोशिश करते हैं। इससे पहले भी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कई परिवारों से मुलाकात कर मदद पहुंचाई है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ट्रक हादसे में घायल विप्लक के निधन की जानकारी मिलने पर उनके परिवार के दुख में शामिल होने और सांत्वना देने आज उनके घर पहुंचे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शोकाकुल परिवार के लोगों से बात कर हादसे के बारे में पूरी जानकारी ली। परिवार के लोगों ने बताया कि वे लोग माता काली की पूजा करके घर लौट रहे थे, तभी ट्रक पलट गया और उसके नीचे आने से विप्लक को काफी गंभीर चोटें आ गई थीं और इलाज के दौरान उनका निधन हो गया, जबकि तीन और लोग गंभीर चोटें आई हैं। हालांकि अब उनकी तबीयत में काफी सुधार है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हादसे में घायल विप्लक के निधन की जानकारी मिली, तो मुझे बहुत दुख हुआ। इतनी कम उम्र में घर के एक जवान का चला जाना, बहुत ही दुख की बात है।

सात नवंबर को विप्लक अपने परिवार के साथ माता काली की पूजा कर घर लौट रहे थे, तभी ट्रक दुर्घटना में वे घायल हो गए थे

विप्लक के निधन का मुझे बहुत दुख है, इतनी कम उम्र में घर के एक जवान का चला जाना, बहुत ही दुख की बात है : अरविंद केजरीवाल

एक नज़र

देश में कोरोना के 12 हजार से अधिक नये मामले

नई दिल्ली (एजेंसी) देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के मामलों में एक दिन पहले की तुलना में कुछ कमी दर्ज की गयी और इस दौरान करीब साढ़े 12 हजार नये मामले सामने आये हालांकि स्वस्थ होने वालों की संख्या अपेक्षाकृत अधिक रहने से सक्रिय मामलों में गिरावट जारी रही। इस बीच देश में गुरुवार को 53 लाख 81 हजार 889 लोगों को कोरोना के टीके लगाये गये और अब तक एक अरब दस करोड़ 79 लाख 51 हजार 225 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शुक्रवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस के 12,516 नये मामले सामने आये हैं और इसी के साथ संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर तीन करोड़ 44 लाख 14 हजार 186 हो गया है। इसी दौरान 13,155 मरीज स्वस्थ हुए हैं और इसके साथ ही इस महामारी को मात देने वालों की संख्या बढ़कर तीन करोड़ 38 लाख 14 हजार 080 हो गयी है। देश में सक्रिय मामले 1,140 घटकर 137416 रह गये हैं। इसी अवधि में 501 मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर चार लाख 62 हजार 690 हो गया है।

चौतरफा लिवाली से तीन दिन की गिरावट से उबरा शेयर बाजार

मुंबई (एजेंसी) वैश्विक बाजार में तेजी और स्थानीय स्तर पर आईटी, टेक, रियल्टी और दूरसंचार समेत सभी समूहों में हुई जबरदस्त लिवाली के दम पर आज शेयर बाजार पिछले तीन दिन की गिरावट से उबरकर एक प्रतिशत से अधिक की तेजी लेकर बंद हुआ। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 767 अंक की छलांग लगाकर 60 हजार अंक के पार 60,686.69 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 229.15 अंक उछलकर 18 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के ऊपर 18,102.75 अंक पर रहा। हालांकि दिग्गज कंपनियों की तरह छोटी और मझौली कंपनियों में लिवाली नहीं देखी गई। इस दौरान मिडकैप 149.71 अंक चढ़कर 26,368.78 अंक और स्मॉलकैप 73.14 अंक की बढ़त लेकर 29,232.53 अंक पर रहा। बीएसई में कुल 3464 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ। इनमें से 1663 हरे निशान जबकि 1650 लाल निशान पर रहे वहीं 151 में कोई बदलाव नहीं हुआ।

दिल्ली एनसीआर में धुंध की चादर, वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में

नई दिल्ली (एजेंसी)

राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार सुबह धुंध की घनी चादर दिखाई दी। वायु गुणवत्ता खराब होने से यह अब गंभीर श्रेणी में पहुंच गया है। राजधानी में सुबह दस बजे के आसपास वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 450 अंक को पार कर गया। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी है। आईएमडी ने सुबह के बुलेटिन में कहा दिल्ली-एनसीआर में 12 और 13 नवंबर को वायु गुणवत्ता बेहद खराब रहने का अनुमान है। वहीं 14 नवंबर को भी वायु गुणवत्ता बेहद खराब की श्रेणी को पार कर जायेगा। विभाग ने कहा, आज दिन के समय हल्की हवाएं चली और शाम/रात में हवा के रुकने से प्रदूषण बढ़ने के लिए प्रतिकूल होगा। अगले पांच दिनों तक प्रतिकूल मौसम की स्थिति बने रहने के आसार हैं। वायु गुणवत्ता प्रणालीऔर मौसम पूर्वानुमान एवं अनुसंधान के अनुसार अगले दो दिन तक वायु गुणवत्ता बेहद खराब से गंभीर श्रेणी में बनी रहने का अनुमान है। एजेंसी ने कहा कि आज आग के प्रभाव का असर 3914 तक कम हो गया।

जबकि पीएम2.5 में पराली जलाने की हिस्सेदारी करीब 26 फीसदी है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार फेफड़ों को नुकसान पहुंचाने वाले पीएम 2.5 आज सुबह में 346 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर थी। जो सुरक्षित सीमा से छह गुना ज्यादा थी। राजधानी में पीएम 10 का स्तर 504 माइक्रोग्राम घन मीटर दर्ज किया गया। राजधानी के कुछ इलाकों में वायु गुणवत्ता का स्तर 500 से पार कर खतरनाक श्रेणी तक पहुंच गया है।

रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र के लिए जल्द आएगी केंद्र की प्रोत्साहन योजना : राजनाथ सिंह

ओपन सर्च.ब्यूरो

लखनऊ। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में निजी क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए जल्द ही केंद्र सरकार द्वारा प्रोत्साहन योजना शुरू करने की घोषणा की है। सिंह ने शुक्रवार को 'उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर' में निवेश प्रोत्साहन के लिए उद्यमियों के साथ राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में एक अहम बैठक के दौरान यह घोषणा की।

उन्होंने कहा है कि सरकार निजी क्षेत्र की ताकत और जरूरत को समझती है। निजी और सार्वजनिक क्षेत्र साथ मिलकर काम करने पर भारत जल्द ही रक्षा उत्पादन क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो सकेगा। इस दौरान योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर आत्मनिर्भर भारत का सपना पूरा करने का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। उन्होंने कहा कि इसकी बदौलत भारत अब रक्षा उत्पादों का निर्यात केन्द्र बनने की ओर अग्रसर है और उत्तर प्रदेश इसमें सबसे महत्वपूर्ण भागीदारी निभाएगा। यहां मुख्यमंत्री आवास पर आयोजि बैठक में रक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरीडोर में निवेश के लिये राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के साथ विचार विमर्श किया। रक्षा मंत्री ने डिफेंस कॉरिडोर की प्रगति पर खुशी जताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी ने औद्योगिकीकरण के प्रोत्साहन के लिए राज्य में बेहतर माहौल तैयार किया है। सिंह ने कहा कि पिछले पांच वर्ष में भारत का रक्षा निर्यात 334 प्रतिशत बढ़ा है। जिसकी बदौलत भारत अब 75 देशों को रक्षा निर्यात कर रहा है। उन्होंने कहा कि अब मोदी सरकार रक्षा उत्पाद उद्योग से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने भरोसा जताया कि इस कॉरिडोर के सभी छह नोड (आगरा, अलीगढ़, झांसी, चित्रकूट, कानपुर आक्र लखनऊ) में जल्दी ही उत्पादन शुरू हो जाएगा। सिंह ने कहा कि लखनऊ तथा झांसी में निवेश करने वालों को जमीन भी उपलब्ध करा दी गई है। जल्दी ही केन्द्र सरकार द्वारा प्रायोजित एक योजना लागू की जायेगी। इसमें कॉरिडोर में निवेश करने के लिए रक्षा उद्योगों को प्रोत्साहन देने का प्रावधान होगा।

गहलोत के बाद अब सचिन पायलट सोनिया से मिले

नई दिल्ली.ओपन सर्च

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत तथा पार्टी के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट के बीच सत्ता को लेकर चल रहे विवाद को खत्म करने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी सक्रिय हो गई हैं और उन्होंने श्री गहलोत से मुलाकात के एक दिन बाद आज श्री पायलट से बातचीत की। पायलट ने कांग्रेस अध्यक्ष से उनके आवास पर मुलाकात के बाद पत्रकारों को बताया कि उन्होंने श्रीमती गांधी से कहा कि राजस्थान में मंत्रिमंडल में जल्द ही विस्तार होना है और इसमें पार्टी के लिए काम करने वाले लोगों को भी सम्मान मिलना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष के श्री गहलोत के बाद उनके बातचीत करने संबंधी सवाल पर श्री पायलट ने कहा कि यह बहुत अच्छा है कि श्रीमती गांधी लगातार राजस्थान को लेकर वहां के नेताओं से जानकारी ले रही हैं कि प्रदेश में फिर पार्टी का परचम लहराए इसके लिए किस तरह के कदम उठाए जाने चाहिए। उनका कहना था कि प्रदेश कांग्रेस से जुड़े सभी नेताओं को इस बात पर ध्यान देने की जरूरत है कि राजस्थान में पार्टी फिर से कैसे चुनाव जीतकर आए। उन्होंने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस को मजबूती प्रदान कर और सत्ता में वापसी सुनिश्चित करने के लिए किस तरह के निर्णय लिए जाने चाहिए इस बारे में पार्टी के प्रदेश प्रभारी महासचिव अजय माकन ही उचित निर्णय लेंगे। कांग्रेस नेता ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस की वापसी के लिए मिलकर सभी को बहुत जमीनी स्तर पर काम करने की जरूरत है। राज्य में 2023 में विधानसभा चुनाव है और इसके लिए अब दो साल से भी कम समय बचा है इसलिए सभी को मिलकर संगठन को मजबूत करना होगा।

लखीमपुर खीरी हत्याकांड पर सुनवाई स्थगित, जांच निगरानी पर सोमवार को फैसला

शीर्ष न्यायालय ने पिछली सुनवाई के दौरान प्रथम दृष्टया एक आरोपी को बचाने की कोशिश करने समेत कई सवाल सरकार पर खड़े किए थे

नई दिल्ली.ओपन सर्च

उच्चतम न्यायालय में लखीमपुर खीरी हत्याकांड मामले में जांच की निगरानी का जिम्मा उच्च न्यायालय के अवकाश प्राप्त न्यायाधीश को देने के पर शुक्रवार को निर्णय नहीं लिया जा सका और इस मामले में सोमवार हो फैसला सकता है।

मुख्य न्यायाधीश एन. वी. रमन , न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश सरकार का पक्ष रख रहे वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे की गुजारिश पर सुनवाई सोमवार तक के लिए टाल दी। शीर्ष न्यायालय ने पिछली सुनवाई के दौरान पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायलय के अवकाश प्राप्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति रंजीत सिंह और न्यायमूर्ति राकेश कुमार जैन के नाम सुलझाये थे।

पीठ ने दोनों न्यायाधीशों में से किसी एक से जांच की निगरानी का प्रस्ताव राज्य सरकार को दिया था। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर वकील हरीश साल्वे ने सुनवाई शुरू होते ही पीठ के समक्ष कहा, वह कुछ काम कर रहे हैं। सुनवाई सोमवार तक के लिए टाल दी जाए। पिछली सुनवाई के दौरान उन्होंने पीठ को आश्वस्त किया था कि सरकार लखीमपुर खीरी मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी की निगरानी के लिए शीर्ष अदालत की ओर से सुझाए गए न्यायाधीशों के नाम के बारे में शुक्रवार को अपनी राय देगी। मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली यह खंडपीठ अब तक हुई सुनवाईयों के दौरान योगी आदित्यनाथ की सरकार की जांच पर असंतोष व्यक्त करते हुए कई बार फटकार लगा चुकी है। शीर्ष न्यायालय ने पिछली सुनवाई के दौरान प्रथम दृष्टया एक आरोपी को बचाने की कोशिश करने समेत कई सवाल सरकार पर खड़े किए थे। सरकार को गवाहों की सुरक्षा का आदेश देते हुए सीआरपीसी की धारा 164 के तहत उनके बयान दर्ज कराने में तेजी लाने का आदेश पीठ ने दिया था। शीर्ष न्यायालय ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सबूतों को इकट्ठा करने में कथित तौर पर ढीला रवैया अपनाने पर खिंचाई की थी और उपलब्ध सबूतों से छेड़छाड़ की आशंका व्यक्त करते हुए उसे सुरक्षित रखने के लिए जरुरी उपाय करने का आदेश सरकार को दिया था। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में तीन अक्टूबर को केंद्र के नये कृषि कानूनों का विरोध कर रहे चार किसानों समेत आठ लोगों की मृत्यु हो गई थी। इस मामले में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के नेता अजय मिश्रा के पुत्र आशीष मिश्रा आरोपियों में शामिल है। पुलिस ने आशीष समेत कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आशीष को मुख्य आरोपी बताया जा रहा है।

एक साल से आंदोलनरत किसान तीन अक्टूबर को केंद्रीय राज्य मंत्री पैतृक गांव में आयोजित एक कार्यक्रम को लेकर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। आरोप है कि लखीमपुर खीरी में सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे किसानों को कार से कुचल दिया गया। इस कार में अन्य आरोपियों के साथ आशीष सवार था। कार से कुचलकर चार लोगों की मृत्यु के बाद भड़की हिंसा में चार अन्य लोग मारे गए थे। लोगों को कुचलने वाली गाड़ियों में गुस्साई भीड़ द्वारा आग लगा दी गई थी। इस घटना में मरने वालों में एक स्थानीय पत्रकार और भारतीय जनता पार्टी के दो कार्यकता शामिल हैं।

मुख्य न्यायाधीश एन. वी. रमन , न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश सरकार का पक्ष रख रहे वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे की गुजारिश पर सुनवाई सोमवार तक के लिए टाल दी। शीर्ष न्यायालय ने पिछली सुनवाई के दौरान पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायलय के अवकाश प्राप्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति रंजीत सिंह और न्यायमूर्ति राकेश कुमार जैन के नाम सुलझाये थे।

राष्ट्रीय सुरक्षा से आपराधिक खिलवाड़ कर रही है सरकार : राहुल

नई दिल्ली (एजेंसी) कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर हमला करते हुए आज कहा कि सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ कर रही है और इस संबंध में देश को गुमराह किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज करते हुए उन्होंने कहा कि 'मिस्टर 56 इंच' डर गये हैं और उनकी सरकार के पास देश की सीमाओं की सुरक्षा को लेकर कोई रणनीति नहीं है।

श्री गांधी ने ट्वीट किया हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा से आपराधिक खिलवाड़ किया जा रहा है क्योंकि मोदी सरकार के पास कोई स्ट्रैटेजी नहीं है और मिस्टर 56 इंच डर गए हैं। मेरी संवेदनाएँ उन जवानों के साथ हैं जो अपनी जान पर खेलकर हमारे बॉर्डर की रक्षा कर रहे हैं जबकि केंद्र सरकार झूठ पे झूठ बोल रही है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पहुंच रहे वाराणसी, विधानसभा चुनाव 2022 की परखेंगे तैयारी

वाराणसी (एजेंसी)
केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शुक्रवार की शाम पांच बजे बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पहुंच रहे हैं। इस दौरान उनका स्वागत सीएम योगी आदित्यनाथ करेंगे। वहीं उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और दिनेश शर्मा की भी मौजूदगी रहेगी। अमित शाह के बनारस आगमन से पहले ही केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान आ गए हैं।

गृहमंत्री पहले बरेका स्थित गेस्ट हाउस जाएंगे जहां दोपहर का भोजन करने के बाद बड़ा लालपुर स्थित पं. दीनदयाल हस्तकला संकुल पहुंचेंगे। गृहमंत्री अमित शाह शाम 3.45 बजे बाबतपुत एयरपोर्ट इंडियन एयरफोर्स के विमान से पहुंचेंगे और 4.05 बजे हेलीकाप्टर के बीएचयू के लिए रवाना होंगे। महामना मदन मोहन मालवीय के पुण्यतिथि के मौके पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। शाम करीब पांच बजे वापस बाबतपुर एयरपोर्ट हेलिकॉप्टर से जाएंगे और वहां से दीन दयाल हस्तकला संकुल पहुंचेंगे। शाम 5.10 बजे से रात आठ बजे तक स्थानीय आयोजनों के लिए दीन दीनदयाल हस्तकला संकुल में पार्टी पदाधिकारियों संग बैठक में प्रतिभाग करेंगे। संकुल में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा के संगठनात्मक बैठक होगी। पहले सत्र की बैठक में मुख्य वक्ता धर्मेंद्र प्रधान ही रहेंगे। इस दौरान चुनाव से पहले संगठन की कार्यशैली के एजेंडे पर भाजपा के पदाधिकारियों को संबोधित करेंगे। बैठक में सभी 403 विस क्षेत्रों के प्रभारी व अध्यक्ष, भाजपा संगठन के दृष्टिगत गठित प्रदेश के 98 जिलों के प्रभारी व अध्यक्ष शामिल होंगे। इसके अलावा उप्र विधानसभा चुनाव समिति के प्रदेश प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान की टीम के सदस्य होंगे। भाजपा के प्रदेश प्रभारी राधामोहन सिंह, प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह, प्रदेश संगठन महामंत्री सुनील बंसल आदि भी बैठक में शिरकत करेंगे। भाजपा की ओर से अमित शाह के भव्य स्वागत की तैयारी की गई है। 23 स्थानों पर स्वागत प्वाइंट बनाया गया है। सर्किट हाउस में बुधवार क्षेत्रीय अध्यक्ष महेशचंद श्रीवास्तव ने जिला व महानगर पदाधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने बताया कि एयरपोर्ट

से राजमार्ग तक पिंडरा विधानसभा क्षेत्र के सभी चार मंडलों के पदाधिकारी, ब्लाक प्रमुख, जिला पंचायत सदस्य, क्षेत्र पंचायत सदस्य ढोल नगाड़ों के साथ गृह मंत्री के काफिले पर पुष्प वर्षा करेंगे। जिले के 15 मंडलों के पदाधिकारी, मंडल अध्यक्षों के नेतृत्व में एयरपोर्ट तिराहा से भोजूबीर रोड तक स्वागत करेंगे। भाजपा काशी क्षेत्र, जिला व महानगर के अल्पसंख्यक मोर्चा के सभी पदाधिकारी संयुक्त रूप से रिंग रोड पर सीएनजी फिलिंग स्टेशन के सामने स्वागत करेंगे। सभी मोर्चों के पदाधिकारियों को भी लगाया गया है। प्रदेश प्रभारी ने कार्यकर्ताओं का बढ़ाया उत्साह : गृहमंत्री अमित शाह के बनारस आगमन को लेकर पिंडरा विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं ने उनके जोरदार स्वागत की तैयारी की है। स्वागत की योजना को अंतिम स्वरूप प्रदान करने की दृष्टि से गुरुवार को आयोजित बैठक में भाजपा के प्रदेश प्रभारी राधामोहन सिंह ने भाग लिया। वह लखनऊ से सड़क मार्ग द्वारा वाराणसी के लिए रवाना हुए तो उन्हें सूचना मिली कि गृहमंत्री अमित शाह के स्वागत के लिए पिंडरा विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं ने बाबतपुर में एयरपोर्ट के समीप बैठक आयोजित की गई है।

कार्यकर्ताओ में जोश और उत्साह भरने की दृष्टि से प्रदेश प्रभारी ने बैठक में भाग लिया और पिंडरा विधानसभा के कार्यकर्ताओं द्वारा बनाई गई स्वागत की योजना पर संतोष जताया। बैठक में विधायक डा. अवधेश सिंह, जिला उपाध्यक्ष पवन सिंह, जिला महामंत्री डा. जेपी दुबे आदि मौजूद थे। बैठक के लिए संकुल तैयार : बड़ा लालपुर स्थित पं. दीनदयाल हस्तकला संकुल में भाजपा की आयोजित प्रदेश स्तरीय बैठक को लेकर तैयारी पूरी कर ली गई है। भाजपा के प्रदेश सह प्रभारी सुनील ओझा की निगरानी में मंच से लेकर पदाधिकारियों की दीर्घा को सुव्यवस्थित किया गया। इस दौरान भाजपा के प्रदेश सह प्रभारी संजीव चौरसिया, राष्ट्रीय सह मीडिया प्रभारी संजय मयूख, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र सिंह आदि भी मौजूद रहे।

विकास कार्यों को देखेंगे भाजपाजन : उप्र विस चुनाव में काशी का विकास माडल के तौर पर प्रस्तुत करने की तैयारी भाजपा ने की है। इसे देखते हुए प्रदेश भर से आ रहे भाजपाजन भी यहां के विकास कार्यों को देखेंगे। क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी नवरतन राठी ने बताया कि बाहर से आए भाजपा पदाधिकारियों व मंत्रियों को विकास कार्यों को दिखाने के लिए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई है। श्रीकाशी विश्वनाथ कारिडोर, गंगा घाट, पड़ाव स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति उपवन आदि का भ्रमण कराया जाएगा।

एक नज़र

फूलपुर सांसद केसरी देवी पटेल बोलीं, भाजपा की सदस्यता को लेकर लोग उत्साहित

प्रयागराज (एजेंसी) भारतीय जनता पार्टी की तरफ से आयोजित देशव्यापी सदस्यता अभियान को लेकर आम जन में उत्साह है। यह पार्टी के लिए शुभ संकेत है। आने वाले विधान सभा चुनाव में भी इसके नतीजे देखने को मिलेंगे। यह विचार फूलपुर सांसद केशरी देवी पटेल ने व्यक्त किए। वह प्रयागराज में शहर उत्तरी विधान सभा क्षेत्र में बूथ संख्या 65 पर चल रहे सदस्यता अभियान का शुभारंभ कर रही थीं।

सांसद केसरी देवी पटेल ने कहा कि मतदाताओं एवं नवयुवकों में भारतीय जनता पार्टी के प्रति लगाव और विश्वास की जो अलख जल रही है, वह भाजपा के लिए शुभ संकेत के साथ हम सब को उत्साहित करने वाला है। उन्होंने विपक्ष पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि मोदी और योगी ने बिना किसी भेदभाव के देश एवं प्रदेश वासियों की सेवा कर विकास की गंगा तेज गति से बहाई है। दूसरी तरफ विपक्ष लोगों को भ्रमित करने में लगा है। यहां तक कि राष्ट्र विरोध पर भी कई दल उतर आए हैं।

उन्होंने सदस्यता अभियान कार्यक्रम को भली-भांति संपन्न कराने वाले कार्यकर्ताओं को 2022 विधान सभा चुनाव की अग्रिम बधाई भी दी। कहा कि यह उत्साह का अभियान न टूटना चाहिए ना ही कोई युवा मतदाता छूटना चाहिए। कार्यक्रम में फूलपुर सांसद के पहुंचने पर स्थानीय कार्यकर्ताओं ने पुष्पगुच्छ भेंट किया और माल्यार्पण कर उनका स्वागत अभिनंदन किया। कार्यक्रम में गोपाल बाबू जायसवाल, नवीन जयसवाल, वैभव जायसवाल, अभिषेक गुप्ता, महानगर अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा मनोज कुशवाहा, फूलपुर सांसद मीडिया प्रभारी पार्षद पवन श्रीवास्तव, चंद्रिका पटेल, विजय पटेल, विवेक जायसवाल आदि भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हरदोई में एक सप्ताह से लापता बालक का मिला शव, परिवारीजन ने लगाया हत्या का आरोप

हरदोइ (एजेंसी) बेनीगंज क्षेत्र में एक सप्ताह से लापता छात्र का शव बाग में क्षत-विक्षत पड़ा मिला। शव मिलने से गांव में सनसनी फैल गई। आक्रोशित ग्रामीणों ने हरदोई-सीतापुर मार्ग पर जाम लगा दिया। परिवारवाले छात्र के साथ अनहोनी की आशंका जाहिर कर रहे हें। उनका कहना है कि छात्र के साथ किसी ने अनहोनी की और घटना को छिपाने के लिए हत्या कर शव को बाग में फेंक दिया है। जाम की जानकारी पर क्षेत्राधिकारी व प्रशासनिक अफसर पहुंचे हैं। ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया जा रहा है।

बेनीगंज क्षेत्र के एक गांव के रहने वाला कक्षा सात का छात्र तीन नवंबर को घर के बाहर खेलते हुए लापता हो गया। परिवारवालों ने उसकी तलाश की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। इसके बाद परिवारवाले कोतवाली पहुंचे और छात्र की गुमशुदगी दर्ज कराई। शुक्रवार सुबह छात्र का शव गांव के दक्षिण दिशा में बाग में क्षत-विक्षत शव पड़ा मिला। शव मिलने की जानकारी पर ग्रामीण और परिवारवाले पहुंच गए। देखते ही देखते लोगों की भीड़ ने आक्रोशित होकर हरदोई-सीतापुर मार्ग पर जाम लगा दिया। परिवारवाले अनहोनी की और घटना को छिपाने के लिए हत्या कर शव फेंके जाने की आशंका जता रहे हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाने का प्रयास किया। छात्र के सिर पर नहीं थे बाल : छात्र का जब शव बरामद हुआ तो उसके सिर पर बाल नहीं थे।

बाल न होने से परिवारवाले तंत्र-मंत्र की आशंका भी जता रहे हैं। बाग में ही एक पेड़ के सहारे बांका भी रखा मिला है। फारेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य : फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर खून और कपड़ों पर मिली मिट्टी के सैंपल लिए, जिन्हें जांच के लिए भेजा जाएगा।

पहले लड़की पैदा होने पर दिया ताना, फिर दहेज में कार न मिलने पर दिया तीन तलाक

बरेली (एजेंसी) निकाह के बाद ही ससुरालियों का लालच बढ़ गया। कार में दहेज की मांग की जाने लगी। मांग न पूरी हुई तो पति का दुस्साहस बढ़ गया और पत्नी को तीन तलाक दे दिया। प्रेमनगर पुलिस ने मामले में आरोपित पति व ससुरालियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

गली वजीर अली बड़ा बाजार की रहने वाली वरीशा ने बताया कि दो जुलाई वर्ष 2020 को प्रेमनगर के मौलानगर के रहने वाले जहांगीर खां उसका निकाह हुआ था। आरोप है कि निकाह के बाद से ही ससुराली दहेज की मांग करने लगे। सास चन्दा बी ने गहने उतरवाकर अपने पास रखे लिये। कार में दहेज की मांग की जाने लगी।

मांग से इन्कार करने पर पति, देवर फैजान, अजीज, पति का बहनोई मुन्ना खां व खालू अजीम ने उत्पीड़न शुरू कर दिया। इसी दौरान एक बेटी को जन्म दिया तो ससुराली इससे और नाराज हो बैठे। ताना देकर घर से निकाल दिया। घर आकर आरोपित पति ने तीन तलाक दे दिया। प्रेमनगर इंस्पेक्टर जसवीर सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

कानपुर में बमबाजी; पुराने विवाद में बाइक सवारों ने युवक के घर पर चलाए बम, कैमरे में कैद हुई घटना

कानपुर (एजेंसी) नौबस्ता में पुराने विवाद के चलते बाइक सवारों ने युवक के घर के बाहर देर रात ताबड़तोड़ तीन बार बम चलाए। बमबाजी से इलाके में दहशत फैल गई। धमाकों की आवाज सुनकर लोग बाहर निकले तो बाइक सवार वहां से भाग निकले। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हुई है।

पीड़ित का आरोप है कि तहरीर और सीसीटीवी की फुटेज देने के बाद भी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की है। बक्तौरीपुरवा निवासी फूल सिंह ने बताया कि उनके बेटे आशीष यादव उर्फ बाबू का एक साल पहले न्यू श्याम नगर पुरानी बस्ती निवासी अंशुल यादव से विवाद हुआ था। जिसे लेकर वह बेटे से खुन्नस रखता है। आरोप है कि इसी के चलते बीते दस नवंबर को अंशुल अपने साथी के साथ बाइक से देर रात करीब 3:30 बजे उनके दरवाजे पर आया और दीवार पर ताबड़तोड़ तीन बम चलाए। धमाकों की आवाज सुनकर मोहल्ले के लोग बाहर निकले तो आरोपित बाइक लेकर मौके से भाग निकले। बमबाजी के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है।

हमलावरों की करतूत मोहल्ले के एक मकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि उसने 11 नवंबर को उस्मानपुर चौकी पुलिस को तहरीर और सीसीटीवी फुटेज देकर रिपोर्ट दर्ज करने और कार्रवाई की मांग की थी। इसके बाद भी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की है। वहीं नौबस्ता थाने के एसएसआइ जमाल अहमद ने बताया कि कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

बांदा में नाबालिग छात्रा के साथ युवक ने किया दुष्कर्म, झांसा देकर अपने घर ले गया था आरोपित

बांदा (एजेंसी) स्कूल से छुट्टी के बाद लौट रही छात्रा के साथ गांव के युवक ने अपने घर ले जाकर दुष्कर्म किया। छात्रा के शोर मचाने पर आरोपित जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया। पुलिस आरोपित को पकड़ने के लिए दबिश दे रही है। तिंदवारी थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी छठवीं कक्षा की 11 वर्षीय छात्रा को उसकी बुआ गोद लिए है।

इससे वह बुआ के घर रहकर पढ़ाई करती है। गुरुवार शाम वह स्कूल से छुट्टी के बाद घर लौट रही थी। रास्ते में गांव का युवक अलोक कुशवाहा उसे बोरी व अन्य सामान उठवाने का झांसा देकर अपने घर ले गया। जहां बाद में उसने अपने सूने घर में छात्रा के साथ दुष्कर्म किया। इस बीच छात्रा जब घर नहीं पहुंची तो बुआ उसे खोजने निकली थीं।

छात्रा के शोर मचाने पर बुआ व पड़ोसी मौके पर पहुंचे तो आरोपित युवक पीड़िता को जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया। पीड़िता ने अपनी बुआ से आपबीती बताई। बुआ उसे थाने लेकर पहुंची। पुलिस को पूरी घटना की जानकारी दी।

कांग्रेस नेता राशिद अल्वी के जय श्रीराम के नारे पर टिप्पणी के बाद भाजपा का जोरदार हमला, अल्वी ने भी दी सफाई

लखनऊ (एजेंसी)
सम्भल के कल्कि महोत्सव में जय श्रीराम का नारा लगाने वालों को लेकर लेकर विवादास्पद टिप्पणी करने वाले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राशिद अल्वी पर हमला शुरू हो गया है। भाजपा के कई नेताओं ने अल्वी के बयान के बाद कांग्रेस को निशाने पर रखकर ट्वीट किया है। उधर राशिद अल्वी ने भी अपने विवादास्पद बयान को लेकर सफाई दी है। कांग्रेस के नेता राशिद अल्वी के जयश्री राम का नारा लगाने वालों को राक्षस कहने पर भाजपा आईटी सेल के के इंचार्ज अमित मालवीय ने निशाना साधा है।

उन्होंने कहा कि सलमान खुर्शीद के बाद अब कांग्रेस के नेता राशिद अल्वी जय श्री राम कहने वालों को निशाचर (राक्षस) बता रहे हैं। राम भक्तों के प्रति कांग्रेस के विचारों में कितना जहर घुला हुआ है। भारतीय जनता पार्टी से राज्यसभा सदस्य हरनाथ सिंह यादव ने कहा कि अगर आप राशिद अल्वी, सलमान खुर्शीद, अखिलेश यादव का डीएनए चेक करवाएंगे तो महमूद गजनवी, औरंगजेब और बाबर का होगा। इन सभी इन लोगों के मन में हिंदुओं के प्रति घृणा भरी है, यह लोग राम जन्मभूमि और कृष्णजन्मभूमि को तोडने़ वालों को सही साबित करने लग जाएंगे। भोपाल से भारतीय जनता पार्टी की सांसद प्रज्ञा ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने जो कहा है, यह निश्चित रूप से विक्षिप्तों की पार्टी बन गई है। हिंदुत्व, हिंदू, भगवा, सनातन धर्म, यह सब इनकी समझ से परे हैं। यह इन्हें नहीं समझ सकते हैं। हम कानून के अंतर्गत इन्हें दंड दिलाने का पूरा प्रयास करेंगे। भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने कहा कि कांग्रेस नेताओं में यह होड़ लगी हुई है कि कौन हिंदुओं को कितना ज्यादा अपमानित कर सकता है। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी जब भगवान राम और कृष्ण को काल्पनिक बताते हों, रामसेतु को तोडने़ के लिए हलफनामा देते हों और मंदिर में पूजा करने जाने वाले लड़कों को लड़कियां छेडने़ को बताते हों, हिंदुओं का इस तरीके का अपमान कांग्रेस पार्टी को बहुत महंगा पड़ेगा। सम्भल में कार्यक्रम के दौरान वायरल राशिद अल्वी के करीब दस मिनट के वीडियो पर जोरदार बहस छिड़ी है। भाजपा के कई नेताओं ने इस वीडियो को शेयर कर राशिद अल्वी पर हिंदू विरोधी बयानबाजी करने का आरोप लगाया है, लेकिन राशिद अल्वी ने आरोपों से इनकार किया है।

भाजपा नेता प्रशांत उमराव ने कहा कि सलमान खुर्शीद के बाद अब कांग्रेस के नेता राशिद अल्वी जय श्री राम कहने वालों को निशाचर (राक्षस) बता रहे हैं। इससे पता चलता है धर्म को लेकर कांग्रेस के नेताओं की क्या सोच है। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कहा कि मेरे भाषण के दौरान कल्कि महोत्सव में सैकड़ों साधु-संत बैठे थे, वहां पर मैंने हरगिज यह नहीं की कहा कि जयश्रीराम बोलने वाला हर आदमी राक्षस होता है, मैंने कहा है कि जयश्रीराम बोलने वाला हर आदमी मुनि नहीं होता है, श्रीराम एक आस्था का नाम है, उन पर राजनीति नहीं की जा सकती। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कहा कि मैंने तो यह भी कहा है कि देश में सही मायने में राम राज्य आना चाहिए, जहां पर कि नफरत का नामो निशना ना हो, भाजपा की आदत है कि किसी के बयान से एक-एक शब्द निकल कर उसका अनुचित प्रयोग करे।

अमरोहा के युवक के आधार कार्ड पर जम्मू कश्मीर के व्यक्ति ने लगवाया कोरोना का टीका

मुरादाबाद (एजेंसी) अमरोहा के बछरायूं इलाके के ग्राम चौखट निवासी युवक के आधार कार्ड पर जम्मू कश्मीर के रहने वाले अज्ञात व्यक्ति ने स्लाट बुक कर कोरोना की वैक्सीन लगवा ली। उसके मोबाइल पर जब मैसेज पहुंचा तो उसे इसका पता चला। पीड़ित ने थाने पर कार्रवाई के लिए तहरीर दी है। थाना क्षेत्र के गांव चौखट निवासी नफीस का आरोप है कि उसके आधार कार्ड का किसी व्यक्ति ने दुरुपयोग कर उसके जरिए वैक्सीनेशन किए जाने का स्लाट बुक कराया। इसके बाद वैक्सीन लगवा ली। जांच के दौरान पता चला कि जो व्यक्ति उसके आधार कार्ड का दुरुपयोग कर रहा,है वह जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले का रहने वाला है। उन्होंने पुलिस को इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। थाना प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र सिंह ने बताया कि उन्हें ऐसे किसी मामले की जानकारी नहीं है। पांच व्यक्ति और निकले डेंगू संक्रमित, बुखार के 318 मरीज : अमरोहा में एलाइजा जांच में पांच व्यक्ति और डेंगू पाजिटिव पाए गए हैं। जिनका इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है। जिससे डेंगू केसों की संख्या बढ़कर 670 हो गई है। वहीं सरकारी अस्पतालों में बुखार के 318 मरीज पाए गए हैं। सीएमओ डा. संजय अग्रवाल ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग को मिली जांच में पांच व्यक्ति और संक्रमित निकले हैं। सभी को कई दिन से बुखार आ रहा था। जिसमें स्वजन ने पहले तो स्थानीय चिकित्सकों से इलाज कराया, लेकिन राहत नहीं मिलने पर निजी अस्पतालों में भर्ती कराया। जहां डेंगू की पुष्टि हुई है। वहीं जिला अस्पताल समेत सभी सरकारी अस्पतालों में 3553 मरीजों की ओपीडी हुई। इनमें से 318 बुखार के मरीज निकले। जबकि सात टाइफाइड और 27 डायरिया के मरीज पाए गए। गंभीर मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बागपत में बेटों ने घर से निकाला तो बाहर ई रिक्शा चालक ने बुजुर्ग को लूटा

बागपत (एजेंसी) शामली जनपद के रहने वाले एक बुजुर्ग व्यक्ति को ई-रिक्शा चालक किराए पर मकान दिलाने के बहाने शहर से बाहर ले गया और वहां खेत में मारपीट कर उससे 30 हजार रुपए छीन लिए। उसके बाद चालक ई-रिक्शा लेकर फरार हो गया। पीड़ित ने पुलिस से न्याय दिलाने की मांग की है। शामली के गोहरनी गांव रहने वाले योगेंद्र हलवाई ने बताया कि उसके बेटे उससे 30 हजार रुपये लेना चाह रहे थे।

यह रुपए उसके ही थे और वह इन रुपयों को उन्हें देना नहीं चाह रहा था इसलिए बेटों ने उसे घर से बाहर निकाल दिया है, जिसके बाद वह इधर-उधर भटकता हुआ घूम रहा था। वह ट्रेन में बड़ौत रेलवे स्टेशन पर पहुंचा तो उसने ई-रिक्शा चालक के सामने उसने अपनी पीड़ा रखते हुए किराए पर मकान दिलाने के लिए कहा।

रिक्शा चालक ने उसे आजद नगर में मकान दिलाने का आश्वासन देते हुए रिक्शा में बैठा लिया और आजाद नगर में एक कमरे में उसके कपड़े रखवा दिए। वह उसे किराया देने लगा तो उसने उसके पास रुपये देख लिए। उसके बाद चालक का मन बदल गया और चालक ने उससे कहा कि वह उसे अभी मकान मालिक से भी मिलवा देगा।

चालक उसे सराय बाइपास पर ले गया और वहां एक खेत में मारपीट कर उसके मुंह में मिट्टी भर दी और 30 हजार रुपये छीनकर उसे खेत में छोड़कर फरार हो गया। वह किसी तरह खेत से निकलकर सड़क पर पहुंचा और लोगों को घटना की जानकारी दी। पीड़ित ने पुलिस चौकी पहुंचकर पुलिस को पूरे मामले से अवगत कराते हुए कार्रवाई की मांग की है। एसओ रवि रत्न सिंह ने बताया कि घटना की जांच कर कार्रवाई कराई जाएगी।

समीक्षा बैठक में उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य बोले, समय से काम शुरू न करने वाले ठेकेदारों को काली सूची में डाल

लखनऊ (एजेंसी)
उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सड़कों के गड्ढामुक्ति अभियान को 15 दिन और बढ़ाने का निर्देश दिया है। अब यह अभियान 30 नवंबर तक चलेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह पूरी निष्ठा व लगन के साथ गड्ढामुक्ति अभियान और निर्माण कार्यों को तय समय के अंदर पूरा कराएं। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि अनुबंध होने के बाद एक महीने के अंदर काम शुरू न करने वाले ठेकेदारों को नोटिस देकर उन्हें डिबार करने की कार्यवाही की जाए और तीन महीने के अंदर कार्य प्रारंभ न करने वाले ठेकेदारों को काली सूची में डाला जाए। वह अपने सरकारी आवास पर गुरुवार को लोक निर्माण विभाग के कामकाज

की समीक्षा कर रहे थे। बैठक के दौरान बताया गया कि 72 प्रतिशत से अधिक सड़कों को गड्ढामुक्त कर दिया गया है। इनमें स्टेट हाईवे, मुख्य जिला मार्ग व अन्य जिला मार्ग की प्रगति 85 प्रतिशत है। अब तक 67 प्रतिशत ग्रामीण मार्गों की गड्ढामुक्ति का कार्य पूरा हो चुका है। कुल मिलाकर लोक निर्माण विभाग की ओर से 54,373 किलोमीटर सड़कों को गड्ढामुक्त किया जा चुका है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि असमय बारिश हो जाने के कारण गड्ढामुक्ति के कार्यों पर कुछ प्रभाव पड़ा है, लेकिन अब कार्य बहुत ही तेजी से कराए जा रहे हैं। उन्होंने कार्य शुरू न करने की लापरवाही में यदि किसी अधिकारी की संलिप्तता पाई जाती है, तो उसके विरुद्ध भी कठोरतम कार्यवाही की जाएगी। जो काम शुरू नहीं हुए हैं, नौ निगरानी टीमों का गठन कर उनकी वास्तविकता की जांच करायी जाए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सर्दी के मौसम में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए साइन बोर्ड लगाये जाएं व रोड लाइनिंग की जाएं। लोक निर्माण विभाग की सड़कों पर 15 दिन के अंदर इस आशय के बोर्ड लगाए जाएं। अंतरराज्यीय सीमाओं पर गेट का निर्माण दिसंबर तक बनवा दिए जाएं। केशव ने कहा कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले खंड व जोन के अभियंताओं को पुरस्कृत किया जाए और जिनका काम खराब है उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाए। कहा कि 2024 में प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ के दृष्टिगत लोक निर्माण विभाग अभी से अपनी कार्य योजना बनाना प्रारंभ करें।

शाहजहांपुर में डेंगू से गल्ला व्यापारी सहित दो की मौत, मिले 31 नये मरीज

बरेली (एजेंसी) गल्ला व्यापारी समेत दो लोगों की डेंगू ने जान ले ली। दोनों लोगों का बरेली में इलाज चल रहा था। गल्ला व्यापारी कलान के बाराकला गांव व ग्रामीण परौर क्षेत्र के हैदलपुर के रहने वाले थे। जिले में डेंगू से मरने वालों की संख्या अब 13 से भी अधिक पहुंच चुकी है।

लेकिन किसी भी मौत का रिकार्ड स्वास्थ्य विभाग के पास नहीं है। राजकीय मेडिकल कालेज में गुरुवार को हुई 450 लोगों जांच में 31 नये डेंगू पाजिटिव निकले। इसके अलावा 148 मलेरिया बुखार के थे। इसी तरह निजी अस्पतालों में भी डेंगू बुखार के मरीज तेजी से बढ़ते जा रहे है। जिले में अब तक 741 मरीज जांच में डेंगू पाजिटिव निकल चुके है। कलान क्षेत्र के बाराकला गांव निवासी पप्पू गुप्ता गल्ला व्यापारी थे। बुधवार को उन्हें तेज बुखार आया। ऐसे में स्वजन पहले बदायूं लेकर गए लेकिन हालत गंभीर होने की वजह से डाक्टर ने बरेली के लिए रेफर कर दिया। गुरुवार दोपहर बाद उनकी इलाज के दौरान मौत हो गई। क्षेत्र में अभी तमाम ऐसे मरीज है जो डेंगू से पीड़ित है। जिसमे ज्यादातर का इलाज बरेली या फिर बदायूं में चल रहा है। लेकिन स्वास्थ्य विभाग की ओर से जांच के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति हो रही है। परौर क्षेत्र के हैदरपुर निवासी सुखवीर सिंह यादव कई दिनों से बुखार से पीड़ित थे। जिले में जब कोई सुधार नहीं हुआ तो स्वजन बरेली के एक अस्पताल लेकर पहुंचे। जांच जांच रिपोर्ट डेंगू पाजिटिव निकली।बुधवार को उनकी इलाज के दौरान मौत हो गई। मिर्जापुर क्षेत्र में भी डेंगू से तीन लोगों की अब तक मौतें हो चुकी है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डा. आदेश रस्तोगी ने बताया हैदलपुर गांव में टीम को भेजा गया था। जो मरीज मिले उन्हें दवा का भी वितरण किया गया।

नाव खरीद घोटाले को भूला नगर निगम, नहीं आए जांच के नतीजे

अलीगढ (एजेंसी)
नगर निगम में चार साल पहले हुए नाव खरीद घोटाले की जांच को भी एक साल बीत चुका है, लेकिन जांच के नतीजे नहीं आ सके। पूरे प्रकरण की जांच के लिए जो टीम बनाई गई थी, उसमें कुछ के तबादले हो गए और कुछ सेवानिवृत्त हो चुके हैं।

नई टीम गठित नहीं की गई, न ही घोटाले की फाइल फिर से खुली। घोटाले की जांच के आदेश देने वाले कमिश्नर का भी तबादला हो चुका है। जांच को प्रभावित करने के प्रयास तो पहले ही शुरू हो चुके थे। जांच अधिकारी तत्कालीन सहायक नगर आयुक्त ने प्रकरण से संबंधित रिपोर्ट ईओ से मांगी थी, जो उपलब्ध नहीं हो सकी। जबकि, कमिश्नर ने शीघ्र जांच पूरी कर दोषी अधिकारी, कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए थे। बीते साल कमिश्नर जीएस प्रियदर्शी ने एक शिकायत के आधार पर नौ नवंबर को प्रकरण की जांच के संबंध में नगर आयुक्त को लिखित आदेश दिए थे। शिकायत में बताया गया कि 23 जुलाई 2017 को तत्कालीन नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा के निर्देश पर अचल सरोवर व पोखरों की सफाई के लिए पैडल बोट (नाव) खरीदी गई, जिसकी कीमत 47 हजार रुपये थी। टैक्स व 12 हजार रुपये का भाड़ा जोड़कर कुल 61,350 का भुगतान पश्चिमी बंगाल की विश्वकर्मा इंडस्ट्रीज को किया गया था। ज्यादा इस्तेमाल न होने के बाद भी नाव कंडम हो गई, जो जवाहर भवन पड़ी है। बाद में दो और नाव खरीद ली गई। जिनकी कीमत करीब सवा लाख रुपये है। कमिश्नर के आदेश में सवाल उठाए गए कि तीन साल पूर्व खरीदी गई नाव कंडम कैसे हो गई? यह भी संभव है कि नाव की गुणवत्ता संतोषजनक न रही हो, जिससे नाव की यह हालत हुई। कमिश्नर ने दोषी अधिकारी व कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश भी दिए थे। तत्कालीन नगर आयुक्त प्रेम रंजन सिंह ने प्रकरण में 11 नवंबर को सहायक नगर आयुक्त राजबहादुर सिंह के नेतृत्व में टीम गठित कर दी।

इसमें लेखाधिकारी राजेश गौतम व अधिशासी अभियंता अशोक कुमार भाटी को भी रखा गया। सहायक नगर आयुक्त ने वर्कशाप प्रभारी का कार्यभार देख रहे नगर स्वास्थ्य अधिकारी डा. शिवकुमार से नाव की खरीद संबंधित पत्रावलियां तलब कर लीं। सहायक नगर आयुक्त का कहना था कि प्रकरण से संबंधित कुछ पत्रावलियां मिल गई हैं। लेकिन, ईओ रिपोर्ट उपलब्ध नहीं कराई। इसके चलते जांच पूरी नहीं हो सकी है। कुछ दिनों बाद ही कमिश्नर, नगर आयुक्त, सहायक नगर आयुक्त, लेखाधिकारी का तलाबदा हो गया। नगर स्वास्थ्य अधिकारी सेवानिवृत्त हो गए। इसके बाद जांच की फाइल खुल न सकी।

एक नज़र

चोरी के रुपयों को पार्टी में उड़ाकर इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करना पड़ा महंगा

नई दिल्ली (एजेंसी) चोरी के रुपयों को पार्टी के दौरान उड़ाने और फिर उसका वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर करना दो बदमाशों को भारी पड़ गया। वाहन चोरी के आरोप में उनकी तलाश कर रही पुलिस ने उन्हें इंटरनेट मीडिया पर वीडियो देखकर पहचान लिया और ट्रेस कर दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान वीरेंद्र सक्सेना उर्फ छोटी (24) और मन्नू उर्फ टाइगर (22) के तौर पर की गई है।

दक्षिण-पश्चिमी जिले के डीसीपी गौरव शर्मा ने बताया कि एएटीएस की टीम इन बदमाशों को तलाश रही थी। पुलिस की टीम ने एक वीडियो देखा, जिसमें एक शख्स पार्टी के दौरान नोट उड़ा रहा था और डांस कर रहा था। वहीं, अन्य मामले में पूर्वी दिल्ली इलाके में 42.70 लाख रुपये की लूट के मामले में फरार बदमाश शरीफ उर्फ फिरोज को क्राइम ब्रांच ने ताहिरपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल के पास से गिरफ्तार किया है। आरोपित सीमापुरी इलाके का रहने वाला है। जांच में पता चला है कि वह वर्ष 2015 में अपहरण के एक मामले में भी गिरफ्तार हो चुका है।

उपायुक्त (अपराध) मोनिका भारद्वाज के मुताबिक, एसीपी राजकुमार शाह की देखरेख में इंस्पेक्टर राजीव कक्कड़ के नेतृत्व में एसआइ पवन कुमार, एएसआइ अजय कुमार, प्रवीण कुमार, हवलदार संदीप कुमार, प्रवीण, सिपाही गौरव, राजेंद्र की टीम ने एक सूचना पर शरीफ उर्फ फिरोज को पकड़ा। पूछताछ में आरोपित से पता चला कि इसी साल फरवरी में उसने साथियों अनुभव, वरुण, आसिफ, जितेंद्र, फैसल और जमाल के साथ मिलकर गांधी नगर इलाके में पिस्टल के बल पर एक व्यक्ति से 42.70 लाख रुपये लूटे थे। वारदात को अंजाम देने से पहले आरोपितों ने रेकी की थी।

महिला ने पुरुष दोस्त से बनाई दूरियां तो कर ले गया अगवा, गले पर ब्लेड से कर दिया हमला

नई दिल्ली (एजेंसी) तिमारपुर इलाके में महिला ने पुरुष दोस्त से दूरियां बना लीं तो उसने अगवा कर महिला के गले पर ब्लेड से हमला कर दिया। घटना के समय महिला अपने दो बच्चों को ट्यूशन छोड़ने के बाद घर लौट रही थी। पुलिस ने आरोपित सुशील उर्फ पोंटा को गिरफ्तार कर लिया है। वारदात के दौरान पीड़िता से छीना गया मोबाइल फोन भी आरोपित से बरामद हो गया है। पुलिस ने इस मामले में हत्या की कोशिश, पीछा करने, मोबाइल छीनने आदि धाराओं में शिकायत दर्ज की थी।

उत्तरी जिले के उपायुक्त सागर सिंह कलसी ने बताया नौ नवंबर को तीस वर्षीय महिला अपने दो बच्चों को ट्यूशन छोड़कर नेहरू विहार की तरफ जा रही थी। उसका पीछा करते हुए आरोपित वहां पहुंचा और महिला को जबरन बाइक पर बिठाकर अन्यत्र ले जाकर वहां ब्लेड से उसके गले पर वार किया। उसके बाद महिला का मोबाइल लेकर भाग गया।इस मामले में तिमारपुर थाना पुलिस ने पीड़िता के बयान पर शिकायत दर्ज कर एसीपी स्वागत पाटिल की देखरेख और एसएचओ त्रिभुवन सिंह नेगी के नेतृत्व में एसआइ योगेंद्र, हवलदार नारायणन पति और स्वर्ण की टीम गठित की।

जांच में टीम को पता चला कि आरोपित इसी साल अप्रैल में भी पीड़िता पर हमला कर चुका है। पुलिस टीम ने टेक्निकल सर्विलांस की मदद से आरोपित को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पता चला कि महिला से उसकी दोस्ती थी, लेकिन कुछ समय से वह उसकी अनदेखी कर रही थी। यह उससे बर्दाश्त नहीं हो रही थी। ऐसे में उसने हत्या करने के इरादे से महिला पर हमला किया था। पीड़िता का मोबाइल इसलिए ले गया था, ताकि वह पुलिस में शिकायत न कर सके।

पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़, राजेश बवानिया गिरोह के तीन बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी) बवाना इलाके में बुधवार की देररात बदमाशों व पुलिस के बीच मुठभेड़ हो गई। एक बदमाश के पैर में गोली लगी। पुलिस ने मौके से तीन बदमाशों को दबोच लिया। बदमाश कुख्यात राजेश बवानिया गिरोह से जुड़े हैं। आरोपितों की पहचान पूठखुर्द के निवासी रैंचो व मदन के अलावा रोहतक के रहने वाले नरेश के रूप में हुई है।

बाहरी उत्तरी जिला स्पेशल स्टाफ इलाके में बदमाशों की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए सक्रिय है। इसी क्रम में पुलिस को मुखबिरों से जानकारी मिली कि भोंडसी जेल में बंद कुख्यात राजेश बवानिया गिरोह से जुड़ा हत्या और लूट के मामलों में वांछित बदमाश मोहित उर्फ मनबीर उर्फ रैंचो बवाना इलाके में अपने दो साथियों के साथ आने वाला है और उनकी योजना विरोधी गिरोह के बदमाश की हत्या करने की है।

सूचना के आधार पर एसीपी रिक्षपाल सिंह व मनीष लाडला की देखरेख में स्पेशल स्टाफ इंस्पेक्टर आशीष दूबे, सचिन मान व बवाना थाने की पुलिसकर्मियों की टीम बनाई गई। टीम में शामिल पुलिसकर्मी बदमाशों के आने का इंतजार करने लगे और बाइक से तीनों बदमाश आए तो पुलिस ने उन्हें रोका तो रैंचो ने पुलिसकर्मियों पर फायरिंग कर दी। टीम में शामिल एसआइ प्रवीण ने भी जवाबी फायरिंग की। जिससे रैंचो के दाहिने पैर में गोली लग गई। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने रैंचो, मदन और नरेश को दबोच लिया। पूछताछ में उन्होंने बताया कि तीनों बवाना गांव के एक युवक की हत्या और व्यवसायी को धमकाने के लिए आए थे।

सरकारी स्कूल की शिक्षिका ने दिखाई बहादुरी, झपटमारों से भिड़ी, एक को दबोचा

नई दिल्ली (एजेंसी) शालीमार बाग इलाके में महिला शिक्षक झपटमारों से भिड़ गई। महिला ने बहादुरी दिखाते हुए एक झपटमार को दबोच लिया। हालांकि, आरोपित का साथी मौके से भाग निकला। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। शिक्षिका की बहादुरी के लिए पुलिस उन्हें सम्मानित करेगी। जानकारी के अनुसार 37 वर्षीय नेहा अग्रवाल परिवार के साथ शालीमार बाग स्थित बीपी ब्लाक में रहती हैं। वह सरकारी स्कूल में शिक्षक हैं। रोज की तरह वह बुधवार को स्कूल से घर लौट रही थीं। वह जैसे ही करीब तीन बजे शालीमार

बाग क्लब रोड पर पहुंचीं, स्कूटी सवार दो झपटमार उनका बैग छीनने लगे। लेकिन उन्होंने बैग पर मजबूत पकड़ बनाए रखा और उसे अपनी ओर से तेजी से खींच लिया। ऐसे में वह खुद भी गिर गईं, लेकिन बैग नहीं छोड़ा, जिसकी वजह से स्कूटी सवार दोनों झपटमार भी नीचे गिर गए। इसके बाद नेहा ने एक झपटमार को दबोच कर शोर मचाना शुरू कर दिया। इस बीच दूसरा झपटमार भाग गया। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर आ गए और झपटमार को दबोच कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस की जांच में पकड़ा गया झपटमार नाबालिग निकला। वह वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में रहता है। उसके पास से मिली स्कूटी भी चोरी की निकली। उसे शालीमार बाग इलाके से कुछ दिनों पूर्व चुराई गई थी। पुलिस ने नाबालिग झपटमार को बाल सुधार गृह भेज दिया। महिला शिक्षक की बहादुरी को देखते हुए पुलिस अधिकारी उन्हें सम्मानित करेंगे। उधर बाहरी दिल्ली के नार्थ रोहिणी थाना पुलिस ने गश्त के दौरान चाकू के साथ झपटमार को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान बुध विहार स्थित मंगे राम पार्क के शहनवाज के रूप में हुई है। आरोपित का साथी मौके से भागने में कामयाब रहा।

पुलिस उसे तलाश कर रही है। रोहिणी के डीसीपी प्रणव तायल ने बताया कि बुधवार की रात साढ़े दस बजे कांस्टेबल लोकेश व रविकांत गश्त करते हुए सेक्टर छह में पहुंचे तो उन्होंने बाइक सवार दो युवकों को देखा तो उन्हें रुकने के लिए कहा, लेकिन दोनों भागने लगे। ऐसे में पुलिसकर्मियों ने उन्हें पकड़ने की कोशिश की तो पीछे बैठा युवक बाइक से गिर पड़ा। जबकि चालक बाइक समेत फरार हो गया। पुलिस ने नीचे गिरे युवक की तलाशी ली तो उसके पास से चाकू और बुध विहार से झपटे गए दो मोबाइल फोन मिले। आरोपित ने बताया कि उसने अपने साथी मनीष के साथ झपटमारी की थी। पुलिस के अनुसार पकड़ा गया आरोपित शहनवाज नशे का आदी है और अपनी लत की पूर्ति के लिए झपटमारी किया करता था।

एनबीसीसी की साइट के निरीक्षण के दौरान नियमों का उल्लघंन मिलने पर केजरीवाल सरकार ने लगाया 5 लाख का जुर्माना

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने? एंटी डस्ट अभियान के दूसरे चरण की शुरुआत की

इस अभियान के तहत 25 विभागों की टीमें दोबारा से दिल्ली में निर्माणाधीन साइटों का निरीक्षण करेंगी : गोपाल राय

एंटी डस्ट अभियान के पहले चरण में 450 निर्माणाधीन साइटों पर अनियमितता पाए जाने पर करीब 1.30 करोड़ का जुर्माना लगाया गया : गोपाल राय

विकास.ओपन सर्च

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने एंटी डस्ट अभियान के दूसरे चरण की शुरुआत की है। इसके तहत आज कड़कड़डूमा में एनबीसीसी की साइट का निरीक्षण किया। नियमों का उल्लघंन मिलने पर पांच लाख का जुर्माना लगाया। गोपाल राय ने कहा कि इस अभियान के तहत 25 विभागों की टीमें दोबारा से दिल्ली में निर्माणाधीन साइटों का निरीक्षण करेंगी। एंटी डस्ट अभियान के पहले चरण में 450 निर्माणाधीन साइटों पर अनियमितता पाए जाने पर करीब 1.30 करोड़ का जुर्माना लगाया गया। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने आज एंटी डस्ट अभियान के दूसरे चरण की शुरुआत की है।

जिसके तहत आज कड़कड़डूमा क्षेत्र में एनबीसीसी की निर्माणाधीन साइट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि चारों तरफ पराली जलने की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। पिछले 10 दिनों में पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में 45 हजार से ज्यादा जगहों पर पराली जलायी गई। हवा के रूख में बदलाव के साथ प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के अंदर एंटी डस्ट अभियान की शुरुआत अक्टूबर से की गई थी। उसका दूसरा चरण आज से शुरू किया जा रहा है। हमारी टीमें दोबारा से दिल्ली में निर्माणाधीन साइटों का निरीक्षण करेंगी। निर्माणाधीन साइटों पर धूल के कण उड़कर

हवा में मिलते हैं, जिससे पीएम 10, पीएम 2.5 के स्तर में बढ़ोतरी होती है। ऐसे में एंटी डस्ट अभियान का दूसरा चरण आज से शुरू किया है। दिल्ली के अंदर करीब 25 विभागों को एंटी डस्ट टीम बनाने का निर्देश दिया है। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि एंटी डस्ट अभियान के पहले चरण में करीब ढ़ाई हजार साइटों का डीपीसीसी की टीम ने निरीक्षण किया था। उनमें से 450 साइटें ऐसी थी, जहां पर नियमों का उल्लंघन पाया गया था। उन पर करीब 1.30 करोड़ का जुर्माना लगाया गया था। श्री गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली के अंदर प्रदूषण रोकने के लिए दिल्ली सरकार कई अभियान चला रही है जिसमें रेड लाईट आन-गाड़ी आफ अभियान, पराली गलाने का अभियान उसके अलावा एंटी ओपेन वर्निग अभियान चला रही है। एंटी ओपेन वर्निग अभियान के तहत 550 टीमें गठित की गई हैं जो पूरी दिल्ली में ओपेन वर्निग को रोकने का काम कर रही है। पर्यावरण मंत्री ने आगे कहा कि दिल्ली में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए 5 बिंदुओं पर काम शुरू कर दिया है। कल से हमने एंटी ओपेन वर्निग कंपेन शुरू किया है। आज हम एंटी डस्ट कंपेन का दूसरा चरण शुरू किया है जिससे अगर कोई ऐसे निर्माण साईट जहॉ से धूल से प्रदूषण हो रहा हो, उसे रोका जा सके। पूरी दिल्ली के अंदर सड़को पर पानी के छिड़काव का अभियान भी चल रहा है।

साथ ही अभी तक हमने 2700 एकड़ से ज्यादा खेतों मे पराली पर बायोडिकम्पोजर के छिड़काव का काम पूरा कर लिया है और 20 नवम्बर तक 4000 एकड़ में बायोडिकम्पोजर का छिड़काव कर दिया जाएगा। इस तरह हम दिल्ली के अंदर के सभी जरूरी कदम उठा रहे हैं। श्री गोपाल राय ने कहा कि एंटी डस्ट अभियान के दूसरे चरण के पहले दिन कड़कड़डूमा में एनबीसीसी की साइट का निरीक्षण किया। यहां पर काफी नियमों का पालन करते हुए पाया गया। लेकिन कुछ जगहों पर धूल प्रदूषण रोकने के सही इंतजाम नहीं मिले। जिसके बाद एनबीसीसी के ऊपर 5 लाख का जुर्माना लगाया गया है। जिससे कि इन नियमों का ठीक से पालन हो सके।

भारत ने सीखा आपदा को अवसर में बदलने का गुरः बंडारू दत्तात्रेय

गुरुग्राम (एजेंसी)
हरियाणा के राज्यपाल राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आत्म निर्भर भारत का जो नारा दिया था वह आज अभियान बन गया है। कोरोना से आई आपदा को देश ने अवसर में बदलकर दुनिया को दिखा दिया कि भारत के लोग किसी भी बदलाव को स्वीकार करने में पीछे नहीं हटने वाले। राज्यपाल शुक्रवार को गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में आपदा में अवसर विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि कोरोना से निपटने लिए देश के वैज्ञानिकों ने जिस तरह से काम किया उस पर हमें गर्व होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमने आत्मनिर्भरता की तरफ बढ़ते हुए सबसे पहले कोवैक्सिन 90 देशों को देकर एक इंसानियत की मिसाल कायम की। कोरोना दुनिया के सामने बहुत बड़ा संकट था। इस संकट से लड़ने और इससे छुटकारा पाने के लिए भारत दुनिया में अग्रणी देश बनकर उभरा। राज्यपाल ने कहा कि ऑनलाइन शिक्षा के बारे में कभी सोचा भी नहीं गया था। किसी ने सोचा भी नहीं था कि हम इतनी जल्द इसमें सक्षम हो सकते हैं। कोरोना काल में आई आपदा ने हमें मौका दिया और इस आपदा को अवसर में बदला। उन्होंने कहा कि तकनीक स्वरूप को बदलती है। उन्होंने छात्रों का आह्वान किया कि वे रिसर्च मोड में रहें और ज्यादा से ज्यादा अविष्कार करें। पैसों के पीछे नहीं दौड़ें।नए अविष्कार करें, नई तकनीक इजाद करें तो पैसा पीछे पीछे आएगा। बड़ा आदमी बनो लेकिन उसके साथ सामाजिक भी बनो। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि उस दौरान वह हिमाचल प्रदेश में गर्वनर थे। तब उनके साथ कोई नहीं था। परिवार भी नहीं था, लेकिन पीएम मोदी ने देश को एकजुट करने के लिए रात के समय घंटा बजाने के लिए आह्वान किया, मैनें भी घंटा बजाया। प्रधानमंत्री ने विश्वास दिलाते हुए घरों में रहने का आह्वान किया था। इसका देशवासियों ने पूरा समर्थन किया। राज्यपाल ने कहा कि कोरोना काल में हमारे पास मॉस्क, सेनेटाइजर, पीपीई किट नहीं थे। दूसरे देशों से आते थे। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व ने चमत्कार किया। हमारी ग्रामीण महलाओं ने मास्क बनाकर देश को आत्म निर्भर बनाया। सेनेटाइजर का भी हमें ज्ञान नहीं था, लेकिन हमने तुरंत सीख लिया और सेनेटाइजर बनाकर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़े। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा हमें सकारात्मकता का कभी त्याग नहीं करना चाहिए। सकारात्मक सोच वाला व्यक्ति कभी अपने लक्ष्य से नहीं डगमगाता। उन्होंने बताया कि दुनिया में तीन तरह के लोग होते हैं।

पहला जो काम करना ही नहीं चाहता। दूसरा काम तो करता है लेकिन विघ्न आने पर बीच में ही छोड़ देता है। लेकिन तीसरा व्यक्ति संकटों का सामना करते हुए अपने लक्ष्य को पा लेता है। उन्होंने कहा कि हमारे वैज्ञानिक पहली कड़ी में आने वाले उत्तम लोग हैं। राज्यपाल ने अंत में कहा कि गुरुग्राम यूनिवर्सिटी ने इस तरह की संगोष्ठी का निर्वहन करने में जो काम किया है वह बधाई की पात्र है। इसके लिए उन्होंने वाइस चांसलर मार्केण्डेय आहूजा को बधाई दी।

अब छठ पर फोड़े गए पटाखों ने बढ़ाया दिल्ली-एनसीआर का प्रदूषण, आसमान में छाया स्माग

नई दिल्ली (एजेंसी) दीवाली के बाद छठ पर भी खूब पटाखे जले। बृहस्पतिवार अलसुबह से उगते सूर्य को अ?र्ध्य देने तक ज्यादातर छठ घाटों पर पटाखे जलाए गए। धुंध और कम तापमान के बीच पटाखों के धुएं ने आग में घी का काम किया। बुधवार को बहुत खराब श्रेणी में आया दिल्ली एनसीआर का एयर इंडेक्स तो वापस गंभीर श्रेणी में पहुंच ही गया, दिन भर स्माग की चादर भी छाई रही। दिल्ली के सभी 39 एयर क्वालिटी मानीटरिंग स्टेशनों पर भी गंभीर श्रेणी का ही एयर इंडेक्स दर्ज हुआ। शुक्रवार सुबह हालात और भी खराब रहे। सड़कों पर निकले लोगों को फाग लाइट जलाकर अपने वाहन चलाने पड़े। विजिबिलिटी भी कम है। सफर इंडिया का पूर्वानुमान है कि अभी अगले दो तीन दिन वायु प्रदूषण की यही श्रेणी बने रहने के आसार हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक द्वारा जारी एयर इंडेक्स के

मुताबिक बृहस्पतिवार को दिल्ली का एयर इंडेक्स 411 रहा। बुधवार के 372 के मुकाबले यह 39 अंक अधिक था। फरीदाबाद का एयर इंडेक्स 412, गाजियाबाद का 461, ग्रेटर नोएडा का 417, गुरुग्राम का 378 और नोएडा का 434 दर्ज किया गया। बुधवार के मुकाबले एनसीआर के इन सभी शहरों के एयर इंडेक्स में भी कुछ अंकों का इजाफा देखने को मिला। गुरुग्राम का एयर इंडेक्स बहुत खराब जबकि अन्य सभी जगहों का गंभीर श्रेणी में रिकार्ड हुआ। पंजाब और हरियाणा में पिछले 24 घंटों के दौरान पराली जलाने के 3,914 मामले रिकार्ड किए गए। दिल्ली के पीएम 2.5 में इस धुएं की हिस्सेदारी बुधवार के 27 प्रतिशत की तुलना में 26 प्रतिशत दर्ज की गई। बृहस्पतिवार को दिल्ली में पीएम 2.5 का स्तर 237 जबकि पीएम 10 का स्तर 387 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर रहा।

दिल्ली में जहां था अवैध कब्जा वहां पर बनाया जा रहा है स्कूल

नई दिल्ली (एजेंसी) देश की राजधानी दिल्ली में वेस्ट पटेल नगर के प्रेम नगर इलाके में स्थित गोशाला पार्क को असामाजिक तत्वों और बांग्लादेशी कबाड़ियों के कब्जे से मुक्त कराकर उस जगह पर स्कूल बनाया जा रहा है, जो स्वागतयोग्य है। केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बृहस्पतिवार को इसका शिलान्यास किया। उत्तरी दिल्ली नगर निगम के अनुसार यह निगम का सबसे बड़ा स्कूल होगा। वर्ष 2017 में दैनिक जागरण द्वारा चलाए गए स्वच्छता अभियान के दौरान इस पार्क से कबाड़ को हटाकर इसे असामाजिक तत्वों के कब्जे से मुक्त कराया गया था।

कब्जामुक्त कराते समय असामाजिक तत्वों के हमले में एक पुलिस अधिकारी के सिर में गंभीर चोटें भी आई थीं, लेकिन यह सुखद रहा कि इसे पूरी तरह से मुक्त करा लिया गया। इसके बाद पार्क पर दोबारा कब्जा नहीं हो पाया और अब यहां 34 कमरों वाला तीन मंजिला स्कूल बनाया जाएगा। राजधानी दिल्ली में सिर्फ यही ऐसा पार्क नहीं है, जिसपर अवैध कब्जा हो। दिल्ली में ऐसे कई पार्क और भूखंड हैं, जहां अवैध रूप से कब्जा कर रखा गया है। इसके कारण न तो पार्कों में बच्चों को खेलने की सुविधा मिलती है और न ही इनका सामाजिक गतिविधियों में इस्तेमाल हो पा रहा है। कई पार्को में तो वाहन खड़े किए जा रहे हैं तो खाली भूखंड कूड़ाघर बनकर रह गए हैं। ऐसे पार्कों के लिए गोशाला पार्क एक उदाहरण है।

इसे मुक्त कराकर स्कूल बनाया जाना यह दर्शाता है कि यदि पूरी इच्छाशक्ति के साथ पार्कों और अन्य भूखंडों से अवैध कब्जे हटाए जाएं तो उनका समाज के लिए बेहतर उपयोग किया जा सकता है। दिल्ली सरकार, दिल्ली विकास प्राधिकरण और नगर निगमों समेत अन्य स्थानीय निकायों को इस दिशा में गंभीरता से विचार करना चाहिए और राजधानी में अवैध रूप से कब्जा किए गए पार्कों और भूखंडों की पहचान कर न सिर्फ उन्हें मुक्त कराना चाहिए, बल्कि उनका बेहतर उपयोग सुनिश्चित करना चाहिए, ताकि उनपर दोबारा कोई कब्जा न कर सके।

राकेश टिकैत ने किया ऐलान,29 नवंबर को ट्रैक्टर से करेंगे संसद कूच

नई दिल्ली (एजेंसी)
भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि सरकार षडयंत्रकारी है, वो आपको किसी न किसी तरह से नुकसान पहुंचा सकती है। वो किसी न किसी तरह से मामले में किसानों को फंसाएंगे फिर उनको बदनाम करेंगे। पहले किसानों को खालिस्तानी, फिर पाकिस्तानी बताया, उसके बाद आंदोलन में चाइना से फंडिंग होना बताया, इसके अलावा वो हमें मवाली बताते है।

राकेश टिकैत ने शुक्रवार को फिर यूपी गेट पर धरना प्रदर्शन में शामिल किसानों को संबोधित किया। इससे पहले भी उन्होंने बृहस्पतिवार को यहां किसानों को संबोधित किया था और चौकियां बनाकर निगरानी बढ़ाने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि 26 नवंबर के बाद यहां पूरी लिखत पढ़त की जाएगी, जो किसान धरना प्रदर्शन में शामिल होने के लिए आए वो अपना इंतजाम खुद करें, अपने कंबल कपड़े लेकर आओ, अपने टेंट की व्यवस्था खुद करो। यहां फेसबुक,

ट्विटर, द्मश्श चलाने वाले हर जिले से दो या तीन बच्चों की आवश्यकता है, वो यहां आकर इसकी कमान संभालें। उन्होंने कहा कि किसान ट्रैक्टर से मजबूत है, मगर हम इंटरनेट मीडिया पर एक्टिव नहीं है, उसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। हमें फेसबुक और ट्विटर से मजबूत होना होगा। वो भी बैठे-बैठे हथियार चलता है, हम उसमें कमजोर है। हमें अपना प्रचार तंत्र मजबूत करना होगा। उन्होंने कहा कि इस सरकार पर कैमरा और कलम पर बंदूक का पहरा है। ऐसी ही किसानी पर पहरा है, मीडिया हाउसों पर पहरा है। संस्थाएं कब्जे में है। कोई कुछ बोलने के लिए तैयार नहीं है। आपको खुद ही लड़ना पड़ेगा वरना जमीन नहीं बचेगी। जब निजी कंपनियां आ जाएंगी तो वो 200 हार्स पावर से लेकर 700 हार्स पावर तक के ट्रैक्टर से काम करेंगे, खेती करेंगे। दूध का कारोबार करेंगे, बीज पर उनका अधिकार होगा। अभी राशन फ्री मिल रहा है, अगले साल अप्रैल में इलेक्शन हो जाएगा फिर सब बंद हो जाएगा। आने वाले समय में अनाज गोदाम में जाएगा और रोटी तिजोरी में रखी जाएगी। आंदोलन करना पड़ेगा यदि नहीं करना है तो वो लोग सरकार में शामिल हो जाए। उन्होंने कहा कि यूपी गेट पर चल रहे आंदोलन में अब लोगों को अलग-अलग जिम्मेदारी निभानी होगी। यहां लोगों की ड्यूटियां चाहिएं, पानी, दूध, लंगर, भंडारे की जिम्मेदारी तय करनी होगी।

मान लीजिए यहां कोई चोर आ जाएं तो उनसे कौन निपटेगा। इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी। कल कोई वारदात करके चला जाए तो क्या करेंगे। चोर आ जाएं, अवैध हथियार रख जाएं इससे बचने के लिए निगरानी रखने की जरूरत है। इसी के साथ ये भी तय होना चाहिए कि कौन आदमी मोर्चा पर आया उसकी जानकारी होनी चाहिए। संदिग्ध है तो उसकी जानकारी पुलिस को दें।

सीवर लाइन के आसपास के सभी घरों को सीवर कनेक्शन नेटवर्क से जून 2022 तक जोड़ दिया जाएगा : सत्येन्द्र जैन

कार्य को नई तकनीक से अंजाम दिया जाएगा, ताकि इस कार्य को समय सीमा के एक तिहाई समय में ही पूरा किया जा सके

नई दिल्ली.ओपन सर्च
दिल्ली के जल मंत्री सत्येन्द्र जैन ने गुरुवार को एक अहम बैठक की। यह बैठक दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों के साथ हुई। इस बैठक में जल प्रदूषण, वर्षा जल व सीवेज का मिश्रण, अपशिष्ट जल संग्रहण और इसके उपचार में सुधार समेत विभिन्न मुद्दों पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इस दौरान दिल्ली जल बोर्ड के अध्यक्ष सत्येन्द्र जैन ने दिल्ली में पानी कनेक्शन के संबंध में एक अहम फैसला लिया। उन्होने कहा कि अब दिल्ली में पानी का कनेक्शन दिल्ली जल बोर्ड के द्वारा ही किया जाएगा। इससे बिचौलियों से लोगों को निजात मिलेगी। दिल्ली के सभी घरों में सीवर लाइन से डायरेक्ट कनेक्शन दिल्ली जल बोर्ड द्वारा दिया जाएगा। दिल्ली सरकार ने तीन साल के अंदर सभी कॉलोनियों को सीवर लाइन से जोड़ने का फैसला लिया है। इसके लिए सभी अधिकारियों को पानी और सीवर लाइन कार्य की रूपरेखा तैयार करने के लिए एक महीने का समय दिया गया है। सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए कि वे अपने-अपने कार्य को जल्द और गुणवत्ता पूर्वक पूरा करें। निर्णय लिया गया कि जहां-जहां सीवर लाइन उपलब्ध है, उस क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी घरों को सीवर कनेक्शन नेटवर्क से जून 2022 तक जोड़ दिया

जाएगा। बारिश के पानी को भी इस सीवर ट्रीटमेंट प्लांट से जोड़ा जाएगा, ताकि बारिश का पानी भी साफ कर प्रयोग में लाया जा सके। डीजेबी अपने खर्च पर मुख्यमंत्री सीवर कनेक्शन योजना से जोड़कर इस परियोजना को पूर्ण करने का फैसला लिया है। इस परियोजना को पूरा करने के लिए प्रीकास्ट मैनहोल और एचडीपीई (हाई डेनसिटी पोलिथिलीन) पाइपलाइनों का प्रयोग किया जाएगा, ताकि परियोजना का कार्य त्वरित और गुणवत्ता पूर्ण हो सके। जल मंत्री सत्येन्द्र जैन ने डीजेबी के अधिकारियों के साथ बैठक में सीवर और पानी के कनेक्शन के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दा पर चर्चा की और उन्हें तत्काल कार्य को गति देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ÷मुख्यमंत्री मुफ्त सीवर कनेक्शन÷ योजना के तहत दिल्ली के सभी घरों को सीवर कनेक्शन प्रदान किया जाएगा और इस योजना के लाभ से किसी भी घर को वंचित नहीं किया जाएगा। इस परियोजना को 6 महीने के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया है, ताकि सभी घरों को जल्द से जल्द पानी और सीवर कनेक्शन प्राप्त हो सके। इस परियोजना कि देखभाल के लिए मासिक मूल्यांकन भी किया जाएगा। उन्होने कहा कि जल बोर्ड इस परियोजना को एक तिहाई (1/3) समय में पूरा करने के लिए कटर मशीन, प्री-कास्ट स्ट्रक्चर और एसडीपी पाइप लाइन जैसी नवीनतम तकनीक का उपयोग करेगा।इस बैठक में जल प्रदूषण की समस्या को देखते हुए एक और अहम फैसला लिया गया।

दोस्त के झगड़े में गए युवक को नाबालिगों ने पीट पीटकर मौत के घाट उतारा

नई दिल्ली (एजेंसी) न्यू उस्मानपुर इलाके में एक युवक को अपने दोस्त के झगड़े में जाना भारी पड़ गया। पांच नाबालिगों ने बीच सड़क पर युवक को लात घूंसों से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित मौके से फरार हो गए। मृतक के एक दोस्त ने पुलिस को मामले की सूचना दी।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और दो घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया। मृतक की पहचान करण के रूप में हुई है। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर वारदात में शामिल पांच नाबालिगों को दबोच लिया। सभी आरोपित जगजीत नगर के रहने वाले हैं। करण अपने परिवार के साथ गली नंबर 10 ब्रह्मपुरी में रहते थे। उनके परिवार में मां पूनम व एक छोटा भाई है, कुछ वर्ष पहले करण के पिता ने परिवार को छोड़ दिया था।

सम्पादकीय
ओपन सर्च

आंवला नवमीः धार्मिक व आयुर्वेदिक महत्व

पंच दिवसीय दीपावली पर्व के बाद कार्तिक शुक्ल नवमी को आंवला नवमी का पर्व मनाया जाता है। इस दिन व्रत रखा जाता है और आंवले के वृक्ष का पूजन किया जाता है। इसे कूष्मांड नवमी, अक्षय नवमी, धात्री नवमी के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन व्रत के साथ आंवले के वृक्ष के नीचे पूजन करके दूध की धारा गिराते हुए पितरों का तर्पण किया जाता है। इस दिन आंवले के वृक्ष के नीचे बैठकर भोजन करने, ब्राह्मणों को भोजन कराने तथा आंवले के दान का भी महत्व है। आंवला नवमी के दिन जो भी शुभ कार्य किया जाता है उसमें सदा लाभ व उन्नति होती है। उस काम का कभी क्षय नहीं होता इसलिए इस दिन की पूजा से अक्षय फल का वरदान मिलता है। मान्यता है कि इसी दिन द्वापर युग का प्रारंभ हुआ था। वृंदावन में होने वाली परिक्रमा इसी दिन से प्रारम्भ होती है।

मान्यता है उस परिक्रमा में श्रद्धालुओं का साथ देने स्वयं श्रीकृष्ण आते हैं। आंवला नवमी के दिन पूजा करने के लिए सूर्योदय से पहले उठकर स्नान कर लेना चाहिये। फिर आंवले के पेड़ की पूजा करनी चाहिए। पेड़ पर कच्चा दूध, हल्दी रोली लगाने के बाद परिक्रमा की जाती है। महिलाएं आंवले के वृक्ष की 108 परिक्रमा करती हैं।

आंवला नवमी के दिन जो भी शुभ कार्य किया जाता है उसमें सदा लाभ व उन्नति होती है। उस काम का कभी क्षय नहीं होता इसलिए इस दिन की पूजा से अक्षय फल का वरदान मिलता है। मान्यता है कि इसी दिन द्वापर युग का प्रारंभ हुआ था। वृंदावन में होने वाली परिक्रमा इसी दिन से प्रारम्भ होती है। मान्यता है उस परिक्रमा में श्रद्धालुओं का साथ देने स्वयं श्रीकृष्ण आते हैं। आंवला नवमी के दिन पूजा करने के लिए सूर्योदय से पहले उठकर स्नान कर लेना चाहिये। फिर आंवले के पेड़ की पूजा करनी चाहिए। पेड़ पर कच्चा दूध, हल्दी रोली लगाने के बाद परिक्रमा की जाती है।

जनश्रुति है कि अक्षय नवमी या आंवला नवमी के दिन मां लक्ष्मी ने पृथ्वी लोक में भगवान विष्णु एवं शिव की पूजा आंवले के रूप में की थी और इसी वृक्ष के नीचे बैठकर भोजन किया था। आंवला नवमी के दिन कम से कम एक आंवला जरूर सेवन करना चाहिये।

वैसे तो पूरे कार्तिक मास में ही स्नान दान का बहुत महत्व होता है किन्तु शुक्ल पक्ष की नवमी के दिन स्नान, पूजन, तर्पण और अन्नदान करने से हर मनोकामना पूर्ण होती है। गुप्तदान करना भी अत्यंत शुभ माना जाता है। आधुनिक विज्ञान की दृष्टि से आंवला पादप साम्राज्य का फल है। यह मैंगोलियोफाइटा विभाग और वर्ग का फल है तथा इसकी जाति रिबीस है और प्रजाति का नाम आर-यूवा-क्रिस्पा तथा वैज्ञानिक नाम रिबीस यूवा क्रिस्पा है। यह फल देने वाला वृक्ष है। यह करीब 20 फीट से 25 फीट तक लंबा होता है। यह भारतीय उप महाद्वीप के अतिरिक्त यूरोप और अफ्रीका में भी पाया जाता है। हिमालयी क्षेत्र और प्रायद्वीप भारत में आंवले के पौधे बहुतायत में मिलते हैं। इसके फल सामान्य रूप से छोटे होते हैं। लेकिन प्रसंस्कृत पौधे में थोड़े बड़े फल लगते हैं। इसके फल हरे, चिकने और गूदेदार होते हैं। संस्कृत में इसे अमृता, अमृतफल, आमलकी, पंचरसा आदि नामों से जानते हैं। भारत में वाराणसी का आंवला सबसे अच्छा माना जाता है। यह वृक्ष कार्तिक माह में फलता है। आयुर्वेद में आंवले का सर्वाधिक महत्व है, एक प्रकार से यह भारतीय आयुर्वेद का मूलाधार है। चरक के मतानुसार आंवला शारीरिक अवनति को रोकने वाला, कल्याणकारी तथा धात्री (माता के समान रक्षा करने वाला) कहा गया है। वे कहते हैं कि आंवला सर्वश्रेष्ठ औषधि है।

यह रक्तषोधक, रुचिकारक, अजीर्ण आदि में लाभदायक तथा दृष्टि को तीव्र करने वाला, वीर्य को मजबूत करने वाला तथा आयु की वृद्धि करता है। लोकप्रिय आयुर्वेदिक ग्रंथ भेषज्य रत्नावली में 20 से अधिक योग आंवले के नाम से बताये गये हैं। ग्रंथों में आंवले को रक्तषोधक, रुचिकारक, ग्राही एवं मूत्रल बताया गया है। जिससे यह रक्त पित्त, वातावरण, रक्तप्रदर, बवासीर, अजीर्ण, अतिसार, प्रमेह ,श्वास रोग, कब्ज, पांडु रोग एवं क्षय रोगों का शमन करता है। मानसिक श्रम करने वाले व्यक्तियों को वर्ष भर नियमित रूप से किसी भी रूप में आंवले का सेवन करना चाहिये। आंवले का नियमित सेवन करने से मानसिक शक्ति बनी रहती है।

आंवला विटामिन-सी का सर्वोतम प्राकृतिक स्रोत है। इसमें विद्यमान विटामिन-सी नष्ट नहीं होता। विटामिन-सी एक ऐसा नाजुक तत्व होता है जो गर्मी के प्रभाव से समाप्त हो जाता है, लेकिन आंवले का विटामिन-सी नष्ट नहीं होता। ताजा आंवला खाने में कसैला, मधुर, शीतल, हल्का एवं मृदु रेचक या दस्तावर होता है। आंवले का प्रयोग सौंदर्य प्रसाधन के रूप में भी होता है। आंवले की चटनी, मुरब्बा तो बनता ही है, आंवले का उपयोग च्यवनप्राश बनाने में भी किया जाता है। हिंदू धर्म में आंवले का पेड़ व फल दोनों ही पूज्य हैं, अतः एक प्रकार से आंवला नवमी का यह पर्व पर्यावरण संरक्षण के लिये भी प्रेरित करता है।

फिटनेस मंत्र बन चुकी साइकिल से पर्यावरण प्रदूषण शून्य

यदि आप ग्लोबल वार्मिंग से देश-दुनिया को महफूज रखना चाहते हैं तो रोजमर्रे के कामों में साइकिल का अनुप्रयोग करने वाले लोगों को प्रोत्साहित करना होगा। इससे न केवल डीजल-पेट्रोल पर व्यय होने वाली विदेशी मुद्रा बचेगी, पर्यावरण प्रदूषण भी कम होगा, बल्कि आमलोग स्वास्थ्य की दृष्टि से भी खुद को ज्यादा फिट महसूस करेंगे। जब हमारे पड़ोसी चीनी लोग और सुदूर मित्र जापानी लोग अपने रोजमर्रा के कार्यों को स्कूटर, मोटरसाइकिल, कार या पब्लिक ट्रांसपोर्ट से संपादित करने की जगह सिर्फ साइकिल से सम्पादित कर सकते हैं, तो फिर हम भारतीय क्यों उनसे पीछे रहें। आज हमें इस निकृष्ट सोच से ऊपर उठना चाहिए कि साइकिल समाज के ऐसे वंचित वर्ग के यातायात का माध्यम है जो पब्लिक ट्रांसपोर्ट या स्कूटर, मोटरसाइकिल के महंगे ईंधन का खर्च वहन नहीं कर सकते। क्योंकि 21वीं शताब्दी में यह तस्वीर कुछ बदली बदली हुई नजर आ रही है। वैसे तो भारत में साइकिल का प्रचलन करीब 1960 के आसपास प्रारंभ हुआ, लेकिन अब इसके उपयोग को पर्यावरण हित में बढ़ावा देना चाहिए। इस बात में भी कोई दो राय नहीं कि साइकिल अब एक फिटनेस मंत्र बन चुकी है। लोग बाग अपने रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने, अपने कार्यस्थल पर पहुंचने के अलावा इसे फिटनेस के लिए भी अब नियमित रूप से चलाया जा रहा है।

साइकिलिंग कोच एवं एक्सपर्ट बताते हैं कि साइकिलिंग में शरीर की कार्डियो एक्सरसाइज होती है जो कि हृदय के लिए काफी अच्छी मानी जाती है। दूसरी खास बात यह है कि साइकलिंग एक ऐसा स्पोर्ट्स है जिसमें शरीर की रिकवरी सबसे जल्दी होती है। नियमित रूप से साइकिलिंग करने के अनेक लाभ हैं जिनमें शरीर में मौजूद एक्स्ट्रा कैलोरी की खपत, एक्स्ट्रा फैट को खत्म करना और मांस पेशियों को मजबूत बनाना प्रमुख हैं। सामान्य तौर पर यह देखा जाता है कि साइकिलिंग करने के लिए बच्चे, युवा एवं अधेड़ उम्र के लोग भी उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं। मैंने भी करीब 45 वर्ष की उम्र में अपने मित्रों से प्रेरित होकर साइकिलिंग प्रारंभ की और नित्य प्रतिदिन मेरी रुचि इसमें बढ़ती जा रही है।

-साइकिल का चयन करने से पहले कीजिए इन बातों पर गौर

किसी के भी सामने सबसे पहले साइकिल चुनने का प्रश्न सामने आता है जिसमें मुख्यतया तीन तरह की साइकिल में से किसी एक का चयन करना होता है। एक प्रकार की साइकिल होती है जिसे माउंटेन टिरेन बाइक या एमटीबी कहते हैं। इसे हम आसानी से पहचान सकते हैं क्योंकि इसके टायर सामान्य साइकिल से थोड़े चौड़े होते हैं और यह गड्ढों भरे रास्तों में या कच्चे रास्तों पर भी चलाने के काम आती है। वहीं, दूसरी तरह की साइकिल हाइब्रिड साइकिल होती हैं जिनमें एमटीवी से थोड़े पतले टायर होते हैं, लेकिन उनमें शौकर होता है जिसकी वजह से उसे भी प्लेन सड़क या गड्ढे वाली सड़क दोनों पर चलाया जा सकता है। जबकि तीसरे प्रकार की साइकिल रोडी होती है, जिनमें ड्रॉप हैंडल होता है और सामान्य रूप से उनमें शौकर नहीं होता। इसे मुख्य सड़क पर ही चलाया जा सकता है। गड्ढे भरी सड़कों पर उसको चलाने में बहुत दिक्कत आती है, क्योंकि उसके टायर बहुत ही पतले होते हैं और आसानी से उनमें पंचर हो जाता है।

बता दें कि यह तीनों साइकिलें जो सामान्य तौर पर सड़क पर आपने नित्य काम करने वालों को चलाते हुए देखा होगा, उनसे अलग होती हैं। इसलिए अपनी साइकिल का चयन करने के बाद इसमें अन्य चीजों का भी चयन करना होता है जैसे कि गियर के साथ या बिना गियर की साइकिल। बिना गियर की साइकिल नित्य प्रति 5 किलोमीटर से 10 किलोमीटर तक चलाने के लिए ही उचित रहती है, लेकिन यदि आपको लंबी दूरी में साइकिल चलानी है या ग्रुप में अन्य लोगों के साथ चलानी है तो इसमें आपको दिक्कत आएगी। क्योंकि आप इसे ज्यादा लंबा नहीं चला सकते। जब अन्य लोगों की साइकिल में गियर होगा तो वह आपसे तेज चलेंगे। इसलिए अपनी जरूरत के मुताबिक आप गियर या नॉन गियर वाली सायकिल का चयन कर सकते हैं।

आज की तारीख में आप साइकिल की शॉप पर जाकर अपनी साइकिल का चयन कर सकते हैं और कुछ साइकिल की शॉप वाले आपको यह ऑप्शन भी देते हैं कि आप साइकिल चलाइए और 2-3 दिन के अंदर यदि आपको साइकिल पसंद नहीं आती और आप साइकिल की वैरायटी चेंज करना चाहते हो तो आप कर सकते हैं। ऐसे में आपको साइकिल की ट्रायल लेने का पूरा मौका मिल जाता है और अपनी जरूरत के हिसाब से आप अपनी साइकिल का उचित चुनाव कर सकते हैं।

गौरव पांडेय
वरिष्ठ स्वास्थ्यकर्ता व लेखक

साइकिल के चयन में कुछ चीजें ध्यान देने वाली होती हैं जिनमें प्रमुख है अच्छी क्वालिटी का गियर और गियर शिफ्टर, टायर और टायर के रिम की क्वालिटी, डिस्क ब्रेक, सॉकर, साइकिल की बॉडी यदि अल्युमिनियम एलॉय की हो तो ज्यादा अच्छा है। साइकिल का वजन जितना कम होगा उतना अच्छा है। साइकिल की ऊंचाई आप की ऊंचाई के अनुसार ही होनी चाहिए।

साइकिलिंग करने के लिए आपको उचित ड्राई फिट टी-शर्ट जिसमें पसीना जल्दी सूख जाता हो या जर्सी, साइकलिंग शॉर्ट्स जो फोम पैड या जेल पैड के हों, जिससे कि आप साइकिल की सीट पर देर तक बैठ सकते हो। धूल मिट्टी से बचने के लिए चश्मा, अच्छी क्वालिटी का हेलमेट होना चाहिए। हेलमेट लेते समय यह ध्यान रखें कि सस्ता हेलमेट जिनके अंदर हल्की क्वालिटी का थर्माकोल लगा होता है वह लेने से बचें। साइकलिंग के दस्ताने जिनमें जेल पैड या फोम हो, अच्छी क्वालिटी की जुराबें और जूते प्रमुख हैं।

यदि आप साइकिलिंग सूर्योदय से पहले या सूर्यास्त के बाद करते हो तो कुछ चीजों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है, जैसे कि साइकिल में उचित लाइट जिनमें हेड लाइट, टेल लाइट एवं ब्लिंकिंग लाइट प्रमुख हैं। साथ ही आपको पंक्चर रिपेयर किट, हवा भरने का पंप और टूल किट जरूर रखनी चाहिए। क्योंकि ऐसे समय में साइकिल रिपेयर शॉप के खुली होने की संभावना बहुत कम होती है।

यदि आप धूप में साइकिल चलाते हैं तो आपको धूप की हानिकारक किरणों से बचने के लिए सनब्लॉक वाली टीशर्ट और स्लीव्स का उपयोग करना चाहिए और साथ ही सनस्क्रीन लोशन भी लगाना चाहिए। अन्यथा यदि आप लंबे समय तक साइकिल चलाएंगे तो आपके हाथ और पांव अलग से काले दिखाई देने लगेंगे।

साइकिल लेते समय साइकिल की एसेसरीज भी बहुत महत्व रखती हैं जैसे कि घंटी, बॉटल होल्डर, मोबाइल होल्डर या बैग, टूल बैग, सीट, स्टैंड, मडगार्ड। इसलिए कोशिश करनी चाहिए कि हम जब साइकिल चलाएं तो हमारे साथ एक या दो कोराइडर जरूर हों। लंबी दूरी के लिए साइकिल चलाने के लिए ग्रुप में चलाना ही सबसे उचित है।

-साइकिलिंग प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेने से पहले रखिए इन बातों का ख्याल

कुछ समय बाद जब आप साइकिल चलाने में पारंगत हो जाएं तो आप साइकिलिंग प्रतिस्पर्धाओं में भी भाग ले सकते हैं, जिन्हें भारत में प्रोफेशनल तरीके से कराया जा रहा है। इसमें शामिल होकर आप 200, 300, 600, 1000 और 1200 किलोमीटर तक भी साइकिल चलाने के इवेंट में भाग ले सकते हैं जो कि अपने आप में आपको फिट होने का आत्मविश्वास दिलाएगा और आपके जीवन में एक नया रोमांच पैदा करेगा।

मैंने देखा है कि जब हम साइकिलिंग करते हैं तो बहुत सारे लोग हमारी ओर उत्साह से देखते हैं और हमारी हौसला अफजाई भी करते हैं। कभी थम्बस् अप करके, कभी हाथ हिला कर या ताली बजाकर लोग साइकिल चलाने वालों का आत्मविश्वास बढ़ाते हुए भी नजर आ जाते हैं। साइकिलिंग करने से हम बच्चों और युवा पीढ़ी के लिए एक फिटनेस का संदेश दे सकते हैं और उन्हें प्रेरित कर सकते हैं। इसलिए मैं समझता हूं कि यह एक बहुत ही अच्छा माध्यम है जिससे हम खुद फिट रहने के साथ ही औरों को भी फिट रहने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

साइकिलिंग करते समय आपके शरीर का पसीना बहुत निकल जाता है, इसलिए अपने आपको ठीक तरीके से हाइड्रेट रखना बहुत जरूरी है। ऐसे में पानी, इलेक्ट्रोलाइट युक्त पेय पदार्थ एवं अन्य पोषक चीजें बहुत जरूरी है। लंबी दूरी की साइकिल चलाने के लिए आपको ऊर्जा की आवश्यकता होगी और ऐसे में अनाप-शनाप चीजों को खाने से बचने के लिए आपके पास ग्लूकोस बिस्किट, बादाम, केले, एनर्जी बार या जेल जैसी चीजें होनी चाहिए। वहीं, दूसरी बहुत ही ध्यान रखने वाली चीज यह है कि यदि आप लंबी दूरी के साइकिल चलाते हैं तो आपके पास एक स्पोर्ट्स वॉच होनी चाहिए जिससे आपकी हृदय गति, ऑक्सीजन सैचुरेशन एवं अन्य जरूरी पैरामीटर्स की जांच होती रहे और अलर्ट आते रहें। कभी भी ज्यादा थकान या ज्यादा हृदय गति होने पर विश्राम ले लेना चाहिए और हृदय गति सामान्य होने पर ही साइकिल चलानी चाहिए। वहीं, ऐसे लोग जिन्हें रक्तचाप, हृदय की बीमारी हो या नर्वस् सिस्टम की या अन्य बीमारी हो, उन्हें अपने चिकित्सक से सलाह लेने के बाद ही लंबी दूरी की साइकिल चलानी चाहिए। सामान्य तौर पर आनंद लेते हुए साइकिल चलाने की स्पीड 10 से 15 से किलोमीटर प्रति घंटा निकल कर आती है। वहीं, जो नियमित रूप से साइकिल चलाते हैं उनकी स्पीड 20 से 25 किलोमीटर प्रति घंटा तक भी आ जाती है। वहीं, जो प्रोफेशनल साइकिल चलाते हैं और रोडी या हाइब्रिड साइकिल का प्रयोग करते हैं, वो 35 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड भी निकाल लेते हैं।

-विदेशों में साइकिल से लोग पहुंचते हैं ऑफिस, लंबी दूरी के गंतव्य स्थानों पर पहुंचने के लिए भी करते हैं बहुधा प्रयोग

आपको यह जानकर खुशी होगी कि विदेशों में साइकिल का उपयोग नित्य ऑफिस जाने के लिए, लंबी दूरी के गंतव्य स्थानों पर पहुंचने के लिए भी होता है। चीन व जापान जैसे देशों में भी लोग साइकिल को ही नित्य प्रतिदिन के कार्यों के लिए भी उपयोग में लाते हैं। विदेशों की तर्ज पर अब भारत में भी इलेक्ट्रिक साइकिल उपलब्ध हैं, जिन्हें एक बार चार्ज करने पर 15 से 20 किलोमीटर तक चलाया जा सकता है। यदि आप इलेक्ट्रिक साइकिल को पैडल से बीच बीच में खुद ही चलाते हैं तो ऐसे में इसे थोड़ी और दूरी तक चलाया जा सकता है। वहीं, बैटरी खत्म होने पर इलेक्ट्रिक साइकिल को पैडल से भी चलाया जा सकता है। रोचक बात यह है कि साइकिल का भी इंश्योरेंस होता है जो कि साइकिल की चोरी होने को कवर करता है और साइकिल के एक्सीडेंट या डैमेज होने पर भी कवरेज मिलती है। ऐसे में खास बात ध्यान रखने की यह है कि साइकिल के इस इंश्योरेंस को साइकिल खरीदने के पहले दिन ही कराना होता है, अन्यथा आप इसे नहीं करा सकते।

हिमालयी क्षेत्र में विकास कार्य और चीन

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

भारत की उत्तरी सीमा के क्षेत्रों में पिछले कुछ वर्षों से भारत सरकार ने निर्माण कार्य तेज कर दिया है। नई सड़कें बनाई जा रही हैं। पुलों व सुरंगों का निर्माण किया जा रहा है। हवाई पट्टियां भी विकसित की जा रही हैं। इन संरचनाओं का लाभ सेना के साथ-साथ आम जनता को भी मिलता है। इससे पहले तिब्बत के साथ लगती भारतीय सीमा का क्षेत्र विकास के मामले में अवहेलना का शिकार था। यह स्वीकारोक्ति स्वयं सबसे लंबे समय तक रक्षा मंत्री रहने वाले एके एंटोनी ने 2012 में संसद में की थी। सरकार ऐसा क्यों कर रही थी, इसका कारण एंटोनी ने यह बताया था कि यदि भविष्य में चीन से टकराव होता है तो वह भारतीय क्षेत्र में घुस कर इन संरचनाओं का लाभ उठा सकता है।

लेकिन अब नरेंद्र मोदी सरकार की नीति इस भय को लेकर बदल गई है। इसलिए निर्माण कार्य भी तेजी से शुरू हो गया है। गलवान घाटी में चीन के साथ खूनी झड़प का मुख्य कारण यही था कि वहां भारत सरकार सड़क का निर्माण कर रही थी, जिसे चीन पचा नहीं पा रहा था। उसने बलपूर्वक सड़क निर्माण कार्य को रोकने का प्रयास किया, जिसके कारण दोनों देशों के सैनिकों के बीच प्राणघातक झड़पें हुईं। चीन को वह भारत अनुकूल लगता है जो हिमालय के साथ-साथ लगती अपनी उत्तरी सीमा को लेकर गफलत में सोया रहे। भारत विकास करता है तो कुछ देशों को चुभता है। वे उसे रोकने के ऐसे निरामिष तरीकों का इस्तेमाल करते हैं जिससे उनकी असली मंशा पर किसी को शक न हो। आपके ध्यान में होगा कि 2012 में मनमोहन सिंह सरकार देश में ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने के लिए तमिलनाडु में रूस की सहायता से दो परमाणु रिएक्टर स्थापित करना चाहती थी। तब कुछ एनजीओ यानी गैर सरकारी संस्थाओं ने पर्यावरण के नाम पर इस प्रकल्प का विरोध करना शुरू कर दिया था।

धरना-प्रदर्शन शुरू हो गया। तर्क यही था कि इससे पर्यावरण प्रदूषित होगा। कितना प्रदूषण फैलेगा, मीडिया में इसके आकड़े भी दिए जाने लगे। ऊपर से देखने पर उनकी यह चिंता स्वाभाविक ही लग रही थी। आखिर सारी दुनिया इस समस्या से जूझ रही थी। सरकार ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को मनाने की भरसक कोशिश की, उनकी कुछ मांगें मान भी लीं, लेकिन प्रकृति की रक्षा का सारा भार अपने कंधों पर लिए वे लोग टस से मस नहीं हो रहे थे। तब मनमोहन सिंह ने कुछ एनजीओ को सार्वजनिक रूप से ताड़ना की और खुलासा किया कि सरकार को पता है कि इन एनजीओ को विदेश से पैसा आ रहा है ताकि किसी प्रकार से परमाणु रिएक्टर प्रकल्प को रोका जा सके। इस तरह कहीं पे निगाहें, कहीं पे निशाना था। हिमाचल में रोहतांग सुरंग बन जाने से जहां वहां के स्थानीय लोगों को लाभ हुआ, पर्यटन का विकास हुआ, वहीं सेना की शक्ति को सुदृढ़ करने में भी यह सुरंग महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

अब उत्तराखंड में भी सरकार तीन सड़कों यानी ऋषिकेश से माना, ऋषिकेश से गंगोत्री और टनकपुर से पिथौरागढ़ को चौड़ा करना चाहती है। ये सड़कें चार धाम यात्रा मार्ग का भी हिस्सा हैं और भारत-तिब्बत सीमा तक सेना को सामान पहुंचाने का रास्ता सुगम बनाती हैं। जाहिर है इससे जहां स्थानीय लोगों को लाभ मिलेगा, पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, वहीं भारत-तिब्बत सीमा पर भारतीय सेना की पहुंच सुगम बनाने व लाजिस्टिक्स सप्लाई लाइन सुदृढ़ करने में सहायता मिलेगी। इसलिए सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया है कि इन सड़कों को चौड़ा करने की अनुमति प्रदान की जाए। लेकिन जैसे-जैसे हिमालय में सुरक्षा के लिहाज से निर्माण कार्य तेज हो रहा है, वैसे-वैसे कुछ लोगों की चिंता प्रकृति की रक्षा के लिए बढ़ने लगी है। चार धाम यात्रा की सड़कों को चौड़ा करने के प्रकल्प को रुकवाने का आग्रह करते हुए एक एनजीओ 'सिटीजन्स फॉर ग्रीन दून' ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। तर्क यहां भी वही पुराना है, प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा की चिंता। इस एनजीओ के वकील कॉलिन गोंजालेस और मोहम्मद आफताब ने कोर्ट में तर्क दिया है कि सड़कों को चौड़ा करने से हिमालय में भूस्खलन होगा, ग्लेशियर पिघल जाएंगे, इसलिए इस प्रकल्प को रोकना होगा।

उच्चतम न्यायालय की सुनवाई कर रही पीठ ने याचिकाकर्ता से पूछा कि सीमा के पार चीन हिमालय क्षेत्र में सड़कें बना रहा है, वहां भी तो हिमालय की प्रकृति वैसी ही होगी जैसी इधर है। दरअसल पूरे पर्वतीय क्षेत्रों में विकास बनाम प्रकृति संरक्षण की बहस काफी लंबे अरसे से छिड़ी हुई है। बीच-बीच में यह बहस उच्चतम न्यायालय में भी पहुंच जाती है। लेकिन जब से चीन ने भारत-तिब्बत सीमा पर सड़कों का जाल ही नहीं बिछा दिया, बल्कि गोर्मो से ल्हासा तक रेल पटरी भी बिछा दी है, तब से हिमालय क्षेत्रों में आधारभूत संरचनात्मक ढांचा विकसित करना और भी जरूरी हो गया है। पिछले कुछ अरसे से चीन आक्रामक भी हो गया है। इसका कारण भी यही है कि उसे लगता है भारत उत्तरी सुरक्षा के प्रति जाग गया है। अभी उसे रोक दिया जाए तो बेहतर होगा, बाद में ऐसा करना संभव नहीं होगा। रोकने के दो तरीके हैं। सीमा पर भारतीय सेना को डराया जाए, जैसा प्रयास उसने डोकलाम और गलवान में किया। लेकिन चीन का यह प्रयोग सफल नहीं हुआ।

दूसरा तरीका यह कि किसी तरह हिमालय क्षेत्र में विकसित हो रहे आधारभूत संरचनात्मक ढांचे को रुकवाया जाए। देखना होगा कि आने वाले दिनों में यह रुकवाने के लिए कॉलिन गोंजालेस और मोहम्मद आफताब कैसे-कैसे तर्क देते हैं। उच्चतम न्यायालय में सुनवाई कर रही पीठ ने सुनवाई के दौरान उचित ही कहा है कि भूस्खलन और अन्य विपरीत घटनाओं का कारण केवल सड़क निर्माण नहीं है, उसके अन्य कारण भी हैं। चीन को देखते हुए हिमालय की सुरक्षा पहला दायित्व है। इसी के चलते पर्यावरण की रक्षा हो सकेगी। ऐसे ही लोगों और संगठनों के कारण हिमालयी क्षेत्र में भारत की ओर से किए जा रहे सुरक्षात्मक विकास कार्यों में बाधा पैदा करने की कोशिश की जा रही है। लेकिन लगता है भारत सरकार ने अब तय कर लिया है कि वह हिमालय की सुरक्षा के दायित्व का पालन बखूबी करेगी।

भारतीय शिक्षा में नवाचार की जरूरत

गिरीश्वर मिश्र

आज सूचना और ज्ञान की बढ़ती हुई महत्ता को पहचानते हुए वर्त्तमान युग का नाम ही 'ज्ञान-युग' रख दिया गया है। जीवन के हर क्षेत्र में डिजिटल प्रक्रिया और कृत्रिम बुद्धि (आर्टीफीशियल इंटेलिजेंस) का ही बोलबाला हो रहा है (घर में एलेक्सा आपके काम की मदद को हाजिर है!)। रोबोट बहुत सारे काम यहाँ तक कि जटिल सर्जरी आदि करने में बेहद सहायक हो रहा है, कम्प्यूटर और इंटरनेट की सहायता से धरती से चाँद तक बहुत सारा काम हो रहा है। बढ़िया मोबाइल 'आई फोन' हो तो मानो दुनिया ही मुट्ठी में आ गई हो। तो ज्ञान का डंका बज रहा है और सुख की तलाश में ज्ञान बड़े पैमाने पर व्यापक और जटिल ढंग से शामिल होता जा रहा है।

ज्ञान का यह दूसरा और संभ्रांत छोर है। उसके दूसरे छोर पर ज्ञानहीन अनपढ़ों की दुनिया है। भारत में इस किस्म का 'डिजिटल डिवाइड' आज सामाजिक-आर्थिक भेदभाव का बड़ा कारण बन रहा है। अंग्रेजों ने शिक्षा की विषय वस्तु और पद्धति सब में बदलाव किया और वर्चस्व के चलते उसे मुख्यधारा में ला खड़ा किया। ज्ञान की दिशा, ज्ञान का सन्दर्भ , ज्ञान की प्रामाणिकता के आधार और संबोध्य सब के सब गैर-भारतीय होते गए। हम सबके लिए एक पश्चिमी साँचा ढाल दिया गया जिसमें अपने को फिट करना ही हमारा काम हो गया। आज आजादी के पचहत्तर साल बीतने को आए ज्ञान की श्रृंखला की बेड़ियाँ कमजोर होने की जगह और मजबूत हुई हैं। शिक्षा का आयोजन कैसे हो इस प्रश्न का उत्तर पश्चिमी शिक्षा और ज्ञान की सैद्धांतिकी और अनुप्रयोग पर ही निर्भर करता है। ऐसा करते हुए हम मानसिक रूप से पश्चिमी होते चले गए। पश्चिमीकरण की यह प्रक्रिया इस छद्म ढंग से हुई कि पश्चिमी ज्ञान वैश्विक या सार्व भौमिक सत्य के रूप में प्रस्तुत हुआ और उसी तरह से अंगीकृत किया गया। इस प्रक्रिया में जो कुछ पश्चिम के अनुकूल था उसे स्वीकार किया गया और जो उसके अनुरूप नहीं रहा उसे त्याग दिया गया। हमारे सोच विचार की कोटियाँ, व्याख्याएं और सिद्धांत सभी आयातित होती रहीं। ऐसे में यहाँ पर विकसित हो रहा ज्ञान मौलिक न हो कर एक तरह की छायाप्रति ही बना रहा जिसकी प्रामाणिकता मूल के साथ उसकी अनुरूपता के आधार पर निश्चित की जाती है। नएपन की जगह पुनराख्यान को महत्त्व

दिया जाने लगा। ऐसे बहुत कम क्षण ही देखने को मिले जब ज्ञान की दृष्टि से नवोन्मेष के दर्शन होते हों अन्यथा पश्चिम की ज्ञान यात्रा का अनुगमन करने में ही समय बीत जाता है। ज्ञान का खेल और खेल के नियम सभी उन्हीं के। राजनैतिक स्वाधीनता के बावजूद ज्ञान के और शक्ति के शिकंजे से निकलना सरल नहीं है क्योंकि हम एक ऐसी व्यवस्था से बंधे रहे जो सृजन के बदले यथास्थिति के पक्ष में थी इसलिए नवाचार इस मानसिक जकड़न से उबरने के लिए जरूरी है।

वैश्विक स्तर पर अपना वर्चस्व स्थापित करने के लिए ज्ञान की व्यवस्था सभी देशों में वरीयता प्राप्त कर रही है। इसके लिए संसाधन जुटाए जा रहे हैं और उसकी गुणवत्ता की निगरानी और जांच के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 'टाइम्स हायर एजूकेशन' जैसी आकलन व्यवस्था द्वारा उच्च शिक्षा की संस्थाओं की रैंकिंग की जा रही है और विश्व के सभी सचेत देश अपनी शिक्षा व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने में लगे हुए हैं। भारत में भी 'नैक' की संस्था का गठन हुआ है और भारत में भी राष्ट्रीय स्तर पर भी संस्थाओं की रैंकिंग (एनआईआर?फ) की जा रही है। उसके निश्चित पैमाने बने हुए हैं जिन पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार मूल्यांकन किया जाता है और उसके परिणाम सार्वजनिक किए जाते हैं। संस्थाओं में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों का आकर्षण बहुत हद तक इन मूल्यांकनों पर निर्भर करता है। साथ ही इस संस्थाओं को व्यवस्थित करने में भी इनकी सहायता ली जाती है। यह एक स्वागतयोग्य पहल है। विश्वविद्यालय के स्तर पर शिक्षा की गुणवत्ता संबर्धित करने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से निर्देश भी जारी हुए हैं। प्रक्रिया की दृष्टि से निश्चय ही यह सराहनीय कदम है फिर भी वास्तविकता पर गौर करने पर अनेक प्रश्न उठ खड़े होते हैं जिनके समाधान के लिए शैक्षिक नवाचार आवश्यक हैं। बदलते समय में शिक्षा का परिवेश और शिक्षा से जुड़ी आशाएं और आकांक्षाएं भी बदली हैं। उदारीकरण और वैश्वीकरण की तीव्र प्रक्रिया के प्रभाव के बीच शिक्षा का अंतरराष्ट्रीय आयाम विशेष रूप से महत्वपूर्ण हुआ है। साथ ही ताजा सन्दर्भ में देखने पर शिक्षा-अर्जन का तकनीकी आयाम विशेष रूप से महत्वपूर्ण बन गया है। लगभग दो साल लम्बी चली कोविड की संक्रामक महामारी के दौर में शिक्षा और तकनीक का रिश्ता तब नई ऊँचाइयों पर जा पहुंचा जब प्राइमरी से उच्च शिक्षा की सारी व्यवस्था 'आन लाइन' शिक्षा के अधीन हो गई थी। अध्यापन हो या परीक्षा मजबूरी में ही सही सारा का सारा काम आनलाइन ही होता रहा। इसके नफा-नुकसान तो अपनी जगह हैं पर शिक्षा के प्रसार और दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षा तक लाभार्थियों की पहुँच को सुरक्षित रखने की दृष्टि से यह निश्चित रूप से एक प्रभावशाली कदम था। यहाँ पर यह स्मरणीय है कि शिक्षा की सुविधा मुहैया कराने की दृष्टि से जीवन के आरंभिक दो दशकों तक का समय विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण है। जनसंख्या के बढ़ते आंकड़ों को देखते हुए सभी स्तरों पर शिक्षा संस्थाओं की संख्या अपर्याप्त है। साथ ही शिक्षा संस्थाओं में पर्याप्त वर्ग भेद है। इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक की दस्तक के साथ कई तरह की भौतिक, सामाजिक, राजनैतिक और आर्थिक घटनाओं की अनुगूँज देश में और वैश्विक स्तर पर फैलती नजर आ रही हैं उनके बीच यह सवाल अहम होता जा रहा है कि जिस तरह के आदमी को रचा-गढ़ा जा रहा है वह इस अर्थ में स्वायत्त रूप से कितना सक्षम और समर्थ है ताकि वह सर्जनात्मक रूप से खुद को, अपने परिवेश को और परिवेश के समस्त जड़ चेतन रहवासियों को स्वस्थ और सुरक्षित रख सके। शिक्षा का जो ढांचा अंग्रेज छोड़कर गए और जिसे ज्यों का त्यों अपना लिया गया उसे देख कर यही लगता है कि सिर्फसत्ता का हस्तांतरण हुआ, साहब बहादुर बदल गए बाकी सारी चीजें वही वही रहीं। शिक्षा नीति के नाम पर कवायद होती रही और थोड़े बहुत हेरफेर होते रहे पर उनका भी उत्स विदेश में ही था। इस बार 2020 में एक शिक्षा नीति का मसौदा आया जिसे 'भारतकेन्द्रित' कहा गया। इसमें संरचना, प्रक्रिया और विषय वस्तु को लेकर बड़े गंभीर परिवर्तन के संकल्प प्रस्तुत किए गए जिनको देख कर एक लचीली और प्रतिभा को अवसर देने वाली एक उत्साहवर्धक व्यवस्था दी गई। इसमें मातृभाषा को शिक्षा का माध्यम रखने पर भी बल दिया गया है। उस मसौदे के क्रियान्वयन की प्रक्रिया प्रगति में है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा आदित्य ग्राफिक्स, प्रताप भवन 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, आई.टी.ओ. नई दिल्ली-110002 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-46696546 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com
सम्पादकीय कार्यालय :- 15&16 सिंधिया हाउस, कस्तूरबा गांधी मार्ग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001

बिहार के रोहतास में चार हजार महिलाओं ने लिखी बदलाव की कहानी, बंदिशें तोड़कर जोड़ रहीं हैं ईंटें

रोहतास (एजेंसी) । घर में बुझा चूल्हा और बाहर समाज की लगी बंदिशों का अंधेरा। एक तरफ उम्मीद भरी निगाहों से टुकुर-टुकुर ताकते बच्चे तो दूसरी ओर सैकड़ों निगाहें, जो किसी महिला को मजदूरी की इजाजत तो देते हैं, पर ईंट जोडने की नहीं। इन सबके बीच गिरती-पड़ती एक मां की मजबूरी ने जैसे साहस बटोरा। लोक-लाज का घूंघट उठा कदम बाहर निकाले तो जमाना भौंचक रह गया। चेहरे पर थी स्वाभिमान की दमक। हौसले के जोर से बंदिशें टूटती चली गई और 4,000 से ज्यादा महिलाएं बन गई बदलाव की वह नायिका, जिसे लोग सम्मान के साथ कहते हैं राजमिस्त्री ! यह बिहार में रोहतास जिले का तिलौथू प्रखंड नक्सल प्रभावित इलाका है, जहां अब एक नई बयार बह रही है। महिलाएं गांवों में मजदूरी तो करती थीं, पर राजमिस्त्री या कारपेंटर नहीं थीं। आज यहां

4,675 महिलाएं राजमिस्त्री का काम रही हैं, 670 महिलाएं कारपेंटर हैं, 220 इलेक्ट्रिशियन और 290 महिलाएं प्लंबर हैं। देखते-देखते खड़ी हो गई फौज गमला हो या छत की ढलाई, शौचालय हो या सड़क किनारे लगने वाला मील का पत्थर, हर काम अब उनके जिम्मे है। गांवों में रहकर यह सब करना आसान नहीं था। इन्हें राह दिखाई तिलौथू महिला मंडल ने। करीब चार साल पहले महिलाएं इस समूह से जुड़ीं और प्रशिक्षण लेना शुरू किया। देखते-देखते एक फौज खड़ी हो गई। कल तक मजदूरी करने वाली महिलाएं अब कुशल कारीगर बन गई थीं। इन्होंने ही जिले में पहली बार प्री-कास्ट (पूर्व निर्मित दीवार) का निर्माण किया। घर की दीवार हो, छत या नींव, महज 48 घंटे में बनकर तैयार हो जाएगी। इन खास राजमिस्त्रियों का हुनर है कि आज उत्तर प्रदेश और झारखंड के सीमावर्ती जिलों से भी इन्हें काम मिल रहा है। कैमूर पहाड़ी पर रेहल गांव में पुलिस संवाद कक्ष हो या चार दर्जन घर, इनका निर्माण इन महिलाओं ने ही किया है। डेहरी ऑन-सोन के एएसपी संजय कुमार बताते हैं, नौहट्टा थाना क्षेत्र के रेहल में पुलिस संवाद केंद्र का निर्माण तिलौथू महिला मंडल द्वारा किया गया है। इस केंद्र की दीवार, छत आदि का निर्माण महिला राजमिस्त्री ने ही किया है और इसे सेट करने में उन्हें महज 48 घंटे लगे। उन्होंने कम लागत और कम समय में बेहतर कार्य किया। वे जो कर रही हैं, वह अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणादायी है। तिलौथू महिला मंडल की सचिव रंजना सिन्हा कहती हैं, संस्था स्व संचालित है। कहीं से किसी तरह का कोई सहयोग नहीं लिया जाता है। जो भी ऑर्डर मिलता है, उसे पूरा किया जाता है। जो भी आय होती है, उसे महिलाएं आपस में बांट लेती हैं। इनमें कई महिलाएं ऐसी हैं, जिनके पति गुजर गए हैं या परित्यक्ता हैं, पर अब वे अपने बलबूते पर पूरे स्वाभिमान से जी रही हैं। उनकी काबिलियत को देखते हुए उन्हें सरकारी और निजी कंपनियों से भी आर्डर मिल रहा है। घर बनाना हो, बिजली की वायरिंग करानी हो या पाइप का काम हो, लोग अपने घर को बनाने-सजाने की जिम्मेदारी इन्हें ही देते हैं। सरैया गांव की शकीला खातून बताती हैं, पति अस्वस्थ रहते थे। दो वक्त की रोटी का इंतजाम भी बमुश्किल हो पाता था। तीन बेटे व तीन बेटियों के भोजन-पानी की चिंता थी सो, घर की देहरी लांघने का फैसला किया। आज 18 हजार रुपए महीना काम रही हूं।

एक नज़र

यूपी में योगी आदित्यनाथ का रास्ता आसान करेंगे बिहार के सीएम नीतीश कुमार, बीजेपी ने जदयू से मांगी सीटों की सूची

पटना (एजेंसी) । भाजपा नेतृत्व ने जदयू से यूपी चुनाव के लिए उन सीटों की सूची मांगी है जहां से वह गठबंधन के साथ विधानसभा चुनाव में अपने प्रत्याशी को उतारने की इच्छा रखता है। वैसे इस वर्ष 2007 वाला मामला नजर नहीं आ रहा। उस वर्ष यूपी विधानसभा चुनाव में भाजपा ने जदयू के साथ जो गठबंधन बनाया था उसके तहत जदयू को 20 सीटें मिली थीं। एक पखवाड़ा पहले जदयू नेता व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह ने भाजपा नेतृत्व से गठबंधन के संबंध में बात की थी। संभव है कि बात कुछ आगे बढ़ सकती है। केसी त्यागी यूपी के मुख्यमंत्री

योगी आदित्यनाथ से मिल चुके हैं। ऐसी चर्चा है कि किसान आंदोलन की वजह से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भाजपा के खिलाफ माहौल बनाया जा सकता है। ऐसे में इसकी भरपाई मध्य व पूर्वी उत्तर प्रदेश से करने की बात चल रही। इन इलाकों में कुर्मी व अति पिछड़ा वर्ग के मतदाताओं की संख्या अधिक है। ऐसे में इस बात की कोशिश है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इन क्षेत्रों में एनडीए के पक्ष में सभा करें। अति पिछड़ा वर्ग के लिए उनके द्वारा किए गए काम की चर्चा पूर्वी उत्तर प्रदेश और मध्य उत्तर प्रदेश में होती रही है। जदयू की कोशिश है कि यूपी के इन क्षेत्रों में व भाजपा के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़े। यूपी के विधानसभा चुनाव में जदयू की स्थिति अपने दम पर जीतने की नहीं है। पर अगर वह अकेले चुनाव लड़ता है तो दूसरों को नुकसान जरूर हो जाएगा। अगर पांच हजार वोट भी आते हैं तो दूसरे इस वजह से हार सकते हैं। लोकसभा में वर्ष 1998 मे हरिकेवल प्रसद यूपी के सलेमपुर सीट से समता पार्टी की टिकट पर चुनाव जीत चुके हैं। वहीं वर्ष 2004 में यूपी के आंवला लोकसभा क्षेत्र से कुंवर सर्वराज सिंह जदयू के टिकट पर जीत हासिल की थी।

बिहार में ठंड का बढ़ा असर, पछुआ हवा दिखा रही असर

पटना (एजेंसी) । बिहार में उत्तर व उत्तर-पश्चिमी हवा का प्रवाह जारी है। बीते 24 घंटो के दौरान प्रदेश का अधिकतम तापमान 28-30 डिग्री और न्यूनतम तापमान 15-17 डिग्री दर्ज किया गया। लोक आस्था के महापर्व छठ के दौरान पारा सामान्य रहने के साथ सुबह-शाम हल्की ठंड रही। मौसम विज्ञान के अनुसार अभी कुछ दिनों तक प्रदेश का मौसम ऐसा ही बना रहेगा। प्रदेश में कड़ाके की ठंड को लेकर लोगों को इंतजार करना होगा। नवंबर महीने में आम तौर पर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होता है। इससे पहाड़ों पर बर्फबारी होती है। ऐसे में मैदानी इलाकों में पारे में गिरावट आती है और कड़ाके की

ठंड पड़ती है। इस प्रकार का सिस्टम अभी प्रदेश में नहीं बन रहा है। स्थानीय कारकों से पारे में धीरे-धीरे गिरावट आएगी। गुरुवार को पटना का अधिकतम तापमान 30.2 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 16.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शुक्रवार को पटना व इसके आसपास क्षेत्रों में सुबह में हल्का कुहासा छाया रहेगा। धूप निकलने के बाद मौसम सामान्य हो जाएगा। पारे में किसी प्रकार का कोई बदलाव नहीं होगा।

कर्ज से बचने के लिए काराकाट के युवक ने रचा खुद के अपहरण स्वांग, स्वजनों से मांग रहा था फिरौती

काराकाट (सासाराम) (एजेंसी) । काराकाट थाना क्षेत्र के जयश्री निवासी एक युवक को अपने अपहरण का स्वांग रचना महंगा पड़ गया। घर वालों की सूचना पर खोजबीन के दौरान स्थानीय थाने की पुलिस ने गुरुवार को अपहरण का नाटक रचने वाले बिट्टू कुमार को बक्सर से बरामद कर पूछताछ के बाद इसका घटना का भंडाफोड़ किया है। जिसे पुलिस ने स्वजन समेत पुलिस को अनावश्यक परेशान करने के मामले में गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार युवक बिट्टू कुमार जयश्री निवासी सत्येंद्र सिंह का पुत्र बताया जा रहा है। थानाध्यक्ष अनिल प्रसाद ने बताया कि बिट्टू

गत मंगलवार को घर से पैसा की निकासी करने के लिए बिक्रमगंज बैंक गया था देर शाम तक उसके घर नहीं लौटने पर चिंतित स्वजनों ने इसकी खोजबीन शुरू की। लोग अभी खोजबीन कर ही रहे थे कि उसके मोबाइल से घर के दूसरे नंबर पर उसका फोन आया। फोन पर बिट्टू ने स्वजनों को बताया कि उसका अपहरण कर लिया गया है उसने खुद को अपहर्ताओं द्वारा एक अंधेरी कोठरी में डाल रखने की बात कही। दूसरे दिन सुबह अपने पिता सत्येंद्र सिंह से बात करते हुए दो लाख रुपये की मांग की। कहा कि फिरौती की यह रकम नहीं देने पर लोग किडनी बेच देंगे, और फिर फोन काट दिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि मोबाइल को ट्रेस कर उसे बक्सर से सकुशल बरामद कर लिया गया। पूछताछ के दौरान गोलमटोल बात कर कुछ देर तक पुलिस को भ्रमित करता रहा, परंतु सख्ती दिखाने पर सच उजागर कर दिया। जिसे पुलिस ने स्वजन समेत पुलिस को अनावश्यक परेशान करने के मामले में गिरफ्तार कर लिया गया। गौरतलब है कि इस तरह का मजाक कई बार जानलेवा साबित हो जाता है। बात 2005 की है।

बिहार में बुजुर्गों के प्रति अपराध में आई कमी, अनुसूचित जाति के खिलाफ वारदात के मामले जस की तस

पटना (एजेंसी) । यह कानून के शासन का असर है या समाज की संवेदना, बुजुर्गों के लिए सुकून की बात है कि उनके खिलाफ अपराध में कमी आई है। नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो की ताजा रिपोर्ट का आंकड़ा बता रहा है कि बीते तीन वर्षों में उतार चढ़ाव के साथ बुजुर्गों के प्रति अपराध कम हुए हैं। अगर दूसरे बड़े राज्यों से तुलना करें, तब भी इस मोर्चे पर अच्छी कामयाबी नजर आती है। राज्य में 2020 में अपराध की इस श्रेणी में 322 मामले दर्ज हुए। यह 2018 के 424 से कम और 2019 (251)से अधिक है। यह कम हैरत की बात नहीं है कि पिछले साल बुजुर्गों के साथ धोखाधड़ी का एक भी मामला दर्ज नहीं हुआ। जबकि गुजरात में 196, कर्नाटक में 106 और महाराष्ट्र में 719 मामले दर्ज किए गए। दिलचस्प यह है कि पुलिस सुस्ती के मामले में भेदभाव नहीं करती है। बुजुर्गों की ओर से दायर किए जाने मामलों की जांच की रफ्तार आम मुकदमों की तरह ही है। रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में पिछले साल तक 452 मामले जांच के लिए लंबित थे। इनमें से 130 मामले वर्षों पुराने हैं। पिछले साल पुलिस ने 251 नए-पुराने मामलों में चार्जशीट दाखिल किया। अगर कुल मामलों की चर्चा करें तो रिपोर्ट बनाने तक 1713 मामलों में ट्रायल चल रहा था। पिछले साल बुजुर्गों से जुड़े किसी मामले में किसी को सजा नहीं मिली। सबसे अधिक 11565 मामले महाराष्ट्र में लंबित हैं। बड़े राज्यों में उत्तर प्रदेश की स्थिति अच्छी कही जा सकती है। यूपी में लंबित मामलों की संख्या सिर्फ 394 है। ब्यूरो की रिपोर्ट में बताया गया है कि राज्य में अनुसूचित जाति के खिलाफ अपराध के मामलों में खास कमी नहीं आई है। 2018 में इनकी संख्या 7061 थी।

सब्जियों को रंगने के लिए मेलाकाइट ग्रीन नामक खतरनाक केमिकल का प्रयोग

औरंगाबाद (एजेंसी) । बाजार में ऊपर से चमकने वाली सब्जियों से लोगों को सावधान होने की जरूरत है। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है कि जिले के सभी बाजारों में खतरनाक रासायनिक रंगों से रंगी सब्जियां बेधड़क बिक रही हैं। ऐसी सब्जियों के खाने से लोगों में कई तरह की बीमारियां हो सकती हैं। सब्जियों को मंडी में हर दिन रंगा जाता है। इसके बाद इसकी बिक्री की जाती है। रविवार की सुबह भी सब्जी पट्टी की दुकानों में खीरा, करेला, पटल, कागजी नींबू, भिंडी आदि सब्जियों में चमक लाने के लिए रासायनिक रंगों का प्रयोग कर बासी सब्जियों को ताजा कर उसे थोड़ी सस्ती कीमत में बेच दिया गया। सब्जियों में इतनी चमक कैसे आई। इस सवाल का जवाब दुकानदारों ने नहीं दिया। दुकानदार हर दिन सब्जियों को रंगने के लिए सुबह में मेलाकाइट ग्रीन नामक खतरनाक केमिकल का प्रयोग करते हैं। एक व्यापारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि ग्राहकों को चमक वाली सब्जी ही पसंद आती है। ग्राहकों की पसंद को देखते हुए सब्जियों को रंगा जाता है। थोड़ा सा रंग से ही एक टोकरी सब्जियां रंग दी जाती हैं। जिसे ग्राहक बड़े चाव से

खरीदते हैं। इसीलिए हरी सब्जियों का चटख रंग देखकर खुश मत होइए। लाल सेब और संतरे के रंग के पीलेपन पर बहुत गदगद होने की जरूरत नहीं है। सब्जियों एवं फलों के चटख रंग आपको भ्रमित करने वाले भी हो सकते हैं। ऐसा न हो कि बिना परखे आप इन रंगो को देख कर ही सब्जी अथवा फल खरीद लें और ये आपकी सेहत को नुकसान पहुंच जाए। क्योंकि आज कल बड़े पैमाने पर सब्जियों, फलों एवं दालों को बेचने के लिए सिंथेटिक रंगो का इस्तेमाल किया जा रहा है। सब्जियों को रंगने का गोरखधंधा जिले में बड़े पैमाने पर चल रहा है। बासी सब्जी भी ताजा दिखे इसके लिए दुकानदार अक्सर ऐसा काम करते हैं। यह लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है। थोड़े से लाभ के लिए सब्जियों को हरे रंग से तो रंग कर दिखाया जाता है मगर इसका दुष्परिणाम इन्हें नजर नहीं आता। इससे लोगों को सचेत रहने की जरूरत है। हरी सब्जी खरीदते समय इस बात का अवश्य ध्यान दें कि कहीं आप जो सब्जी ले रहें हैं वह हरे रंग से तो नहीं रंगी हुई है। चिकित्सक डा. आलोक ने बताया बाजार में बिक रही सब्जियों की चमक देखकर उसे कभी ना खरीदें। इस चमक के पीछे कई बीमारियां भी छुपी हुई हैं। प्रतिदिन तरोताजा सब्जी खरीद कर घर में अच्छे से गर्म पानी से धोकर उसे बनाने के बाद ही खाने में प्रयोग करें।

समस्तीपुर में जहरीली शराब कांड में ठोस कार्रवाई नहीं, अब तक आठ की मौत, तीन लोगों की हालत नाजुक

समस्तीपुर (एजेंसी)। सरायरंजन थाना क्षेत्र के नरघोघी गांव में शुक्रवार को जहरीली शराब से मौत का मामला प्रकाश में आया है। जहरीली शराब के सेवन से जहां एक व्यक्ति की मौत हो गई है। वहीं तीन की हालत नाजुक बनी हुई है। समस्तीपुर जिले में जहरीली शराब से अब तक आठ लोगों की मौत हो चुकी है। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया है। शुक्रवार अल सुबह एक व्यक्ति को गंभीर हालत में सदर अस्पताल भर्ती कराया गया। जहां गंभीर हालत में रेफर कर दिया।

उसकी पहचान नरघोघी गांव के विनोद दास के पुत्र 20 वर्षीय पंकज कुमार के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही सदर डीएसपी सेहबान हबीब फखरी सदर अस्पताल पहुंच पर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। सदर अस्पताल में पुलिस के पहुंचने से पूर्व ही स्वजन पीड़ित को लेकर इलाज के लिए निकल चुके थे। इस कारण मामले की पूरी जानकारी नहीं मिल सकी । अन्य पीड़ितों से संपर्क बनाने का प्रयास किया जा रहा है। डीएसपी ने बताया कि पीड़ित को ट्रैक करने की कोशिश की जा रही है । घटना के संबंध में पुलिस प्रशासन कुछ बताने से परहेज कर रहे है । ग्रामीणों के अनुसार शुक्रवार सुबह नरघोघी गांव में तीन-चार व्यक्ति ने कर दिया। सभी की हालत नाजुक बताई गई है। बतातें है कि शाहपटोरी थाना क्षेत्र में जहरीली शराब से सात व्यक्ति की मौत हो चुकी है। वहीं कई लोग इसकी जद में आकर बीमार भी हो चुके हैं । जिले में लगातार हो रही शराब की इस घटना से पुलिस

एक साथ शराब पिया था । इसके बाद सभी को उल्टी दस्त शुरू हो गया। आनन फानन में स्थानीय लोगों कि मदद से आसपास के क्लीनिक में भर्ती कराया। जहां एक की मौत हो गई। वहीं एक व्यक्ति को सदर अस्पताल से गंभीर हालत में रेफर प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठने शुरू हो गए हैं। घटना के बाद नरघोघी गांव में हड़कंप मच गया है। बिहार के पश्चिम चंपारण में 15 व गोपालगंज में 11 लोगों की जहरीली शराब हो चुकी है मौत। पुलिस कर रही मामले की जांच पड़ताल।

लापरवाही पड़ेगी भारी! बाजार में बढ़ गई भीड़, मास्क पहनना भूज गए लोग, बढ़ सकता है संक्रमण का खतरा

मुंगेर (एजेंसी) । अरसे बाद शहरी क्षेत्र में कोरोना का मरीज मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग सकते में हैं। शहर के लोग कोरोना गाइड लाइन नियम भूल गए हैं, पालन नहीं कर रहे हैं। शहर के बाजार, स्टेशन और बस स्टैंड में बढ़ती भीड़ बड़े खतरे की तरफ इशारा कर रहा है। लोग अभी नहीं चेते तो कोरोना की चपेट में आ जाएंगे। शारीरिक दूरी की बात तो दूर लोग मास्क लगाना तक भूल गए हैं। दुकानों में न दुकानदार मास्क लगा रहे हैं और न ग्राहक मास्क पहनकर पहुंच रहे हैं। कोरोना जांच सदर अस्पताल, मुंगेर और जमालपुर स्टेशनों पर किया जा रहा है। बहुत कम संख्या में लोग जांच कराने पहुंच रहे हैं। गुरुवार को शहर के मुगल बाजार में एक युवक की रिपोर्ट कोरोना पाजिटिव आने के बाद शुक्रवार को जागरण की टीम शहर की भीड़ से रूबरू हुई। मुंगेर स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या एक पर ट्रेन खड़ी हुई कि पैसेंजर सवार होने के लिए टूट पड़े। हर कोई ट्रेन में प्रवेश करने के लिए जदोजहद कर रहा था। कोच के अंदर की हालत देखकर टीम भौंचक रह गई। कोच में ज्यादातर पैसेंजर मास्क नहीं पहने

हुए थे। नीचे वाली सीट पर पैसेंजर इस कदर सट कर बैठे थे मानों कोरोना वायरस से पूरी तरह अनजान हैं। पूरे कोच की स्थिति यही रही। कोई शारीरिक दूरी का पालन नहीं करते दिखे। हर किसी ने हर किसी ने लक्ष्मण रेखा लांघी। इन सभी में ट्रेन में किसी का न डर और न संक्रमण फैलने की ड्क्षचता दिखी। एक नंबर ट्रैफिक से लेकर कोतवाली थाना के पास तक सब्जी मंडी में सुबह से ही जबरदस्त भीड़ रही। लोग सब्जी और दूसरे समानों की खरीदारी करने पहुंचते रहे। कोई रोकने वाला नहीं था। दुकानदार भी शारीरिक दूरी बनाए रखने के बारे में रोकटोक नहीं करते दिखे। मार्केट में दर्जनों बाइक जहां-तहां खड़ी थी। कुछ दूरी पर स्थित चौराहा पर चाय और नाश्ते की दुकानें खुली थी। हर दिनों की तरह दुकानों में ग्राहकों की भीड़ थी न ग्राहक मास्क लगाए थे और न ही दुकानदार। लोग प्रशासनिक आदेश को मानने के लिए तैयार ही नहीं है। इससे संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ रहा है। कोरोना के बढ़ते प्रसार को देखते हुए जिला प्रशासन को थोड़ा और कठोर कदम उठाने की जरूरत है। बाजार में शारीरिक दूरी का पालन नहीं करने वाले, बिना मास्क के निकलने वाले लोगों के अलावा दुकानों व छोटे वाहनों पर कड़ी निगरानी की जरूरत महसूस हो रही है। 2020 वर्ष की भांति अगर प्रशासन सख्ती बरतेगा, तभी इस महामारी को काबू किया जा सकेगा। शहर के बस स्टैंड की हालत भी सही नहीं है। यहां बस संचालक कोरोना नियमों का सख्ती से पालन कराने में सक्षम नहीं दिख रहे हैं। बसों में सैनिटाइजर की व्यवस्था नहीं है।

सवाई माधोपुर ज़िला कलेक्ट्री की सुरक्षा रात में राम भरोसे

खुले पड़े रहते हैं ज़िला कलेक्ट्री की दोनो द्वार,नही होता एक भी सुरक्षाकर्मी

ओपन सर्च.ब्यूरो

माधोपुर। ज़िला सवाई माधोपुर के प्रशासनिक मुख्यालय कलक्टरी की सुरक्षा दिन तो दिन रात में भी राम भरोसे रहती हैं परिसर के दो मुख्य द्वार हैं रात में दौनो ही खुले पड़े रहते हैं और तो और इन पर रात में एक भी सुरक्षाकर्मी तैनाथ नही होता हैं इस बाबत हिंदुस्तान शिवसेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष व दिल्ली हाई कोर्ट के वकील राजेन्द्रसिंह तोमर राजा भैया ने स्वम रात को लिए गये फ़ोटो सहित श्रीमान ज़िला जज ,ज़िला कलेक्टर व जिला पुलिस अधीक्षक महोदय को लिखित शिकायते की हैं राजा भैया ने अपने द्वारा की शिकायत की प्रतियाँ ओर परिसर के फ़ोटो देते हुए पत्रकारों को बताया की कल रात वो रात लगभग सवा ग्यारा बजे दिल्ली से सवाई माधोपुर रेलवे स्टेशन पर आए और पैदल ही कलेक्टरी के पीछे स्थीत अपने निवास गणेशनगर बी जा रहे थे जब वह कलेक्टरी गेटों के पास से गुजरे तो उन्होंने देखा की परिसर के दौनो मुख्य द्वार खुले पड़े थे और तो और इन पर कोई सुरक्षाकर्मी भी तैनाथ नही था जबकि ज़िला न्यायालय के दौनो द्वार बंद थे राजा ने बताया की कलेक्टरी परिसर में ड़ीएम एसपी एडीम एएसपी एसड़ीएम ड़ीएसपी आदि सहित अधिकारियों के कार्यालय तथा ज़िला कंज़्यूमर कोर्ट,परिवार न्यायालय, पोक्सो न्यायलय व उनके रिकार्डरूम के साथ साथ अधिवक्ताओं के चैम्बर और सीटें हैं दिन में भी इस परिसर के दौनो गेटों पर कोई सुरक्षा का इंतज़ाम नही होता वे रोक टोक कोई भी कही भी आता जाता रहता हैं पर रात के समय ज़िला कलेक्टरी की इस तराह की लापरवाही और सुरक्षा में चूक समझ से परे हैं अति सामवेदनशील परिसर होने के बावजूद यहाँ की सुरक्षा रात में सिफ़ राम भरोसे रहती हैं जो की कभी भी किसी बड़ी अप्रिय घटना को अंजाम दे सकती हैं और जिसकी भरपाई भी करना शायद मुसकिल होगा। शिकायत में उन्होंने तत्काल इस परिसर की सुरक्षा चाक चौबंद करने यहाँ दिन और रात में गेटों पर हथियार बंद सुरक्षाकर्मी तैनाथ करने व आवशक्ता ना होने पर रात को दौनो गेट बंद रखने की बाबत लिखा हैं बड़ी अजीब बात यह हैं की यहाँ के किसी भी छोटे बड़े अधिकारी का ध्यान इस ओर नही गया जबकि कहने को आए दिन पुलिस व प्रशासन के छोटे बड़े अधिकारी बारी बारी से रात में ग़स्त करते हैं! ये सोचनिय विषय हैं कि वो खुद अपने ही मुख्य परिसर की सुरक्षा चूक नही देख पाए।

SUNSHINE CAPITAL LIMITED

CIN: L65993DL1994PLC060154
Regd. Off: 209 Bhanot Plaza II 3 D B Gupta Road New Delhi -110055
Email Id: sunshinecapital95@gmail.com,
Website: www.sunshinecapital.in Ph: 011- 23582393

Unaudited Financial Results for the Quarter & Half Year Ended 30.09.2021

(₹ IN LACS except EPS)

S.NO.	Particulars	For the Current year Quarter Ended 01.07.2021 to 30.09.2021 (`)	For the Half Year Ended 01.04.2021 to 30.09.2021 (`)	For the Corresponding Previous year Quarter Ended 01.07.2020 to 30.09.2020 (`)	For the Previous year Ended 01.04.2020 to 31.03.2021 (`)
		Unaudited	Unaudited	Unaudited	Audited
1	Total Income from operation	110.23	213.31	98.17	279.63
2	Net Profit / Loss for the period before tax and exceptional items	88.34	174.15	74.45	132.08
3	Net Profit/ Loss for the period before tax (after exceptional items)	88.34	174.15	74.45	108.61
4	Net Profit/ Loss for the period after tax (after exceptional itmes)	88.34	174.15	74.45	71.05
5	Total [Comprehensive income/ loss for the period [comprising profit/ loss for the period (after tax) and other comprehensive income/ loss (after tax)]	88.34	174.15	74.45	71.05
6	Paid up equity share capital	1,302.09	1,302.09	1,302.09	1,302.09
7	Earning per share (of Rs. 10/- each) after exceptional item Basic & Diluted	0.68	1.34	0.57	0.55

Note

1. The above unaudited standalone financial results for the quarter and Half Year ended september 30, 2021 were reviewed by the Audit Committee at their meeting and approved by the Board of Directors at their meeting held on November 12, 2021.
2. The above is an extract of Unaudited Financial Results filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Unaudited Financial Results are available in the Company's website (www.sunshinecapital.in).

For and on behalf of board of directors of
Sunshine Capital Limited

Surendra Kumar Jain
(MANAGING DIRECTOR)
DIN : 00530035

Date: 12-11-2021
Place: New Delhi

अली के कैच छोड़ने को 'टर्निंग प्वाइंट' बताने के बाद बाबर ने कहा, खिलाड़ी से कैच छूट सकते हैं

दुबई (एजेंसी) । पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम ने हसन अली के मैथ्यू वेड का कैच छोड़ने को टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में आस्ट्रेलिया से मिली हार का 'टर्निंग प्वाइंट' (मैच का रूख बदलने वाला क्षण) करार दिया था लेकिन बाद में इसमें संशोधन करते हुए कहा कि खिलाड़ियों का कैच छोड़ना मैच का हिस्सा था और उनकी टीम के बाहर होने का कारण यह नहीं था।

अली 19वें ओवर में शाहीन शाह अफरीदी की गेंद पर वेड का कैच लपकने में असफल रहे थे, जिसके बाद इस आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने लगातार तीन छक्के जड़कर अपनी टीम को पाकिस्तान पर पांच विकेट से जीत दिलाने में मदद की। बाबर ने मैच के बाद कहा कि अगर कैच लपक लिया गया होता तो मैच का नतीजा कुछ और हो सकता था।

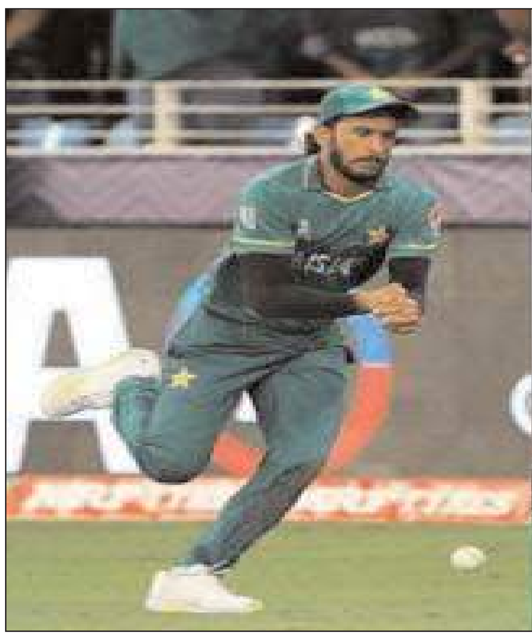

लेकिन मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने पहले जो कहा था, उसमें से कुछ का दोहराव किया लेकिन साथ ही कहा कि कैच नहीं लपक पाना खेल का हिस्सा था और टीम अली का पूरा समर्थन करेगी। उन्होंने कहा, ''मैच में कैच छूटे और इसके कारण मैच का रूख बदल गया। अगर कैच नहीं छूटता तो परिदृश्य अलग हो सकता था। लेकिन यह खेल का हिस्सा है और हम अपनी गलतियों से जितना जल्दी सीखते हैं, उतना अच्छा होता है।'' जब एक पत्रकार ने पूछा कि क्या उन्हें अब महसूस हो गया कि अली की फॉर्म टूर्नामेंट के दौरान अच्छी नहीं थी और उनके कैच छोड़ने से ही पाकिस्तानी टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गयी। उन्होंने कहा, ''मुझे ऐसा नहीं लगता।'' आजम ने कहा, ''वह हमारा मुख्य गेंदबाज हैं और उसने पाकिस्तान के लिये काफी मैच जीते हैं। खिलाड़ियों से कभी कभार कैच छूट जाते हैं। ''टूर्नामेंट में बल्ले से शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहे बाबर ने कहा, ''वह (अली) थोड़ा (फॉर्म से) जूझ रहा है और मैं उसका समर्थन जारी रखूंगा। हर खिलाड़ी प्रत्येक मैच में अच्छा नहीं कर सकता। कुछ खिलाड़ी जिनका मैच के दौरान दिन अच्छा रहता है, वे इसका पूरा फायदा उठाकर अच्छा प्रदर्शन करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हां, वह थोड़ा फॉर्म में नहीं है। हम उसका समर्थन करते रहेंगे और उसे भरोसा देते रहेंगे। लोग काफी चीजें कहते हैं लेकिन हम उसके साथ हैं।'' अली का कैच छोड़ना टीम के लिये महंगा साबित हुआ, इसके अलावा वह गेंद से भी अच्छा नहीं कर सके और अपने चार ओवरों में उन्होंने 44 रन लुटाये। लेकिन बाबर ने कहा, ''बतौर खिलाड़ी आपको आत्मविश्वास की जरूरत होती है, हमने हसन अली का समर्थन किया है। प्रबंधन के अलावा मैंने उसका पूरा समर्थन किया है। एक दिन अच्छा करना या नहीं करना, आपके हाथ में नहीं है, अहम चीज प्रयास करना है और उसने अपना प्रयास किया। दुर्भाग्य से प्रदर्शन नहीं हो सका लेकिन कोई बात नहीं, वह आगे अच्छा करेगा।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम अगले साल विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड का दौरा करेगी

वेलिंगटन (एजेंसी) । भारतीय महिला क्रिकेट टीम 2022 में होने वाले विश्व कप की तैयारियों के अंतर्गत न्यूजीलैंड में अगले साल पांच वनडे और एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। छह मैचों की श्रृंखला नौ फरवरी को एकमात्र टी20 मैच के साथ शुरू होगी और 24 फरवरी को समाप्त होगी। विश्व कप न्यूजीलैंड में मार्च-अप्रैल में कराया जायेगा जिसे कोविड-19 महामारी के कारण एक साल के लिये स्थगित कर दिया गया था। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने शुक्रवार को घोषणा की, '' 'वाइट फर्न्स' (न्यूजीलैंड महिला टीम) आगामी विश्व कप (न्यूजीलैंड 22 साल में पहली बार इसकी मेजबानी कर रहा है) की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिये भारत से छह मैचों की श्रृंखला खेलेगी जिसमें एक टी20 मैच और पांच वनडे शामिल होंगे।'' भारत का अंतिम अंतरराष्ट्रीय दौरा इस साल सितंबर-अक्टूबर में आस्ट्रेलिया का रहा था जिसमें एक गुलाबी गेंद का टेस्ट भी शामिल था। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुख्य कार्यकारी डेविड वाइट ने एक बयान में कहा, ''भारतीय टीम के खिलाफ श्रृंखला 'वाइट फर्न्स' की विश्व कप तैयारियों का अहम हिस्सा है।'' कार्यक्रम इस प्रकार हैः नौ फरवरीः पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच, नेपियर 11 फरवरीः पहला वनडे, नेपियर 14 फरवरीः दूसरा वनडे, नेल्सन 16 फरवरीः तीसरा वनडे, नेल्सन 22 फरवरीः चौथा वनडे, क्वींसटाउन 24 फरवरीः पांचवां वनडे, क्वींसटाउन ।

एंडी मरे को हराकर टॉमी पॉल स्टाकहोम ओपन के सेमीफाइनल में

स्टाकहोम (एजेंसी) । टॉमी पॉल ने पूर्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी एंडी मरे के वापसी के प्रयास को विफल करते हुए 6-2 3-6 6-3 से जीत दर्ज कर स्टाकहोम ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। दो बार के विम्बलडन चौम्पियन मरे की डबल फाल्ट की गलती से पॉल निर्णायक सेट में बढ़त बनाकर जीत हासिल करने में सफल रहे। पॉल का सामना अब अमेरिका के फ्रांसेस टियाफो से होगा जो डैन इवान्स को 1-6, 6-1, 6-1 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे। इससे पहले फेलिक्स ऑगर एलियासिमे ने बोटिक डि जांडशुल्प पर 6-4 6-3 की जीत से सत्र के पांचवें सेमीफाइनल में जगह सुनिश्चित की थी जिसमें उनका सामना गत चौम्पियन डेनिस शापोवालोस से होगा जिन्होंने आर्थर रिंडर्कनेक को 4-6, 6-3, 7-5 से हराया था।

डब्ल्यूटीए फाइनल्सः पौला बाडोसा ने शीर्ष वरीय सबालेंका को हराकर उलटफेर किया

गुआडालाजारा (मेक्सिको) (एजेंसी) । पौला बाडोसा ने डब्ल्यूटीए फाइनल्स में अपने शुरूआती मैच में धीमी शुरूआत के बाद लगातार 10 गेम जीतकर शीर्ष वरीय टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका को 6-4, 6-0 से हराकर उलटफेर किया। दुनिया की दूसरी रैंकिंग की खिलाड़ी सबालेंका मैच के शुरू में दबदबा बनाने के बाद 4-2 से बढ़त बनाये थीं। लेकिन इस सत्र में अबुधाबी और मैड्रिड में खिताब जीतने वाली सबालेंका को हार का सामना करना पड़ा। दुनिया की शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी एश बार्टी ने कोविड-19 यात्रा और पृथकवास संबंधित पांबदियों के चलते टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव नहीं करने का फैसला किया। स्पेन की बाडोसा अब अगले मैच में मारिया सकारी से भिड़ेंगी जिन्होंने अपनी मजबूत सर्विस का फायदा उठाकर पूर्व फ्रेंच ओपन चौम्पियन इगा स्वियातेक पर 6-2 6-4 से जीत दर्ज की। पिछले साल कोविड-19 महामारी के कारण डब्ल्यूटीए फाइनल्स को रद्द कर दिया गया था। इसमें राउंड रोबिन ग्रुप चरण के बाद सेमीफाइनल खेले जायेंगे।

मैंने सोचा पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल टीम का प्रतिनिधित्व करने का अंतिम मौका होगाः वेड

दुबई (एजेंसी)। विकेटकीपर बल्लेबाज मैथ्यू वेड ने सोचा था कि पाकिस्तान के खिलाफ टी20 विश्व कप सेमीफाइनल आस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व करने के लिये संभवतः उनका अंतिम मौका होगा, पर वह 41 रन की नाबाद पारी खेलकर अपनी टीम को फाइनल में पहुंचाने में सफल रहे। 'प्लेयर ऑफ द मैच' वेड ने गुरूवार को पाकिस्तान के खिलाफ 17 गेंद में यह पारी खेली और आस्ट्रेलिया को पांच विकेट की जीत दिलाने में अहम भूमिका निभायी। वेड ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''मैं मैच से पहले थोड़ा नर्वस था और जानता था कि आस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व करने का यह अंतिम मौका हो सकता था।'' उन्होंने कहा, ''मैं सिर्फ अच्छा करना चाहता था और वास्तव में इस मैच में जीत दर्ज करना चाहता था ताकि हमें टूर्नामेंट जीतने का मौका मिल जाये।'' वेड ने कहा, ''फाइनल भी मेरा शायद अंतिम मैच हो सकता है। जैसा कि बीते समय में मैंने कहा है कि मैं इससे सहज हूं।'' आस्ट्रेलिया को जीत के लिये 30 गेंद में 62 रन चाहिए थे। वेड ने शाहीन शाह अफरीदी पर 19वें ओवर में लगातार तीन छक्के जड़कर टीम को जीत दिलायी। यह पूछने पर कि क्या वह अफरीदी को निशाना बना रहे थे जिन्हें टी20 का बेहतरीन गेंदबाज माना जाता है तो वेड ने कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो हमने उसे निशाना नहीं बनाया था। मार्कस स्टोइनिस ने शानदार पारी खेली जिससे हमने सोचना शुरू कर दिया कि अंत में इस लक्ष्य को हासिल कर लेंगे।'' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि वह (स्टोइनिस) जिस तरह से खेला, उससे मैं अपनी इच्छानुसार खेलने के लिये सहज हो गया। हम किसी गेंदबाज को निशाना बनाने के बारे में सोच कर मैदान पर नहीं उतरते है। वह (अफरीदी) शानदार गेंदबाज हैं और शायद आज मैं भाग्यशाली रहा।'' वेड का अंतरराष्ट्रीय करियर 2017-18 एशेज से पहले उन्हें टीम से बाहर किये जाने के बाद ही समाप्त हुआ दिख रहा था। इस 33 साल के खिलाड़ी ने तीन साल में एक भी अंतरराष्ट्रीय टी20 मैच नहीं खेला था।

वेड ने अली के कैच छोड़ने को मैच का 'टर्निंग प्वाइंट' करार करने से इनकार किया

दुबई (एजेंसी) । हसन अली ने मैथ्यू वेड का कैच छोड़ दिया था जिसे पाकिस्तान के खिलाफ टी20 विश्व कप सेमीफाइनल का नतीजा आस्ट्रेलिया के पक्ष में करने के लिये अहम माना जा रहा है लेकिन इससे फायदा उठाने वाले खिलाड़ी ने इससे इनकार किया और कहा कि अगर यह कैच लपक भी लिया गया होता तो भी उनकी टीम जीत जाती। आस्ट्रेलिया ने दूसरे रोमांचक सेमीफाइनल में पाकिस्तान पर पांच विकेट से जीत दर्ज की जिसमें आरोन फिंच की टीम ने 177 रन के लक्ष्य को हासिल कर लिया। सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर (30 गेंद में 49 रन) के अलावा वेड 17 गेंद में 41 रन बनाकर आस्ट्रेलिया के नायक रहे जिन्होंने अली द्वारा कैच छोड़े जाने के बाद 19वें ओवर में लगातार तीन छक्के जड़े। वेड ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''यह कहना मुश्किल होगा। मुझे नहीं लगता कि कैच छोड़ना टर्निंग प्वाइंट था। मुझे लगता है हमें उस समय 12 या 14 रन की जरूरत थी। मुझे लगता है कि मैच उस समय हमारे पक्ष में होना शुरू हो गया था।'' उन्होंने कहा, ''अगर मैं तब आउट हो जाता तो निश्चित रूप से हमें नहीं पता कि क्या होता, लेकिन मुझे पूरा भरोसा था कि पैट (कमिंस) क्रीज पर उतरकर मार्कस स्टोइनिस के साथ टीम को जीत तक पहुंचा देते।'' वेड ने कहा, ''मैं यह नहीं कहूंगा कि इस कारण (कैच छोड़े जाने के) हमने मैच जीत लिया था।'' जबकि पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम ने मैच के बाद इस हार के लिये पूरी तरह से अली की चूक को जिम्मेदार ठहराया था। बाबर ने कहा था, ''टर्निंग प्वाइंट, वो कैच छूटना था। अगर हमने वो कैच ले लिया होता तो चीजें अलग हुई होतीं।'' तैंतीस वर्षीय वेड इससे इत्तेफाक नहीं रखते और उन्होंने कहा कि गुरूवार की रात वह अपने अनुभव के बूते ही दबाव से निपट सके।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार पारी खेलने से पहले आईसीयू में भर्ती थे रिजवान

दुबई (एजेंसी) । पाकिस्तान का सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान गुरुवार को आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप के दूसरे सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए मैच में हीरो रहे। उन्होंने 52 गेंदों पर 67 रनों की शानदार पारी खेली। हालांकि, इतनी कोशिश भी काम न आई और पाकिस्तान को कंगारूओं के हाथों 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। कई लोगों को पता नहीं था कि टूर्नामेंट के शानदार फॉर्म में रहे रिजवान 9 नवंबर को सीने में संक्रमण के कारण आईसीयू में दो दिन तक भर्ती थे। इसके बावजूद, टीम के लिए वह जल्द ठीक हो गए और टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफदूसरा सेमीफाइनल मैच में बेहतरीन प्रदर्शन किया। रिजवान के बारे में पूछे जाने पर पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने कहा, सलामी बल्लेबाज ने जिस तरह से खेल दिखाया है, उससे पता चलता है कि वह एक टीम मैन है। उन्होंने बताया, सही मायने में वह एक शानदार खिलाड़ी हैं। उन्होंने पूरे वर्ल्ड के दौरान असाधारण प्रदर्शन किया। जब मैंने उसे देखा, तो ठीक नहीं लग रहे थे। लेकिन, जब मैंने उनसे स्वास्थ्य के बारे में पूछा तो उसने कहा कि मैं ठीक हूं और खेलूंगा।

इसके बाद जिस तरह उन्होंने प्रदर्शन किया, उसे लगता है कि वह एक टीम मैन है। इस बारे में कप्तान बाबर ने टीम के डॉक्टर नजीब सोमरू से रिजवान की स्थिति के बारे में बताने को कहा। सोमरू के मुताबकि, रिजवान को 9 नवंबर को सीने में संक्रमण हो गया था, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां वह दो रातें आईसीयू में भर्ती थे। इसके बाद, उन्होंने अविश्वसनीय रूप से रिकवरी की और मैच से पहले खेलने के लिए फिट हो गए। यह उनके महान दृढ़ संकल्प और देश के लिए प्रदर्शन करने की भावना को दशार्ता है। फिर हम देख सकते हैं कि उन्होंने कैसा प्रदर्शन किया। सोमरू ने कहा कि टीम प्रबंधन ने रिजवान के स्वास्थ्य की सूचना को गुप्त रखा, जिससे टीम का मनोबल न गिरे, क्योंकि टूर्नामेंट में टीम शानदार प्रदर्शन करते हुए सभी मैच जीत रही थी। उनके स्वास्थ्य को लेकर सोमरू ने आगे जानकारी दी कि उनके स्वास्थ्य को गुप्त रखने का निर्णय पूरी टीम प्रबंधन द्वारा लिया गया था और यह टीम के मनोबल को हाई रखने के लिए किया गया था। गौरतलब है कि पाकिस्तान का सलाती बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान टूर्नामेंट के छह मैचों में 281 रन बनाए, जिसमें उन्होंने तीन अर्धशतक लगाए। इस मेगा इवेंट में उनका सर्वश्रेष्ठ 79 की नाबाद रहा जो उन्होंने भारत के खिलाफ बनाए थे।

रहाणे न्यूजीलैंड-भारत पहले टेस्ट की अगुवाई करेंगे, कोहली दूसरे मैच में करेंगे वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी) । न्यूजीलैंड के खिलाफ कानपुर में खेले जा रहे पहले टेस्ट में टीम इंडिया की कप्तानी उपकप्तान अजिंक्य रहाणे कर सकते हैं। कोहली को पहले ही टी20आई श्रृंखला में आराम दिया गया है और वह मुंबई में दूसरे टेस्ट के लिए वापसी करेंगे। टीओआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, रहाणे को कमान में रखने का निर्णय गुरुवार को चयनकर्ताओं ने अपने खिलाड़ियों के कार्यभार के प्रबंधन पर चर्चा के बाद लिया। रिपोर्ट में कहा गया है, चयनकर्ताओं ने कानपुर टेस्ट के लिए रोहित को कप्तानी सौंपने और फिर दूसरे मैच के लिए आराम देने पर विचार किया। इसलिए रहाणे टीम का नेतृत्व करेंगे। कहा गया है, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और शार्दूल ठाकुर की तेज तिकड़ी विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत के साथ टेस्ट सीरीज से बाहर हो सकती है।

बीसीसीआई ने हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20आई घरेलू श्रृंखला के लिए रोहित शर्मा की अगुवाई में 16 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा की थी।

टेस्ट टीम की घोषणा शुक्रवार को हो सकती है। त्वेसा अरामको

टीम सीरीज के व्यक्तिगत तालिका में संयुक्त 17वें स्थान पर किंग अब्दुल्ला इकोनामिक सिटी (सऊदी अरब), 12 नवंबर (वेब वार्ता)। भारतीय गोल्फर त्वेसा मलिक ने दूसरे दौर में पांच अंडर 67 का शानदार कार्ड खेला जिससे वह अरामको टीम सीरीज की व्यक्तिगत तालिका में संयुक्त 17वें स्थान पर पहुंच गयी। त्वेसा ने दूसरे दौर में बिना बोगी किये पांच बर्डी लगायी। पहले दौर में शानदार प्रदर्शन करने वाले दीक्षा डागर हालांकि दूसरे दौर में लय बरकरार नहीं रख पायी। उन्होंने एक ओवर 73 का कार्ड खेला और व्यक्तिगत तालिका में संयुक्त रूप से 33वें स्थान पर फिसल गयी। दिग्गज जॉर्जिया हॉल की अगुवाई वाली दीक्षा की टीम ने हालांकि कुल 15 अंडर का स्कोर किया। यह टीम दो दिनों के खेल के बाद 34 अंडर के स्कोर के साथ टीम तालिका में तीसरे स्थान पर है। त्वेसा की अगुवाई वाली टीम मलिक ने दूसरे दौर में 14 अंडर का स्कोर किया और दो दौर के बाद इस टीम का कुल स्कोर 21 अंडर का है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय टेस्ट टीम की घोषणा, रोहित, ऋषभ और बुमराह को दिया गया आराम

मुंबई (एजेंसी) । 25 नवंबर से न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज को लेकर शुक्रवार को भारतीय टीम की घोषणा कर दी गई है। टीम में शीर्ष क्रम के बल्लेबाज रोहित शर्मा, विकेटकीपर ऋषभ पंत, तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह को आराम दिया गया हैं। इस बारे में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई)ने जानकारी दी है। बीसीसीआई की अखिल भारतीय वरिष्ठ चयन समिति ने दो टेस्ट मैचों के लिए टीम की घोषणा करते हुए इन खिलाड़ियों के बाहर होने का कारण नहीं बताया, हालांकि अंदेशा लगाया गया कि पिछले कुछ महीनों से लगातार खेल रहे क्रिकेट के कारण उन्हें आराम दिया गया। भारतीय कप्तान विराट कोहली भी पहेले टेस्ट मैच में शिरकत करते नजर नहीं आएंगे, लेकिन वह 3-7 दिसंबर से मुंबई में होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए वापसी करेंगे। अजिंक्य रहाणे कानपुर टेस्ट में भारत की कप्तानी का कमान संभालेंगे, जबकि चेतेश्वर पुजारा को उपकप्तान बनाया गया है। बीसीसीआई ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, भारतीय कप्तान विराट कोहली दूसरे टेस्ट के लिए टीम में शामिल होंगे और टीम का नेतृत्व करेंगे। भारत की टेस्ट टीमः अजिंक्य रहाणे (कप्तान), केएल राहुल, मयंक अग्रवाल, चेतेश्वर पुजारा (उपकप्तान), शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, केएस भारत (विकेटकीपर),रिद्धिमान साहा (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, आर अश्विन, अक्षर पटेल, जयंत यादव, इशांत शर्मा, उमेश यादव, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा।

गंभीर ने दो बार टप्पा खाने वाली गेंद पर वार्नर द्वारा छक्का लगाने को खेल भावना के खिलाफ बताया

नयी दिल्ली (एजेंसी) । भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने पाकिस्तान के खिलाफटी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जीत के दौरान मोहम्मद हफीज की दो बार टप्पा खाने वाली गेंद पर छक्का मारने को लेकर आस्ट्रेलिया के बल्लेबाज डेविड वार्नर की आलोचना करते हुए कहा कि यह 'खेल की भावना का बुरा प्रदर्शन' था।

लक्ष्य का पीछा करने के दौरान आठवें ओवर में हफीज की पहली गेंद उनके हाथ से फिसलकर दो बार टप्पा खाई, वार्नर ने कदमों का इस्तेमाल करते हुए गेंद तक पहुंचकर उसे डीप मिड-विकेट के ऊपर से दर्शकों के पास पहुंचा दिया।

अंपायर ने इस गेंद को 'नो बॉल' करार दिया जिससे आस्ट्रेलिया को दो और रन (अगली गेंद पर एक रन) मिले। उस छक्के की बदौलत आस्ट्रेलिया को ओवर में 13 रन मिले। टीम ने 177 रन के लक्ष्य को एक ओवर शेष रहते पांच विकेट से हासिल कर लिया। गंभीर ने भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को टैग करते हुए ट्विटर पर लिखा, ''वार्नर द्वारा खेल की भावना का काफी बुरा प्रदर्शन, शर्मनाक। अश्विन इस पर आप क्या कहना चाहते है?'' गंभीर के ट्वीट से लगा कि वह कहना चाहते है कि हफीज के हाथों से फिसल कर निकली गेंद को वार्नर को छोड़ देना चाहिये था। क्रिकेट में हालांकि ऐसा कोई भी नियम नहीं है जिसमें ऐसी गेंद को 'डेड' माना जाये। अश्विन को अतीत में इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान गेंदबाजी छोर पर जोस बटलर को रन आउट करने को खेल भावना के खिलाफ बताते हुई आलोचना झेलनी पड़ी है। गंभीर ट्वीट के जवाब में किसी ने लिखा, ''आपका नजरिया सही नहीं है।'' इस पर अश्विन ने टिप्पणी कि , ''उनका मानना है कि अगर वह सही था तो यह भी सही है। अगर वह गलत था तो यह भी गलत है। निष्पक्ष मूल्यांकन?'' भारत के इस अनुभवी स्पिनर ने वार्नर को टैग करते हुए लिखा, '' वार्नर ने अद्भुत शॉट खेला था। शानदार शॉट।'' वार्नर ने इस मैच में 30 गेंद में तीन चौके और इतने ही छक्के की मदद से 49 रन की पारी खेली। मैथ्यू वेड ने 19वें ओवर में लगातार तीन छक्के लगाकर टीम को पांच विकेट दिला दी।

आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड मार्च 2022 में खेलेंगे संक्षिप्त टी20 श्रृंखला

मेलबर्न (एजेंसी) । टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंचीं आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की टीमें छोटे प्रारूप में तस्मानियाई प्रतिद्वंद्विता को जारी रखते हुए वेलिंगटन में 17 मार्च से शुरू हो रही तीन मैचों की श्रृंखला में एक दूसरे से भिड़ेंगी। आस्ट्रेलियाई टीम के अपने टेस्ट खिलाड़ी जैसे डेविड वार्नर, स्टीव स्मिथ, पैट कमिंस और मिशेल स्टार्क के बिना जाने की उम्मीद है जो पाकिस्तान में तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेलेंगे। क्रिकेट आस्ट्रेलिया के प्रमुख निक हॉकले ने कहा कि यह दौरा कोविड-19 महामारी के कारण हुए नुकसान को देखते हुए न्यूजीलैंड क्रिकेट के सहयोग के लिये अहम होगा। हॉकले के 'क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू' को दिये गये बयान के अनुसार, ''न्यूजीलैंड के गर्मियों के कार्यक्रम पर महामारी का काफी बुरा असर पड़ा था और हमें खुशी है कि हम इस टी20 अंतरराष्ट्रीय दौरे से अपने करीबी पड़ोसी का सहयोग कर पायेंगे।

वेड और स्टोइनिस ने अद्भुत बल्लेबाजी कीः फिंच

दुबई (एजेंसी) । आस्ट्रेलिया के कप्तान आरोन फिंच ने मैथ्यू वेड और मार्कस स्टोइनिस की प्रशंसा करते हुए गुरुवार को यहां कहा कि इन दोनों ने 'अद्भुत पारियां' खेली क्योंकि शुरू में विकेट गंवाने के बाद एक समय उन्होंने टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंचने की उम्मीद छोड़ दी थी। पाकिस्तान ने आस्ट्रेलिया के सामने 177 रन का लक्ष्य रखा था। ऐसे में वेड ने शाहीन शाह अफरीदी पर लगातार तीन छक्के जड़कर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। उन्होंने नाबाद 41 रन बनाये और स्टोइनिस (नाबाद 40) के साथ छठे विकेट के लिये 81 रन की अटूट साझेदारी की। फिंच ने मैच के बाद कहा, ''एक समय मुझे लग रहा था कि मैच हमारे हाथ से निकल जाएगा। वेड ने जिस तरह से धैर्य बनाये रखा वह शानदार था। स्टोइनिस के साथ उनकी साझेदारी अद्भुत थी। यह महत्वपूर्ण साबित हुई।'' उन्होंने कहा, ''हम इसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद अपनी टीम से करते हैं, जहां सभी खिलाड़ी जीत में योगदान दें।'' फिंच ने हालांकि कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल से पहले क्षेत्ररक्षण में सुधार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''हमने कुछ आसान रन दिये और कैच भी छोड़े, हालांकि वे मुश्किल कैच थे।''

पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने भी कहा कि उनका क्षेत्ररक्षण स्तरीय रहा और महत्वपूर्ण मौकों पर कैच छोड़ना टीम को महंगा पड़ा। वेड को हसन अली ने जीवनदान दिया था जिसके बाद उन्होंने तीन छक्के जमाये। बाबर ने कहा, ''सब कुछ हमारी रणनीति के अनुसार चल रहा था। हमारा स्कोर भी अच्छा था लेकिन हमारी गेंदबाजी उतनी सटीक नहीं थी। अगर आप ऐसे मौकों पर कैच छोड़ेंगे तो मैच आपके हाथ से निकल जाएगा। यह मैच का टर्निंग प्वाइंट भी था।'' पाकिस्तानी कप्तान ने हालांकि पूरे टूर्नामेंट में अपनी टीम के प्रदर्शन की प्रशंसा की और उम्मीद जतायी कि खिलाड़ी आगे और बेहतर खेल दिखाएंगे। उन्होंने कहा, '' हमने जिस तरीके से पूरे टूर्नामेंट खेल दिखाया वह शानदार था। हम आने वाले दिनों में टीम से और बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं। प्रत्येक खिलाड़ी ने अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभायी।'' मैन ऑफ द मैच वेड ने कहा, ''दूसरे छोर पर स्टोइनिस ने दबाव हटाया। शाहीन मेरी उम्मीद से अधिक तेजी से गेंदबाजी कर रहा था। मुझे खुशी है कि मैं आखिर में टीम को लक्ष्य तक ले गया। मैं कुछ समय के लिये टीम से बाहर था और खुश हूं कि मुझे फिर से मौका मिला।''

विराट कोहली टी20 के बाद अब वनडे की भी कप्तानी छोड़ देंगे, पूर्व कोच शास्त्री ने बताई वजह

नई दिल्ली (एजेंसी) । भारतीय क्रिकेट टीम आइसीसी टी20 विश्व कप से बाहर होने के बाद अब नए सिरे से इस फार्मेट में तैयारी में जुटेगी। टीम को रोहित शर्मा के तौर पर नया कप्तान मिला है। विराट कोहली ने टूर्नामेंट शुरू होने से पहले इस टी20 की कप्तानी छोड़ने की घोषणा कर दी थी। अब पूर्व को रवि शास्त्री ने इस बात का इशारा किया है कि वह वनडे की कप्तानी भी जल्दी ही छोड़ सकते हैं। इंडिया टुडे से बात करते हुए पूर्व कोच ने कहा, विराट कोहली की कप्तानी में भारतीय टीम टेस्ट क्रिकेट में पिछले 5 सालों से नंबर एक टीम रही है।

अब जब तक कि वह इसे खुद छोड़ना ना चाहें या मानकिस तौर पर वह थकावट महसूस करें या फिर अपनी बल्लेबाजी पर और ज्यादा ध्यान देना चाहें तो ही ऐसा होने की संभावना है जो कि निकट भविष्य में तो होता नहीं दिखता मुझे तो नहीं लगता है हाल फिलहाल में ऐसा कुछ होने वाला है। टीम के आइसीसी इवेंट में जीत ना हासिल कर पाने की वजह से कोहली के छोटे फार्मेट की कप्तानी पर सवाल उठाए जा रहे थे। दिग्गज लगातार घरेलू क्रिकेट में कप्तानी में सफल साबित हो रहे रोहित शर्मा की टीम इंडिया का कप्तान बनाए जाने की बात कर रहे थे। यह बात लगभग तय हो चुकी थी कि जल्दी ही कोहली की आइसीसी टी20 विश्व कप के बाद उनकी कप्तानी जाने वाली है। यही चीज अब वनडे के साथ भी हो सकती है।

विकी कौशल बनेंगे 'गोविंदा', संग धमाल मचाएगी भूमि पेडनेकर और कियारा आडवाणी की जोड़ी

बॉलिवुड में हर रोज नई फिल्मों की घोषणा होती है। अब एक और फिल्म की घोषणा हो गई है जिसमें विकी कौशल के साथ कियारा आडवाणी और भूमि पेडनेकर नजर आने वाली हैं। फिल्म का नाम 'गोविंदा नाम मेरा' है जिसका डायरेक्शन शशांक खेतान करने जा रहे हैं। यह फिल्म एक फैमिली कॉमिडी ड्रामा फिल्म होगी और इसे करण जौहर प्रड्यूस करने जा रहे हैं। शशांक खेतान

इससे पहले करण जौहर के साथ 'हम्पटी शर्मा की दुलहनिया', 'बद्रीनाथ की दुलहनिया' और 'धड़क' जैसी फिल्में बना चुके हैं। करण जौहर ने फिल्म के 3 पोस्टर सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए फिल्म की घोषणा की है। फिल्म में विकी कौशल हीरो 'गोविंदा वाघमारे' की भूमिका में नजर आएंगे। भूमि इसमें वाघमारे की पत्नी की भूमिका में जबकि कियारा वाघमारे की गर्लफ्रेंड के किरदार में नजर आएंगी। देखें, करण जौहर की पोस्ट्सः बताया जा रहा है कि यह फ़िल्म 10 जून 2022 को रिलीज होगी। इसका मतलब है कि इसकी शूटिंग जल्द ही शुरू हो जाएगी। इस फिल्म के अलावा विकी कौशल सैम मानेकशॉ की बायॉपिक 'सैम बहादुर' में, भूमि पेडनेकर राजकुमार राव के साथ 'बधाई दो' और कियारा आडवाणी 'भूल भुलैया 2' और 'जुग जुग जियो' में नजर आने वाली हैं। **(एजेंसी)**

सलमान की बहुप्रतीक्षित फिल्म कुरुप शुक्रवार को सिनेमाघरों में दस्तक देगी

दुलकर सलमान अभिनीत बहुप्रतीक्षित मलयालम फिल्म कुरुप शुक्रवार को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। कुरुप का निर्देशन श्रीनाथ राजेंद्रन ने किया है और यह केरल के मोस्टवांटेड अपराधी सुकुमारा कुरुप की कहानी है, जो अपनी मौत की कहानी लिखकर बीमा के पैसे का गबन करने के लिए एक फिल्म प्रतिनिधि चाको की हत्या कर फरार है। पुलिस के अनुसार कुरुप एक जर्मन अपराध-उपन्यास से प्रभावित था और उसने बीमा क्लेम पाने के लिए अपनी मौत की पटकथा लिखने की कोशिश की थी। दावा 8,00,000 रुपये का था। फिल्म प्रतिनिधि चाको

देर रात बस का इंतजार कर रहे थे, कुरुप ने उन्हें अपनी कार में लिफ्ट देकर मार डाला। सुकुमार कुरुप कथित तौर पर विदेश भाग गया है, जबकि उसके दो सहयोगियों - ड्राइवर पोनप्पन और बहनोई भास्कर पिल्लई को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। सुकुमार कुरुप अभी भी जनवरी 1984 से फरार होने की सूची में है और चाको हत्याकांड राज्य के न्यायिक इतिहास में सबसे लंबे समय तक चलने वाले मामलों में से एक है। फिल्म 28 मई, 2021 को ही सिनेमाघरों में पहुंचने वाली थी, लेकिन कोविड महामारी के कारण देरी हुई। 35 करोड़ रुपये के बजट पर बनी इस फिल्म को दुनियाभर में रिलीज किया जा रहा है और निर्माताओं के मुताबिक, फिल्म यूएस, यूके और कनाडा के साथ-साथ खाड़ी देशों और सिंगापुर में रिलीज होगी। यह फिल्म एम-स्टार एंटरटेनमेंट्स के साथ दलकर सलमान की वेफरर फिल्म्स द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित है। फिल्म की शूटिंग केरल, मुंबई, दुबई, मंगलुरु, मैसूर, गुजरात और अहमदाबाद में हुई है। दलकर सलमान के अलावा, कलाकारों में इंद्रजीत सुकुमारन, सनी वेन, शाइन टॉम चाको, शोभिता धूलिपाला और भरत श्रीनिवासन प्रमुख भूमिकाओं में हैं। **(एजेंसी)**

अनसूया भारद्वाज का पोस्टर फैंस को खुश करने में नाकाम

सुकुमार द्वारा निर्देशित, अल्लू अर्जुन की अखिल भारतीय फिल्म पुष्पाः द राइज हाल के दिनों में बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। देहाती, ग्रामीण पृष्ठभूमि के साथ, निर्मातोओं को फिल्म को लेकर जमकर तारीफमिली है। निर्माताओं ने बुधवार को अभिनेत्री अनसूया भारद्वाज के फर्स्ट लुक पोस्टर का अनावरण किया, जो प्रशंसकों के बीच खलबली मचाने में नाकामयाब रही। जहां

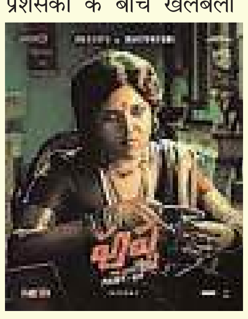

अनसूया का अनजाना लुक वायरल हो रहा है, वहीं ऐसा लग रहा है कि फिल्म के ज्यादातर फैंस इस लुक से खुश नहीं हैं। अनसूया भारद्वाज के फर्स्ट लुक पोस्टर में उन्हें अलग अवतार में दिखाया गया है। पोस्टर में अनसूया को काफी सोने के गहने पहने देखा जा सकता है। साथ ही पान खाती दिखाई देती है और हाथ में सरौता (सुपारी काटने का एक यंत्र) पकड़ी हुई हैं। पुष्पा की कहानी आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले के सुदूर इलाकों की वास्तविक जीवन की घटनाओं पर आधारित है। कहानी क्षेत्र के शेषचलम पहाड़ियों में लाल चंदन तस्करों के इर्द-गिर्द घूमती है। सुकुमार द्वारा निर्देशित, फिल्म में अल्लू अर्जुन पुष्पा राज नामक एक चंदन तस्कर की भूमिका निभाते हुए दिखाई देंगे, जिसे रश्मिका मंदाना के साथ देखा जाएगा। पुष्पा एक दो-भाग वाली फिल्म है और इसे मुत्तमसेट्टी मीडिया के सहयोग से मैथरी मूवी मेकर्स द्वारा बनाया गया है। **(एजेंसी)**

राजामौली और टीम आरआरआर तीसरा गाना रिलीज करने के लिए तैयार

जूनियर एनटीआर और राम चरण अभिनीत फिल्म आरआरआर सभी का ध्यान खींचने में कामयाब रही है। निर्देशक एस.एस. राजामौली और उनकी टीम, जो जनवरी में फिल्म रिलीज करने की योजना बना रहे हैं, उन्होंने प्रमोशन शुरू कर दिया है। नातू नातू/नाचो नाचो की रिलीज ने सभी का ध्यान खींचा है। जूनियर एनटीआर और राम चरण के साथ एम.एम. कीरवानी की

क्रियात्मक रचना, यह गाना हाल के दिनों में सबसे अधिक पसंद किए जाने वाले गानों में से एक बन गया है। अब जब निर्माता फिल्म का तीसरा गाना रिलीज करने की योजना बना रहे हैं, निर्माताओं ने 18 नवंबर को तीसरे गाना का अनावरण करने का फैसला किया है। आरआरआर को डी.वी.वी. दानय्या, जिसे स्वतंत्रता सेनानियों अल्लूरी सीताराम राजू और कोमाराम भीम के जीवन पर आधारित एक काल्पनिक कहानी के रूप में जाना जाता है, जहां रंगस्थलम फेम राम चरण सीताराम राजू की भूमिका में हैं, वहीं जूनियर एनटीआर कोमाराम भीम के रूप में नजर आएंगे। इस आगामी अखिल भारतीय फिल्म में अभिनेता आलिया भट्ट, एलिसन डूडी, अजय देवगन, ओलिविया मॉरिसन, रे स्टीवेन्सन, श्रिया सरन और समुथिरकानी मुख्य भूमिका निभाएंगे। आरआरआर 7 जनवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। **(एजेंसी)**

मल्टी लैंगुएज फ़िल्म 'जिबूती' का धमाकेदार ट्रेलर लांच

ओपन सर्च.ब्यूरो

मुम्बई। निर्माता जोबी पी सैम, निर्देशक एसजे सीनू की एक्शन थ्रिलर म्यूज़िकल फ़िल्म हिंदी, मलयालम, तमिल, तेलगु, कन्नड़ और फ्रेंच में रिलीज़ होगी बॉलीवुड की मशहूर संगीतकार जोड़ी सलीम-सुलेमान के सलीम मर्चेंट और गेस्ट ऑफ ऑनर योगेश लखानी ब्राइट आउटडोर मीडिया प्राइवेट लिमिटेड ने मल्टी लैंगुएज फ़िल्म ÷जिबूती÷ का धमाकेदार ट्रेलर मुम्बई के सिनेपोलिस सिनेमा में लांच किया तो यहां निर्माता जोबी पी सैम, निर्देशक एसजे सीनू सहित फ़िल्म की पूरी कास्ट मौजूद थी। इस अवसर पर मीडिया की भारी संख्या भी उपस्थित थी।

ब्लू हिल नाइल कम्युनिकेशन के बैनर तले बनी फ़िल्म में अमित चकलकल , शगुन जयसवाल, रोहित मग्गू, जैकब ग्रेगरी, दिलेश पोथन जैसे कलाकार हैं। संगीतकार दीपक देव हैं और यह फ़िल्म हिंदी, मलयालम, तमिल, तेलगु, कन्नड़ और फ्रेंच में 10 दिसंबर को रिलीज़ होगी। यह एक इंटरनेशनल मूवी है। 'जिबुटी' Djibouti फ़िल्म का ट्रेलर काफी पसंद किया जा रहा है। फ़िल्म में रोमांस, एक्शन, ड्रामा, म्यूज़िक और इमोशंस सब कुछ हैं। फ़िल्म से जुड़ी पूरी टीम के लिए यह सिनेमा एक बड़ा प्रोजेक्ट है, जिसको लेकर सभी काफी उत्साहित हैं। यह फ़िल्म दो देशों के बीच लव स्टोरी पर बेस्ड है। जिबुटी एक बहुत छोटा सा देश है, और फ़िल्म की हिरोइन शगुन इस सिनेमा में उस देश की रहने वाली एक लड़की का रोल प्ले कर रही हैं, जो साउथ इंडिया आती हैं और फिर आता है कहानी में तूफानी मोड़। यह एक लव स्टोरी है मगर इसमे एक्शन, ड्रामा, थ्रिलर, मानव तस्करी सब कुछ है यह एक एंटरटेनिंग सिनेमा का कम्प्लीट पैकेज है। फ़िल्म के निर्माता जोबी पी सैम ने ट्रेलर लॉन्च पर कहा कि यह फ़िल्म बहुत मेहनत से बनी है। इस फ़िल्म की शूटिंग कोरोना काल के दौरान हुई थी।

काफी मुश्किलें भी आई मगर भगवान का शुक्र है कि फ़िल्म हमने इतने मुसीबत भरे लम्हों में भी कम्प्लीट किया। जिबुटी का 40 दिन का शेड्यूल था।, मगर कोरोना की वजह से कई दिक्कत हुई। जिबुटी से वापस इंडिया आना भी बहुत मुश्किल रहा। जिबूती एक इंटरनेशनल सिनेमा है। फिल्मी स्टोरी की तरह शूट के दौरान भी काफी कुछ हो गया, मगर अंत भला तो सब भला। डायरेक्टर एस जे सीनू ने बताया कि मैं बहुत उत्साहित हूं। आज हमारे लिए बहुत खास दिन है। यह मेरी पहली फ़िल्म है, जो मेरे दिल के करीब है। इसमे रोमांस, एक्शन ड्रामा म्यूज़िक विजुअल ट्रीट सभी कुछ है। प्रोड्यूसर जोबी पी सैम का बहुत शुक्रिया। फ़िल्म के हीरो अमित चकलकल ने कहा कि मेरे लिए यह लम्हा सपने सच होने जैसा है। मैंने अबतक 17 फिल्मे की हैं। मैं मेकेनिकल इंजीनियरिंग कर रहा था लेकिन मुझे फिल्मों का शौक था। कई फिल्मों में मैंने बहुत छोटे छोटे किरदार अदा किए हैं। कैरेक्टर रोल करते करते जिबूती मेरी चौथी लीड रोल वाली फिल्म है। यह रियल लाइफ स्टोरी से इंस्पायर्ड है और इंटरनेशनल सिनेमा है। शगुन बड़ी अच्छी को क्ट्रेस हैं। मैं इसमे केरला के एक युवा का रोल कर रहा हू। जिबुटी सरकार ने बहुत मदद की है। मैं मुम्बई में स्टार्स को बॉडीगार्ड के साथ देखता था और आज मेरे साथ बॉडीगार्ड हैं। पंजाबी फिल्म यारां द कैचअप से चर्चा में आई क्ट्रेस शगुन ;जयसवाल ने कहा कि मैं बहुत ही नर्वस हूं। मेरी पहली इंटरनेशनल फ़िल्म है। मेरे लिए यह फ़िल्म और किरदार काफी चैलेंजिंग रहा लेकिन टीम सपोर्टिव रही। फ़िल्म के मुख्य विलेन रोहित मग्गू की यह पहली फ़िल्म है वह एक मॉडल हैं, मगर फ़िल्म में गजब अदाकारी की है। सभी ने यहां योगेश लखानी और सलीम मर्चेंट का शुक्रिया अदा किया। चीफ गेस्ट सलीम मर्चेंट ने कहा कि फ़िल्म का ट्रेलर बहुत ही अच्छा लगा। आउट एंड आउट एंटरटेनर है। पूरी टीम को माई बेस्ट विशेज़। कमाल का वर्ल्ड सिनेमा है, यह पूरी दुनिया के लिए फ़िल्म बनी है।

नुसरत जहां

ने निखिल जैन संग शादी पर दी सफाई, बोलीं- उन्होंने नहीं दिए शादी और होटल के बिल

बांग्ला फिल्मों की मशहूर ऐक्ट्रेस और पॉलिटिशन नुसरत जहां पिछले काफी समय से लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। सांसद बनने के बाद बिजनसमैन निखिल जैन से शादी फिर उनका अलग होना, इसके बाद ऐक्टर यशदास गुप्ता के साथ रिलेशनशिप और मां बनने के कारण नुसरत सुर्खयों में बनी रही हैं। नुसरत जहां और निखिल जैन की तुर्की में 2019 में हुई शादी काफी विवादों में रही थी और इस पर अब ऐक्ट्रेस

ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए कहा है कि उन्हें गलत तरीके से पेश किया गया। नुसरत ने कहा है कि निखिल जैन के साथ उनकी शादी भारतीय कानून के हिसाब से वैध नहीं है और इसे केवल लिव-इन रिलेशनशिप जैसा माना जा सकता है। इंडिया टुडे से इस बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'उन्होंने मेरी शादी, होटलों के बिल नहीं दिए थे। मेरे पास उनसे कहने के लिए कुछ नहीं है। मैं ईमानदार हूं और मुझे गलत तरीके से दिखाया गया, और अब मैंने इस पर सफाई दी है।' बगैर किसी का नाम लिए नुसरत ने कहा कि किसी दूसरे पर दोषारोपण करना आसान है और उन्होंने कभी किसी को गलत तरीके से पेश नहीं किया। बता दें कि नुसरत ने इससे पहले कहा था कि निखिल से उनकी शादी भारत में मान्य नहीं होगी क्योंकि वह स्पेशल मैरिज ऐक्ट में रजिस्टर नहीं हुई थी। उन्होंने निखिल पर अपने पैसे का गलत इस्तेमाल करने के आरोप भी लगाए थे। निखिल ने सभी आरोप खारिज करते हुए नुसरत और उनके परिवार भी काफी आरोप लगाए थे। **(एजेंसी)**

'आर्या 2' से सुष्मिता सेन का खतरनाक लुक रिलीज, टीजर शेयर कर बोलीं ऐक्ट्रेस- शेरनी इज बैक

आखिरकार जिस पल का इंतजार था, वह आ ही गया। सुष्मिता सेन की मच अवेटेड वेब सीरीज 'आर्या' का दूसरा सीजन जल्द वापसी कर रहा है। इस सीरीज में सुष्मिता सेन आर्या का लीड रोल प्ले कर रही हैं। पहले पार्ट में सुष्मिता की ऐक्टिंग को बेहद पसंद किया गया था। फैन्स बेसब्री से दूसरे पार्ट के इंतजार में थे। सुष्मिता सेन ने 'आर्या 2' से अपना फर्स्ट लुक रिलीज किया है। इसमें वह होली के रंगों में रंगीं, लेकिन बेहद इंटेंस और खतरनाक लुक में नजर आ रही हैं। 'आर्या 2' का टीजर शेयर करते हुए सुष्मिता सेन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा है, 'फर्स्ट लुक। शेरनी इज बैक। इस बार एकदम घातक और खतरनाक। क्या

आप सब तैयार हैं?' सुष्मिता सेन के इस लुक को देख फैन्स भी क्रेजी हो गए हैं और तारीफें करते नहीं थक रहे हैं। 'आर्या' में दिखाया गया था कि सुष्मिता का किरदार एक क्राइम फैमिली से है। हालांकि वह अपने पति और बच्चों को जुर्म की इस दुनिया से बाहर निकालने की कोशिश करती है। पर पति की हत्या होने के बाद सुष्मिता का किरदार अपने बच्चों के साथ भाग जाता है। लेकिन परिस्थितियां ऐसी हो जाती हैं कि सुष्मिता पति का बदला लेने के लिए वापस लौटने का फैसला करती हैं। इसी कहानी को 'आर्या 2' में दिखाया जाएगा। यह वेब सीरीज जल्द ही डिज्नी हॉट स्टार प्लस पर टेलिकास्ट की जाएगी। 'आर्या' में चंद्रचूण सिंह, सिकंदर खेर, नमित दास, सुगंधा गर्ग और विश्वजीत प्रधान के अलावा कई स्टार्स नजर आए थे। **(एजेंसी)**

रणवीर के शो में बच्चों के लिए 'बच्चा' बने सलमान, पीठ पर बिठाकर घुमाया और डांस किया

सलमान खान जब रणवीर सिंह के शो 'द बिग पिक्चर' में पहुंचे तो जबरदस्त धमाल देखने को मिला। सलमान, आयुष शर्मा के साथ शो में अपनी फिल्म 'अंतिमः द फाइनल ट्रुथ' को प्रमोट करने पहुंचे थे। इस दौरान सलमान ने 'डांस दीवाने 3' के कंटेस्टेंट्स के साथ खूब मस्ती की। मेकर्स ने 'द बिग पिक्चर' के इस वीकेंड आने वाले एपिसोड का प्रोमो रिलीज किया है, जिसमें सलमान 'घोड़ा' बनकर बच्चों को

पीठ पर घुमाते नजर आ रहे हैं। सलमान ने बच्चों के साथ खूब मस्ती की और उनके साथ डांस भी किया। बता दें कि रणवीर हाल ही सलमान के शो 'बिग बॉस 15' में भी पहुंचे थे और दोनों ने साथ में खूब मस्ती की थी। 'द बिग पिक्चर' में एक नन्ही फैन ने सलमान के 'हुड़ हुड़ दबंग' और 'प्रेम रतन धन पायो' पर ऐसी कमर मटकाई कि सलमान भी हंस पड़े और फिर उसके साथ जमकर डांस किया। सलमान इस नन्ही फैन के डांस और एक्सप्रेशन्स से काफी इम्प्रैस दिखे। बता दें कि 14 नवंबर को चिल्ड्रेंस डे है और इस एपिसोड को उसी मौके पर टेलिकास्ट किया जाएगा। फिल्म 'अंतिमः द फाइनल ट्रुथ' की तो यह 26 नवंबर को रिलीज होगी। फिल्म के जरिए टीवी ऐक्ट्रेस महिमा मकवाना बॉलिवुड डेब्यू कर रही हैं। 'अंतिम' में निकितन धीर, महेश मांजरेकर और सचिन खेडेकर भी नजर आएंगे। इस फिल्म को महेश मांजरेकर ने डायरेक्ट किया है। **(एजेंसी)**

इल्लीगल 2 में होगी नेहा शर्मा, पीयूष मिश्रा की भिड़ंत

वेब सीरीज इल्लीगल के सीजन 2 का टीजर जारी हो गया है। इसमें नेहा शर्मा और पीयूष मिश्रा को निहारिका सिंह और जनार्दन जेटली के रूप में अपनी भूमिकाओं को निभाते हुए दिखाया गया है। नेहा और पीयूष ने अपनी भूमिकाओं के बारे में खुलकर बात की और बताया

कि शो में अपने किरदारों को वापस लाना कैसा लगता है। यह शो नेहा के बारे में है, जो एक वकील की भूमिका निभा रही है और पीयूष द्वारा चित्रित पूर्व बॉस के साथ उसकी लगातार लड़ाई को दिखाएगा। नेहा शर्मा ने कहा, मैंने हमेशा स्क्रीन पर निहारिका सिंह की यात्रा को बताने में गर्व महसूस किया है, क्योंकि वह नए जमाने की महिला की सही परिभाषा है, जो अन्याय के खिलाफ खड़े होने से नहीं डरती है। गलत कामों के खिलाफ खड़े होने की उनकी अथक खोज के रूप में वह अपने पूर्व संरक्षक से जूझते हुए व्यक्तिगत और व्यावसायिक संघर्षों के बीच संघर्ष करती है। इल्लीगल के दूसरे सीजन में वकील निहारिका सिंह को नए मामलों को सुलझाने और पीयूष मिश्रा द्वारा निभाए गये अपने पूर्व बॉस और संरक्षक जनार्दन जेटली के साथ चल रही झड़पों को दिखाया जाएगा। यह अश्विनी चौधरी द्वारा निर्देशित है और इसमें नेहा शर्मा, पीयूष मिश्रा, अक्षय ओबेरॉय, सत्यदीप मिश्रा, पारुल गुलाटी, अचिंत कौर और तनुज विरवानी हैं। पीयूष मिश्रा ने शो और नेहा के किरदार के बारे में बताया, हम एक नए सीजन के साथ लौटने के लिए उत्साहित हैं, क्योंकि मेरे और नेहा के किरदार के बीच भिड़ंत इस बार कानून, शक्ति और न्याय के खेल को जारी रखते हुए नई ऊंचाइयों को छू रहा है। कहानी घटनाओं के नाटकीय मोड़ का खुलासा करेगी। **(एजेंसी)**

नानी की श्याम सिंघा रॉय का टीजर 18 नवंबर को होगा रिलीज

नानी और साई पल्लवी की श्याम सिंघा रॉय सबसे बहुप्रतीक्षित तेलुगु फिल्मों में से एक मानी जा रही है। जैसा कि नानी इस फिल्म में डबल रोल में नजर आने वाली हैं, उनसे उम्मीदें ज्यादा हैं। श्याम सिंघा रॉय के निर्माताओं के ताजा अपडेट के साथ, चर्चा दोगुनी हो गई है। श्याम सिंघा रॉय को लेकर फैंस की उम्मीदें और बढ़ रही है, क्योंकि निर्माता 18 नवंबर को टीजर रिलीज करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। निर्माताओं ने एक शानदार पोस्टर के साथ इसकी घोषणा की है, जिसमें नानी को जबरदस्त लुक में दिखाया गया है, जिनके बैकग्राउंड में आग की चिंगारी देखी जा सकती है। निर्माताओं ने हाल ही में पहला सिंगल राइज ऑफ श्याम रिलीज करके श्याम सिंघा रॉय का प्रमोशन शुरू कर दिया है। गाने को सभी का अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। साथ ही, जारी किए गए पोस्टरों ने ध्यान आकर्षित किया है, जबकि नानी और उनकी टीम ने मीडिया से बातचीत और प्रेस मीट शुरू कर दी है, ताकि रिलीज के दिन तक फिल्म का प्रमोशन किया जा सके। साई पल्लवी, मैडोना सेबेस्टियन और कृति शेट्टी इस फिल्म में मुख्य महिला के रूप में दिखाई देंगी। राहुल सांकृत्यान द्वारा निर्देशित, यह फिल्म वर्ष 1970 में कोलकाता पर आधारित है। **(एजेंसी)**

रामदास को सूर्या का जवाब, कहा, जय भीम किसी ग्रुप को टारगेट नहीं करती

तमिल स्टार सूर्या ने गुरुवार को पीएमके नेता को जबाव देते हुए कहा कि न तो उनका और न ही उनकी फिल्म इकाई का, किसी व्यक्ति या समुदाय का अपमान करने का कोई इरादा था। हाल में ही पीएमके नेता और पूर्व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ अंबुमणि रामदास ने आरोप लगाया था कि सूर्या की फिल्म विशेष समुदाए को टारगेट करती है। जय भीम पर पीएमके नेता द्वारा उठाए गए सवालों की श्रृंखला के जवाब में, सूर्या ने एक बयान में कहा कि जय भीम की मूल अवधारणा यह है कि, सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति चंद्रू द्वारा तर्क दिए गए एक

मामले में, न्याय स्थापित करने में मदद करने के लिए अधिकारियों के खिलाफ एक कानूनी संघर्ष था। हमने उन समस्याओं के बारे में भी बात करने का प्रयास किया है, आम लोग दैनिक जीवन में जिनका सामना करते हैं। इस आरोप का खंडन करते हुए कि जय भीम की इकाई ने योजनाबद्ध तरीके से एक विशेष समुदाय का अपमान किया था, सूर्या ने कहा कि न तो मेरी टीम, और न ही मैंने कभी किसी व्यक्ति या समुदाय का अपमान करने का कोई इरादा रखा है जैसा कि उन्होंने अपने पत्र में उल्लेख किया है। मुझे आशा है कि आप जानते हैं कि जैसे ही कुछ लोगों ने गलतियों की ओर इशारा किया था, उसमें सुधार किए गए थे। बयान को डॉ रामदास के लिए संबोधित किया गया था, जिनकी पार्टी मुख्य रूप से वन्नियार समुदाय का प्रतिनिधित्व करती है। यह कहते हुए कि वह डॉ रामदास के इस बयान से पूरी तरह सहमत थे कि रचनात्मक स्वतंत्रता की आड़ में किसी भी समुदाय का अपमान करने का अधिकार किसी को नहीं दिया गया है, सूर्या ने कहा कि मेरा मानना है कि आप भी स्वीकार करेंगे कि रचनात्मक स्वतंत्रता को अवश्य ही स्वीकार करना चाहिए। यह बताते हुए कि एक फिल्म एक वृत्तचित्र नहीं थी, सूर्या ने बताया कि जय भीम इकाई ने फिल्म की शुरूआत में ही एक डिस्क्लेमर दिया था, यह कहते हुए कि यह एक ऐसी कहानी है, जो केवल एक वास्तविक घटना से प्रेरित थी और फिल्म में पात्र, नाम और घटनाएँ पूरी तरह से काल्पनिक थीं। **(एजेंसी)**